हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● सोमवार ● 02.09.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 44 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

के सी त्यागी ने जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद से दिया इस्तीफा

नयी दिल्ली : जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता के सी त्यागी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। जदयू के महासचिव आफाक अहमद खान ने एक विज्ञप्ति में बताया कि श्री त्यागी ने निजी कारण से पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया है। विज्ञप्ति के अनुसार जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पार्टी के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन प्रसाद को राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद पर नियुक्त किया है। सूत्रों के अनुसार श्री त्यागी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राजनीतिक सलाहकार बने रहेंगे।

हेना चक्रबर्ती को राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान-2024 से किया जाएगा सम्मानित

नयी दिल्ली : अखिल भारतीय स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक संघ द्वारा आगामी 5 सितंबर को राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त भारत की वरिष्ठ आर्टिस्ट गांधीयन हेना चक्रबर्ती को 40 वें डॉ.एस राधाकृष्णन स्मृति राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान-2024 से सम्मानित किया जाएगा। संघ के राष्ट्रीय महामंत्री शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय के अनुसार, हेना चक्रबर्ती वर्तमान में कस्तूरबा गांधी संग्रहालय, गांधी आश्रम किंग्सवे कैंप की क्यूरेटर हैं। इससे पूर्व वह लगभग 38 वर्षों तक गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति राजघाट की क्यूरेटर रह चुकी हैं। उन्हें तत्कालीन राष्ट्रपति वी.वी गिरी द्वारा प्रेसिडेंट प्रशस्ति पत्र मिल चुका है। हेना चक्रबर्ती अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आर्टिस्ट हैं ओर उनकी अनेकों कला प्रदर्शनियां प्रदर्शित हो चुकी हैं। उन्होंने अपने कला कौशल से सैंकड़ों कलाकार प्रशिक्षित किए हैं। उन्हें राजा रवि वर्मा पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। हेना चक्रबर्ती की बनाई हुई कलाकृतियों पर भारत सरकार ओर दिल्ली सरकार पांच कैलेंडर जारी कर चुकी हैं। हेना चक्रबर्ती गांधी जी के जीवन ओर दर्शन से बहुत प्रभावित हैं ओर उनका सारा काम गांधी जी पर केंद्रित रहा है। हेना चक्रबर्ती को ही देश के एकमात्र कस्तूरबा गांधी संग्रहालय दिल्ली की क्यूरेटर होने का सौभाग्य प्राप्त है।

एटीएम से 25 लाख की चोरी लगाई आग

गुमला : जिले के बसिया थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात कोनबीर स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम से 25 लाख रुपये की चोरी कर ली गई। एसपी के आदेश पर बसिया के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नाजिर अख्तर के नेतृत्व में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का गठन किया है। साथ ही तकनीकी शाखा, फिंगर प्रिंट ब्यूरो एवं डॉग स्कवायडटीम को भी वारदात के खुलासे के लिए लगाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार चोरों ने पहले बसिया निवासी संजय चौधरी के मालवाहक ट्रक की चोरी की। इसके बाद उसी ट्रक को कोनबीर स्थित एसबीआई बैंक के समीप लगाकर एटीएम से पैसे की चोरी कर ली। इसके बाद चोरों ने एटीएम में आग लगा दिया। इस घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी ट्रक लेकर भाग रहे थे लेकिन संयोग से कामडारा के बाकूटोली मोड़ के पास ट्रक में शॉर्ट सर्किट की समस्या उत्पन्न हो जाने से स्टार्ट बंद हो गया। इसके बाद चोर ट्रक को वहीं छोड़कर पैसे लेकर भाग गए।

दुष्कर्म जैसे मामलों में तत्काल न्याय नहीं मिलने से घटता है भरोसा : राष्ट्रपति

एजेंसी

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि पेंडिंग केस और बैकलॉग न्यायपालिका के लिए बड़ा चैलेंज हैं। जब रेप जैसे मामलों में कोर्ट का फैसला एक पीढ़ी गुजर जाने के बाद आता है, तो आम आदमी को लगता है कि न्याय की प्रक्रिया में कोई संवेदनशीलता नहीं बची है। राष्ट्रपति मुर्मू नई दिल्ली के भारत मंडपम में नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ डिस्ट्रिक्ट ज्यूडिशियरी के वैलेडिक्टरी इवेंट में शामिल हुई थीं। यहीं पर उन्होंने यह बात कही। इस इवेंट में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और कानून एवं न्याय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट का फ्लैग और चिह्न भी जारी किया।

न्याय की रक्षा करना सभी जजों की जिम्मेदारी : मुर्मू

मुर्मू ने कहा कि न्यायालयों में तत्काल न्याय मिल सके इसके लिए हमें मामलों की सुनवाई को आगे बढ़ाने के कल्चर को खत्म करना होगा। इसके लिए सभी जरूरी प्रयास किए जाने चाहिए। इस देश के सारे जजों की यह जिम्मेदारी है वे न्याय की रक्षा करें। राष्ट्रपति ने कहा कि कोर्टरूम में आते ही आम आदमी का स्ट्रेस लेवल बढ़ जाता है। उन्होंने इसे 'ब्लैक कोट सिंड्रोम' का नाम दिया और सुझाव दिया कि इसकी स्टडी की जाए। उन्होंने न्यायपालिका में महिला अफसरों की बढ़ती संख्या पर खुशी भी जताई।

न्याय में कितना देर सही है, इस पर विचार करने की जरूरत : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति ने कहा कि गांव के लोग न्यायपालिका को दैवीय मानते हैं, क्योंकि उन्हें वहा न्याय मिलता है। एक कहावत है- भगवान के घर देर है अंधेर नहीं। लेकिन आखिर कितनी देर? हमें इस बारे में सोचना होगा। जब तक किसी को न्याय मिल पाता है, तब तक उनके चेहरे से मुस्कान गायब हो चुकी होती है, कई मामलों में उनकी जिंदगी तक खत्म हो जाती है। इस बारे में गहराई से विचार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह हमारे सामाजिक जीवन का दुखद पहलू है कि कई मामलों में कई लोग अपराध करने के बाद भी खुलेआम घूमते रहते हैं, जबकि उनके विक्टिम डर में जीते हैं।

तारीख पे तारीख कल्चर वाली धारणा गलत : कानून मंत्री

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि सभी लोगों को मिलकर ये धारणा खत्म करनी होगी कि भारत में न्यायपालिका 'तारीख पे तारीख कल्चर' से ग्रसित है। अगर ये धारणा टूटती है, तो नागरिकों के बीच न्यायपालिका को लेकर भरोसा मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि केस लंबे समय तक पेंडिंग क्यों पड़े रहते हैं, इसका कड़ाई से एनालिसिस करने किया जाना चाहिए।

दौड़ में बेहोश हुए तालो हांसदा के इलाज के लिए मुख्यमंत्री ने की पहल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन चुनावी दौर में झारखंडियों पर लगातार सौगात की बरसात कर रहे हैं। यहां तक की सोशल मीडिया पर किसी आदिवासी युवक की सहायता भी मांगी जा रही है, तो उसपर भी वे बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं। शनिवार को हजारीबाग जिले में उत्पाद सिपाही की भर्ती के लिए दौड़ का आयोजन किया गया था। इस भर्ती में रामगढ़ जिले के भी कई कैंडिडेट शामिल थे। मांडू, रंगुबेरा के रहने वाले 20 वर्षीय तालो हांसदा नमक अभ्यर्थी इस दौड़ के दौरान बेहोश हो गए थे।
उनकी हालत नाजुक थी और उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी तस्वीरों के साथ सोशल मीडिया एक्स पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को टैग कर एक पोस्ट डाला गया। इस पर तत्काल रामगढ़ जिला प्रशासन को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सहायता करने के लिए निर्देशित किया। रविवार को रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने मुख्यमंत्री को इस पोस्ट पर रिप्लाई किया और बताया कि

अभ्यर्थी तालो हंसदा की हालत अब काफी अच्छी है। वह हजारीबाग के आरोग्यं अस्पताल में भर्ती हैं और 24 घंटे के अंदर वह डिस्चार्ज भी हो जाएंगे। अभ्यर्थी वर्तमान में इमरजेंसी से बाहर आ चुके हैं एवं अच्छा महसूस कर रहे हैं। जिला प्रशासन तालो हांसदा के परिवार वालों के साथ लगातार संपर्क में है।

आरक्षण और विशेष राज्य के दर्जे पर सीएम नीतीश कुमार ढिलाई बरत रहे हैं : तेजस्वी

एजेंसी

पटना : बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आरक्षण के मुद्दे पर वह धरने पर बैठे हैं। हम प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पूछना चाहते हैं कि केंद्र सरकार नवमी अनुसूची में आरक्षण को शामिल क्यों नहीं कर रही है।
तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब केंद्र सरकार ने विशेष राज्य का दर्जा देने से इनकार कर दिया, तो जनता दल यूनाइटेड के लोग ताली बजा रहे थे। उन्होंने सवाल किया कि क्या विशेष राज्य का दर्जा मिलेगा या नहीं मिलेगा। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार पर आरक्षण और विशेष राज्य के दर्जे के मुद्दे पर ढिलाई बरतने का आरोप लगाया है।
उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि विशेष राज्य के दर्जे पर जदयू के लोगों की जुबान क्यों नहीं खुल रही है? मैं तो कहता हूं कि आरक्षण बढ़ाने का काम आप लोग ही करवाइए, आप केंद्र में हैं, पावर में हैं, विशेष राज्य का दर्जा दिलवाइए। नरेंद्र मोदी तीन बार से प्रधानमंत्री बन रहे हैं, उसमें बिहार का बड़ा योगदान है, फिर भी बिहार के साथ सौतेला व्यवहार क्यों किया जा रहा है।
संजय झा के तंज पर उन्होंने कहा कि 17 महीने सरकार में रहने के दौरान हमने जाति जनगणना कराई। इसी 17 महीने में हमने आरक्षण की सीमा बढ़ाई। हमने 5 लाख लोगों को नौकरी देने का वादा किया था और 3 लाख लोगों को नौकरी दी। इसी 17 महीने में हमने आईटी पॉलिसी बनाई, खेल नीति बनाई।
जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी के इस्तीफे पर उन्होंने कहा कि क्या कीजिएगा, सभी लोगों को पद चाहिए, लेकिन पद सीमित हैं। पद जितना रहेगा, लोग उतना ही दे पाएगा, लेकिन निश्चित तौर पर लोगों को पद की लालसा रहती है। सभी लोगों को विधायक और सांसद बनना है, सभी लोग तो विधायक, सांसद बन नहीं सकते।
बता दें कि केसी त्यागी ने रविवार को जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने निजी कारणों से इस्तीफा देने की बात कही। उनका इस्तीफा पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की तरफ से स्वीकार कर लिया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव आफाक अहमद खान ने केसी त्यागी के इस्तीफे की जानकारी देते हुए राजीव रंजन प्रसाद को नया प्रवक्ता बनाये जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह फैसला पार्टी अध्यक्ष नीतीश कुमार से मिले दिशा-निर्देशों के बाद लिया गया है।

बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को पत्र लिखकर दिया सुझाव

शराब दुकानों के लाइसेंस देने में आदिवासी महिलाओं और सेवानिवृत्त जवानों को दें प्राथमिकता : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में नई शराब नीति लागू करने को लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर सुझाव दिया। उन्होंने पत्र में कहा कि झारखंड की सामाजिक संरचना में हजारों गरीब, दलित और आदिवासी महिलाएं हैं, जो सड़क किनारे हड़िया, दारू बेचकर अपने परिवार का पालन-पोषण करती हैं। आप भी उसी समाज से आते हैं। इसलिए आप खुद भी आदिवासी महिलाओं की स्थिति से अवगत होंगे।
बाबूलाल ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि जिस प्रकार केंद्र सरकार पेट्रोल पंप और गैस एजेंसी के लाइसेंस इश्यू करने में दलित, आदिवासी, महिला, दिव्यांगों और सेना से सेवानिवृत्त जवानों को प्राथमिकता देती है, उसी प्रकार राज्य सरकार भी देशी-विदेशी शराब दुकानों का लाइसेंस जारी करने में गरीब आदिवासी महिलाओं व सेना से सेवानिवृत्त जवानों को प्राथमिकता दें। उन्होंने पत्र में लिखा है कि चूंकि शराब नीति का निर्धारण पंचायती राज विभाग और ग्रामसभा का विषय है, इसलिए सरकार से आग्रह है कि वह इन विभागों की मदद से ऐसी नीति तैयार करें, जो अदिवासी महिलाओं के हित में हो। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मरांडी ने पत्र में कहा है कि इससे पहले आपके नेतृत्व में दो बार शराब नीति लागू की जा चुकी है लेकिन वह राज्य हित में नहीं थी।
दोनों शराब नीतियां राज्य की जनता के शोषण व सरकारी राजस्व के नुकसान का करण बनी। निर्धारित मूल्य से अधिक दरों पर शराब बेचने के कारण जनता से अवैध वसूली की गयी, जिससे सिर्फ शराब माफिया व दलालों को लाभ हुआ।

आखिर बाबूलाल मरांडी महिलाओं से क्यों बेचवाना चाहते हैं शराब : बैद्यनाथ

रांची : राज्य के उत्पाद मंत्री बैजनाथ राम ने कहा कि बाबूलाल मरांडी आखिर महिलाओं से शराब क्यों बिकवाना चाहते हैं? वर्तमान में सिर्फ सुझाव मांगे गए हैं और नई शराब नीति पर अभी तक कोई चर्चा भी नहीं हुई है। यह समय सुझाव देने का नहीं, बल्कि सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखकर काम करने का है। दरअसल, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को मख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर नई शराब नीति के लिए सुझाव दिया है। इसपर राज्य के उत्पाद मंत्री बैजनाथ राम ने जवाब देते हुए कहा कि बाबूलाल मरांडी ने मख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा है कि झारखंड सरकार नई शराब नीति लागू करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी राज्य में दो बार शराब नीति लागू की जा चुकी है लेकिन इन नीतियों का राज्य के हित में कोई विशेष लाभ नहीं हुआ है। राज्य सरकार को नई शराब नीति बनाने से पहले संबंधित विभागों और ग्राम सभाओं से मंतव्य प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण आदिवासी महिलाओं के हितों का ध्यान रखने की बात कही और सुझाव दिया कि उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन यापन करने में मदद मिलनी चाहिए।

कनाडा में भारत विरोधी एक्शन : वैंकूवर में खालिस्तान समर्थकों ने निकाली विवादित झांकी, बेअंत सिंह के हत्यारे को बताया 'हीरो'

एजेंसी

वैंकूवर : कनाडा में खालिस्तान समर्थक कट्टरपंथियों द्वारा आयोजित एक हालिया झांकी ने एक बार फिर भारत-कनाडा संबंधों में तनाव बढ़ा दिया है। यह झांकी वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के पास शनिवार, 31 अगस्त 2024 को निकाली गई, जिसमें 1995 में पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के लिए जिम्मेदार आत्मघाती हमलावर दिलावर सिंह बब्बर को सम्मानित किया गया। इस झांकी में बेअंत सिंह की तस्वीरें और उस बम विस्फोट वाली कार को भी दिखाया गया, जिसमें वे मारे गए थे। तस्वीरों पर उग्र संदेश लिखे गए थे, जैसे 'बेअंत को मौत के घाट उतार दिया'। यह झांकी उस आत्मघाती हमले की भयावहता को दर्शाने के बजाय दिलावर सिंह को 'शहीद' और 'हीरो' के रूप में महिमामंडित

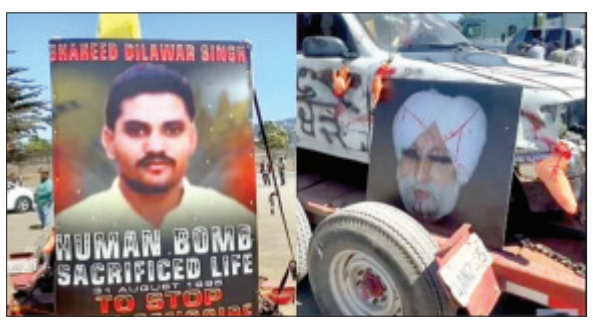

करने पर केंद्रित थी।
झांकी के आयोजन का समय भी बेहद संवेदनशील था, क्योंकि यह बेअंत सिंह की 29वीं पुण्यतिथि के अवसर पर निकाली गई थी। दिलावर सिंह बब्बर, जोकि बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़ा था, ने 31 अगस्त 1995 को चंडीगढ़ सचिवालय के बाहर एक आत्मघाती बम विस्फोट कर बेअंत सिंह की हत्या कर दी थी। यह हमला पंजाब में आतंकवाद के खिलाफ बेअंत सिंह की कड़ी कार्रवाई का बदला था। इस हत्या को उस समय के खालिस्तान समर्थकों ने 'स्वतंत्रता संग्राम' के रूप में चित्रित किया था। कनाडा में इस तरह की गतिविधियां केवल वैंकूवर तक सीमित नहीं रहीं। इसी तरह की एक और रैली टोरंटो में भी निकाली गई, जिसका नेतृत्व इंद्रजीत सिंह गोसल ने किया। गोसल ने रैली में दिलावर सिंह को 'शहीद' करार दिया और उसे खालिस्तान जनमत संग्रह के प्रचारकों की संतान बताया। गोसल, जोकि खालिस्तानी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस के जनरल काउंसिल गुरपतवंत पन्नू का सहयोगी माना जाता है, को हाल ही में कनाडाई कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा उसके जीवन के लिए खतरे की चेतावनी भी दी गई थी। यह चेतावनी ओंटारियो प्रांतीय पुलिस और रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस द्वारा जारी की गई थी। गोसल का संबंध हरदीप सिंह निज्जर से भी बताया जाता है, जिसे पिछले साल जून में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में हत्या कर दी गई थी। खालिस्तान समर्थकों की इन गतिविधियों पर भारतीय सरकार ने कड़ी आपत्ति जताई है। कनाडाई अधिकारियों के साथ भी इस मुद्दे को उठाया गया है, जहां सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री डोमिनिक लेब्लांक ने हिंसा को बढ़ावा देने की निंदा की। कनाडा में ऐसे आयोजनों से भारत-कनाडा संबंधों में और दरार आ सकती है, जो पहले से ही कुछ मुद्दों पर तनावपूर्ण रहे हैं।
इससे पहले इसी साल 9 जून को ग्रेटर टोरंटो एरिया के ब्रैम्पटन में एक और विवादास्पद झांकी निकाली गई थी, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का पुतला प्रदर्शित किया गया था। उस झांकी में इंदिरा गांधी की हत्या को 'न्याय' के रूप में प्रस्तुत किया गया, जोकि 31 अक्टूबर 1984 को उनके अंगरक्षकों द्वारा की गई थी। इस झांकी के माध्यम से ऑपरेशन ब्लूस्टार की 40वीं वर्षगांठ को चिह्नित किया गया, जिसमें भारतीय सेना ने स्वर्ण मंदिर में घुसे खालिस्तानी चरमपंथियों का सफाया किया था। उस समय, जरनैल सिंह भिंडरावाले और उसके समर्थकों ने स्वर्ण मंदिर परिसर पर कब्जा कर लिया था, जो खालिस्तान आंदोलन का केंद्र बन गया था।

हेमन्त सरकार ने राज्य को पूरी तरह बर्बाद किया : शिवराज सिंह चौहान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : केंद्रीय मंत्री और झारखंड विधानसभा चुनाव के भाजपा प्रभारी शिवराज सिंह चौहान रविवार को रांची से मध्य प्रदेश के विदिशा लोकसभा क्षेत्र के लिए रवाना हो गये। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि लोग इस बार भाजपा को वोट देने जा रहे हैं। साथ ही कहा कि यह चुनाव राज्य को बचाने का चुनाव है। मौजूदा गवर्नमेंट ने स्टेट को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है।
शिवराज ने कहा कि हम झारखंड में अच्छा कर रहे हैं। स्थानीय लेवल पर भी टीम शानदार काम कर रही हैं। मौजूदा सरकार ने राज्य को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। यह स्टेट को बचाने का चुनाव है। आये दिन यहां से नगदी बरामद की जाती है। आदिवासियों की जमीन छीनी जा रही है। उन्होंने दावा किया कि मतदाता इस बार विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट करने जा रहे हैं। विदिशा जाने के बाबत उन्होंने कहा कि हमारा निर्वाचन क्षेत्र मेरे लिए एक परिवार की तरह है। कई सालों से लोगों का रिश्ता कायम है। आज वहां जाकर दीदियों से भी मुलाकात करूंगा। हमलोग बस प्रधानमंत्री मोदी की इच्छा को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं।
उल्लेखनीय है कि हाल ही में शिवराज सिंह चौहान ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन को रांची में भाजपा की सदस्यता दिलवाई। इस दौरान उन्होंने झामुमो पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अब ये पार्टी परिवारवाद से हटकर पति-पत्नी की पार्टी बनकर रह गयी है। इससे पहले उन्होंने संगठन के पदाधिकारियों के साथ एक बैठक कर आगामी चुनाव पर चर्चा की।

एक नजर

तलाब में दस वर्षीय बच्चे की डूबने से मौत

चौपारण : प्रखंड के रैंबो करमा में रविवार को तलाब में एक बच्चे की डूबकर मौत होने से पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया। मामला रविवार की दोपहर का है जब मृतक शलेश कुमार पिता शंकर सिंह (ग्राम करमा, रामपुर) दोपहर में घर से बिन बताए अपने दोस्तों के साथ तालाब में नहाने चला गया था, और पानी की गहराई में जाने के कारण बच्चों की डूब कर मौत हो गई। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक अपना कपड़ा खोलकर तलाब में नहाने गया था। जिसे तलासते हुए दादी की नजर मृतक की कपड़े पर पड़ी। कपड़े को देख दादी ने ग्रामीणों को हल्ला कर बुलाया। जिसके बाद तलाब से बच्चे को निकाला गया। तब तक बच्चे की मृत्यु हो चुकी थी। घर के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मुखिया प्रतिनिधि मोहन साव ने कहा कि रैंबो करमा में यह लगातार तीसरी घटना है। यह गरीब परिवार का बच्चा है और नहाने के क्रम में घटना घटी है। हमारा प्रयास रहेगा की मृत बच्चे का उचित मुवाजा परिजनों को दिला सके। मौके पर जेएमएम नेता बिरेंद्र राणा ने कहा कि यह बहुत ही दु:खदेय घटना है। भगवान इनकी परिजनों को सहनशक्ति दे। हमने सीओ एवं थाना प्रभारी को इसकी सूचना दिया है। सरकार के प्रावधान के अनुसार उचित मुआवजा दिलाने का प्रयास करेंगे।

दुर्गा पूजा समिति की बैठक में पूजा कमेटी का हुआ गठन

बरही: बरही के पटना रोड सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक भगवान केशरी के आवास पर आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से पूजा कमेटी का गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता भुनेश्वर साहू ने किया। इस बैठक में दिनेश साव को अध्यक्ष और सुनील साव को कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में चुना गया। महासचिव के रूप में रितेश कुमार गुप्ता और सचिव के रूप में अशोक केसरी को जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा राजेश साव, सुधीर रजक, नागेंद्र साहू और राजेश केसरी को उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया, जबकि चंदन साव और रंजन कुमार को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। सदस्यों के रूप में पवन केसरी, दीपक साव, बजरंगी केसरी, गोविंद यादव, शीतल साहू, कुंदन साहब, राहुल पांडे, विनोद केसरी, रोहित साव, अशोक केसरी, प्यारेलाल साहू, कैलाश साहू, मिथलेश साहू, विशेश्वर साहू, अमरदीप केसरी, सूरज केसरी, संजय केसरी, सुभम साव, अरूण यादव, अरुण साव, अनंत कुमार गुप्ता, राजेश साव, संजू कुमार, विशुन साव को चुना गया। बैठक में हर्षोल्लास के साथ दुर्गा पूजा मनाने का निर्णय लिया गया।

सलगा में दुर्गा पूजा को लेकर हुई बैठक

केरेडारी : सलगा में दुर्गा पूजा को लेकर बैठक किया गया। इस बैठक में दुर्गा पूजा समिति का गठन किया गया बैठक में आगामी दुर्गा पूजा को धूम धाम से मनाने को लेकर दुर्गा पूजा समिति अध्यक्ष कुमार प्रसाद साहू सचिव राजेंद्र महतो कोषाध्यक्ष बलराम साव को सर्वसम्मति से बनाया गया बताते चलें कि इन तीनों व्यक्ति ने तीन साल से लगातार अपने पद पर कार्य संभाल रहे हैं और बेहतरीन ढंग से दुर्गा पूजा को सफल कर रहें हैं । मौके पर उपस्थित जयराम साव भोला महतो सलगा पंचायत के मुखिया पार्वती देवी, उप मुखिया जागेश्वर कुमार महतो, पंचायत समिति मीना देवी, विनोद कुमार राम, अर्जुन शाह, डोमन राणा, पवन दास, राजेंद्र साव, मिथलेश प्रजापति, किशोर साव, किशन कुमार, संतु कुमार साव, धनंजय तिवारी सैकड़ो महिला पुरुष उपस्थित थे।

सांसद खेल महोत्सव के तहत घाटो में आयोजित नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ शानदार समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर संपूर्ण लोकसभा क्षेत्र के लिए सांसद खेल महोत्सव- 2024 का आगाज किया है। इसके तहत नमो फुटबॉल टूर्नामेंट के तीसरे चरण का बीते 27 अगस्त को मांडू विधानसभा क्षेत्र के घाटो स्थित 15 नंबर फुटबॉल मैदान में विधिवत शुरूआत हुआ था। जिसका शानदार समापन 6 दिनों के बाद रविवार को यहां हुआ। इस टूर्नामेंट में क्षेत्र की कुल 32 टीमों ने भाग लिया था। जिसमें सभी टीमों को पछाड़कर एएसएफसी लइयो बनाम एफसी बंजी की टीम ने फाइनल में जगह बनाई। रविवार को यहां नमो फुटबॉल टूर्नामेंट के रोमांचक फाइनल मुकाबला का आगाज एएसएफसी लइयो बनाम एफसी बंजी की टीम के बीच हुआ तो पूरा मैदान दशकों से खचाखच भर गया। इस क्षेत्र के खेल प्रेमियों में इस टूर्नामेंट के प्रति गजब का उत्साह देखा गया। फाइनल मुकाबला दोनों टीमों के बीच जोरदार और बेहद संघर्षपूर्ण हुआ। दोनों टीमों के बराबर प्रदर्शन के बाद पेनल्टी शूटआउट के जरिए एफसी बंजी की टीम ने 5- 3 गोल से एएसएफसी लइयो की टीम को पराजित कर इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। टूर्नामेंट में लइयो टीम के मिलन कुमार मेन ऑफ द सीरीज और बंजी टीम से टोहल गंजू मेन ऑफ द मैच बने। टूर्नामेंट में निर्णायक की भूमिका में गिरधारी महतो, रवि रजवार, संजीत कुमार और मनोज कुमार रहें । टूर्नामेंट के समापन के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल यहां पहुंचे और फाइनल मैच का आनंद लिया एवं फाइनल के विजेता बंजी टीम को 25 हजार रुपए का चेक एवं आकर्षक नमो ट्रॉफी तथा विजेता लइयो की टीम को 15 हजार रुपए का चेक एवं आकर्षक नमो ट्रॉफी भेंटकर सम्मानित किया। मौके पर उपस्थित खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को संबोधित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि नमो फुटबॉल टूर्नामेंट सांसद खेल महोत्सव- 2024 के तहत आयोजित है जो हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सभी 22 प्रखंडों में आयोजित होगा। मांडू विधानसभा क्षेत्र के मांडू प्रखंड क्षेत्र विस्तार अत्यधिक होने के कारण इस विधानसभा क्षेत्र के मांडू प्रखंड में दो जगहों पर नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिसमें घाटो में आज संपूर्ण हुआ लेकिन कुजू में जारी है।

युवाओं की लाश पर सियासी रोटी सेकने की हो रही है साजिश : डॉ. अमित सिन्हा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उत्पाद सिपाही बहाली दौड़ में शामिल अभ्यर्थियों की मौत पर सवाल उठाते हुए भाजपा नेता डॉ. अमित सिन्हा ने वर्तमान सरकार पर तंज कसते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन नौकरी बांट रहे हैं या मौत यह समझ से परे है । उत्पाद सिपाही की बहाली में दौड़ के क्रम में जिन भी युवाओ की मौत हुई है, उसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। जो युवक नौकरी पा कर घर का चिराग जलाए रखना चाहते है, आज उसी घर का चिराग बुझ जा रहा है, सरकार नौकरी बाट रही हैं या मौत, डॉ० अमित सिन्हा ने कहा की किसी भी स्थान पर छात्र के दौड़ के लिए उचित व्यवस्था नहीं है, वर्तमान सरकार इस बहाली को अविलंब रोके और इसमें सुधार कर पुनः दौड़ कराए। भाजपा नेता सिन्हा ने कहा की वर्तमान सरकार 5 वर्ष में नौकरी देने का वादा पूरा नहीं कर सकी और जब युवाओं का आक्रोश सड़कों पर दिखा और विपक्ष का दबाव बढ़ा तो आनन-फानन में उत्पाद सिपाही की भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस उम्मस भरी गर्मी में 1 घंटे में 10 किलोमीटर की दौड़ को पूरा करने में न जाने कितने छात्र गंभीर रूप से बीमार हो गए और कई की जानें भी चली गई है। उन्होंने कहा कि राज्य के युवा सरकारी नौकरी को पाने के लिए अपने जान दांव पर लगाने तक को मजबूर हैं। वहीं राज्य सरकार की संवेदना मर चुकी है। मृत छात्रों के परिजनों को डॉ० अमित सिन्हा ने मुआवजा राज्य सरकार से मिले उसके लिए उन्होंने सरकार से मांग की है कि इस दौड़ में जितने भी छात्रों की मौत हुई है, उनके परिजनों को अविलंब सरकार मुआवजा दें और एक मेडिकल टीम गठित कर इस दौड़ में सही मानकों की प्रक्रिया को पूरा करें।

राज्य की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए भाजपा बना रही है घोषणा पत्र : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : भाजपा ने घोषणा पत्र सुझाव अभियान के तहत जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता ने सुझाव फॉर्म भर कर भेजा है घोषणा पत्र के बारे में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश प्रमंडल स्तरीय चुनाव घोषणा सुझाव पत्र भरा जा रहा है इसी घोषणा पत्र के आधार पर राज्य में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा अपना घोषणा पत्र जारी करेगा आगे उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव में जो घोषणा करती है उसे पूरा करती है वहीं प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कोडरमा विधायक नीरा यादव ने कहा कि राज्य के लोगों की जरूरत के अनुसार ही भाजपा अपना घोषणा पत्र बनाएगी जिसको लेकर हम जन जन तक जायेंगे और आने वाले चुनाव के बाद जब हमारी सरकार बनेगी तो उन सभी योजनाओं को लोगों के बीच लागू करेंगे। वर्तमान में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली महागठबंधन की सरकार राज्य के युवा, महिला को ठगने का काम किया है जिसका परिणाम उनको आगामी विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने के बाद मिलेगा। प्रेसवार्ता में जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, प्रदेश अध्यक्ष ओ बी सी मोर्चा, अमरदीप यादव, टुन्नू गोप पूर्व जिला अध्यक्ष सह चतरा प्रभारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य के पी ओझा, बटेश्वर प्रसाद मेहता, भैया बांके बिहारी, कुणाल किशोर दुबे, अर्जुन साव, सुनील मेहता, जय नारायण मेहता सहित दर्जनो भाजपा ने पदाधिकारी उपस्थित थे।

खेलने से बच्चे शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होते हैं : टोनी जैन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व प्रदेश कोषाध्यक्ष टोनी जैन के सौजन्य से प्रखंड स्तरीय वॉलीबॉल दो दिवसीय प्रतियोगिता दारू प्रखंड के चीरवा ग्राम में प्रारंभ हुई इसमें पंचायत स्तर के ईरगा, जबरा, हरली पीपचो, जोनिया, दारू, चीरवा चेरुवन सहित कुल 9 टीम भाग लिए/ कार्यक्रम की शुरूआत भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता टोनी जैन कुंवर मनोज सिंह, सुरेश प्रसाद ज्योत्सना देवी ने दीप प्रज्वलंन कर की। इसके बाद सभी खिलाड़ियों के साथ राष्ट्रगान गाया गया, फिर खेल की शुरूआत की गई खेल का समापन 2 तारीख सोमवार को होगा प्रतियोगिता नॉकआउट राउंड की तर्ज पर चलेगी। अंतिम में दो टीम फाइनल खेलेगी खिलाड़ियों को ट्रॉफी के साथ-साथ मेडल का भी पुरस्कार दिया जाएगा तथा जो नौक आउट राउंड बाहर हो जाएगी उन टीमों को भी वॉलीबॉल और नेट पुरस्कार स्वरूप दिया जाएगा। जिससे सभी खिलाड़ियों का मनोबल ऊंचा रहे और अपने-अपने पंचायत में लगातार अभ्यास करते रहे, आज की शुरूआत में वहां के ग्रामीणों ने टोनी जैन का स्वागत फूलमाला पहनाकर किया ,और ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि इससे हमारे यहां के बच्चे के अंदर प्रतिभा निखरेगी और वह जिला स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक अपना प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं आज के कार्यक्रम में टोनी जैन ने कहा कि ग्रामीणों के स्वागत से मैं बहुत प्रसन्न हूं और आगे भी खिलाड़ियों के लिए मैं लगातार उनकी प्रतिभा को निखारने का प्रयास करता रहूंगा। जिससे हमारे प्रखंड और जिले का नाम रोशन होता रहे ,यहां के बच्चे में प्रतिभा बहुत है सिर्फ तरासने की जरूरत है, मैं इनका खेल देखकर काफी खुश हूं।

100 केवी ट्रांसफार्मर का अनुप्रिया ने किया उद्घाटन, लोगों में हर्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कटकमदाग : प्रखंड के पसई ग्राम के ग्रामवासी के जो बीते कई दिनों से अंधेरे में अपना जीवन यापन करने को मजबूर थे। ग्रामवासी ट्रांसफार्मर के लिए कई अधिकारियों और नेताओं से मुलाकात कर चुके थे लेकिन किसी ने भी उनकी सुध नहीं ली। जैसे ही उक्त समस्या अनुप्रिया फाउंडेशन की संस्थापिका अनुप्रिया के संज्ञान में आया उन्होंने त्वरित कारवाई करते हुए अपने स्तर से 100 केवी का ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया। ट्रांसफार्मर के भव्य उद्घाटन समारोह में अनुप्रिया ने कहा कि लोगों को उनकी समस्याओं के बीच छोड़ देना मेरी फितरत नहीं , मैं बदलाव के लिए आई हूं और बदलाव करके ही मानूंगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि नेक इरादे के साथ काम करूंगी तो सबका भला जरूर होगा। इस ट्रांसफार्मर के माध्यम से सैकड़ो बच्चों का शैक्षणिक भविष्य को अंधकारमय होने से बचा पाना मेरे लिए सौभाग्य के बात है। बरसात के मौसम में तो सांपों और बिच्छुओं का भी बोलबाला रहता है जिसे एहतियात बरतने के लिए हर घर बिजली होना अति आवश्यक है। हमारी अनुप्रिया फाउंडेशन की टीम पूरी कोशिश कर रही है कि हजारीबाग के हजारों सपनों को हकीकत में बदला जाए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शैलेश कुमार, राजेश राणा, दिनेश कुमार, राजेश, साव, सोनू गुप्ता, आदि सहित सैकड़ो ग्रामीणों उपस्थित थे।

मतांतरण पर सख्त प्रहार की तैयारी, एक मंच पर आए सनातन धर्म के 20 जाति प्रमुखों ने की घोषणा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कटकमसांडी में पांव पसार रहे मतांतरण और धमार्तंरण को लेकर कटकमसांडी में आयोजित बड़ी बैठक में सनातन धर्म से जुड़े 20 विभिन्न जाति समाज के अध्यक्षों ने समाज को तोड़ने और भ्रम फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का संकल्प लिया है। प्रखंड मुख्यालय स्थित पंचायत भवन सभागार में बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक की अध्यक्षता अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांत उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने की। बैठक में कटकमसांडी प्रखंड में रहने वाले 32 जातियों में से 20 जाति समुह के अध्यक्ष और सचिव उपस्थित थे। बैठक का प्रारंभ भारता माता के चित्र पर पुष्पाजलि और दीप प्रज्वलन कर किया गया। विषय प्रवेश चंदन मेहता, मंच का संचालन अरविंद राणा और धन्यवाद ज्ञापन भोला राणा ने की। बैठक में अग्रवाल समाज के सचिव अजय अग्रवाल ने संबोधित किया और कहा कि अग्रवाल समाज इस दिशा में अग्रसर है और मतांतरण करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाया जाएंगा। महापात्र समाज से आए अमरेश पांडेय ने बताया कि उनकी मासिक बैठक होती है और अब हर बैठक में इसकी चर्चा की जाएंगी। जिला परिषद सदस्य सह ठाकुर समाज की मंजू नंदनी ने भी संबोधित कहा कि मुस्लिम समाज समझा रहा है और हिंदु खूद लड़ रहे है। कुरमी समाज के प्रखंड अध्यक्ष किस्टो महतो ने कहा कि पंचायत स्तर पर जाकर इस महत्वपूर्ण विषय की जानकारी समाज को दी जाएंगी। धोबी समाज के जय प्रकाश रजक ने कहाकि उनके जाति के लोग एकत्रित हो रहे है और सनातन हीं सर्वोपरी है। सावन बिरहोर और राधे बिरहोर ने कहा कि उनका समाज भटक रहा है और उन्हें अपनाने की आवश्यकता है। कहा कि उनके यहां एक भी व्यक्ति मतांतरण नहीं किया है। यादव समाज के रामनारायण यादव ने पदमा के अडार, कुरहागढ़ा में हो रहे मतांतरण की जानकारी दी। कहा कि यादव समाज इस दिशा में एकजुट हो रहा है। इसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएंगी। महेंद्र पासवान ने बताया कि आगामी से सभी बैठकों मतांतरण को लेकर चर्चा की जाएंगी। एक भी समाज को लोग आजतक मतांतरित नहीं हुए है। ऐसा करने वालों के खिलाफ समाज सख्त कार्रवाई करेगी। ब्राह्म समाज के मनोज पांडेय ने विस्तार से विषय रखा और कहा कि समाज की बैठक में इस दिशा में चर्चा हीं नहीं बल्कि पूजा पाठ के दौरान पर लोगों को जागरुक भी किया जाएंगा। बढ़ई समाज के प्रखंड अध्यक्ष रामा कुमार राणा ने बताया कि उनके समाज में मतांतरण की सूचना आयी है, इस दिशा में सख्त कार्रवाई की जाएंगी।

संक्षिप्त खबरें

भैया अभिमन्यु प्रसाद ने छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री से की शिष्टाचार मुलाकात

हजारीबाग : शहर के अन्नदा चौक स्थित प्रभु निवास मार्केट में रविवार शाम को छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा से अपने आवास पर शिष्टाचार मुलाकात भाजपा नेता भैया अभिमन्यु प्रसाद ने किया। शिष्टाचार मुलाकात में झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव पर चर्चा किया गया। साथ ही झारखंड में भी भाजपा सरकार बनाकर विकसित राज्य बनाने को लेकर सहित कई मुद्दों पर बातचीत की गई। विदित हो की छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम को कोडरमा लोकसभा के चुनाव प्रवासी प्रभारी बनाया गया हैं। वही भैया अभिमन्यु प्रसाद को चुनाव प्रभारी बनाया गया हैं। शिष्टाचार मुलाकात में दिलीप कुमार उर्फ डब्बू, जितेंद्र जैन उर्फ जीतू, मूलचंद साव, भैया नितेश, चन्दन कुमार सोनी, प्रमोद सिंह, राजू, गोपाल, संतोष, चन्दन सहित कई लोग उपस्थित थे।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का एसेट्स अंडर मैनेजमेंट तीन लाख करोड़ रुपये के पार

हजारीबाग : आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने अपने एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के तहत 3 लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। 31 जुलाई, 2024 तक कंपनी का एयूएम 3.14 लाख करोड़ रुपए दर्ज किया गया। अनूप बागची, एमडी और सीईओ, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस, ने कहा, एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के तहत 3 लाख करोड़ रुपए की उपलब्धि हासिल करना हमारे लिए गर्व का विषय है। यह हमारे उत्पादों के प्रति ग्राहकों की पसंद को दशार्ता है। साथ ही, उनके दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता के रूप में हम पर उनके भरोसे को भी उजागर करता है। हमने अपने उत्पादों और प्रक्रियाओं को सरल बनाकर हमारे एसेट्स अंडर मैनेजमेंट में वृद्धि की है। उन्होंने आगे कहा, ग्राहक अपनी बचत को सुरक्षित रखने और अपने परिवारों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए हम पर भरोसा करते हैं। हम सख्त निवेश और जोखिम प्रबंधन प्रथाओं का पालन करते हुए, उनकी बचत का ध्यान रखते हैं। इस दृष्टिकोण ने हमें कंपनी की शुरूआत से लेकर विभिन्न बाजार स्थितियों के दौरान किसी भी गैर-निष्पादित परिसंपत्ति से बचने में मदद की है।

बरहीवासियों ने सांसद से की अग्रवाल गली में सड़क, नाली और स्ट्रीट लाइट की मांग

बरही: बरही हजारीबाग रोड स्थित अग्रवाल गली के ग्रामीणों ने सांसद मनीष जायसवाल को एक आवेदन पत्र सौंपा है। जिसमें इस गली कि जर्जर स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित किया है। बरहीवासियों ने बताया कि यह गली बरही के सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण मार्गों में से एक है, जो हजारीबाग रोड को धनबाद रोड से जोड़ती है और बरही चौक के नजदीक स्थित है। आवेदन में उल्लेख किया गया कि इस मार्ग की हालत बहुत खराब हो चुकी है। पिछले 15 वर्षों से सड़क की मरम्मत नहीं हुई है, जिससे जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं और नालियां टूटकर अवरुद्ध हो गई हैं। बारिश के दिनों में नालियों का गंदा पानी सड़क पर बहता है, जिससे महामारी फैलने की आशंका भी बनी रहती है। बताया कि सड़क के बीचों-बीच सूखे पेड़ दुर्घटना का कारण बन रहे हैं और आसपास के लोग इस गली में कचरा फेंकने के कारण गंदगी का अंबार जमा हो गया है। बरहीवासियों ने सांसद से निम्नलिखित मांगें की है। जिनमे पक्की और सुदृढ़ सड़क का निर्माण किया जाए। जल निकासी के लिए नाली का निर्माण कर उसे स्लैब से ढंका जाए। स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की जाए। सड़क के बीच में स्थित सूखे पेड़ को हटाया जाए। इस मार्ग को गंदगी से मुक्त करने के लिए उचित कार्रवाई की जाए। आवेदन पर ग्रामीणों ने हस्ताक्षर किए और सांसद से तत्काल कार्रवाई की अपेक्षा जताई है। आवेदन में जिप सदस्य प्रीति कुमारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष भगवान केशरी, रेलवे सुपरिटेंडेंट चंदन केशरी, नम्रता कुमारी केशरी, हेमलता देवी, राकेश रोशन, प्रख्यात कुमार, प्रकाश गुप्ता, अनुज साव, रमेश कुमार, ऋषिकेश कुमार, विवेक साव, रीता देवी, मंजू कुमारी, रोहित कुमार, विनोद साव, राजेश कुमार समेत दर्जनों हस्ताक्षर शामिल है।

कार्यकर्ता एकता सम्मेलन का हुआ आयोजन

हजारीबाग : हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र से समाजसेवी विक्रम राणा ने कार्यकर्ता एकता सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में उपस्थित सैकड़ों लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हर गली मोहल्ले में एक विधायक कार्यालय, नौकरी देना, बेरोजगारी दूर करना, बेरोजगारी भत्ता देना, शिक्षा को दुरुस्त करना, स्वास्थ्य सेवा को सुदृढ करना, हर घर पक्का मकान, सरकारी सुविधाओं का लाभ दिलाना, राशन कार्ड, मृत्य प्रमाण पत्र, आवास योजना जैसे अन्य सुविधाओं का लाभ दिलाना यही मेरी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि मैं खुद साल में 365 दिन विधानसभा क्षेत्र का मोनिटरिंग करूंगा हर एक जनता के सुख - दुख में मैं खड़ा रहूंगा तथा मेरी प्राथमिकता ही मेरा वचन होगा तथा सभी वादों को पूरा करेंगे। दिहाड़ी मजदूरी करना तो मजबूरी है लेकिन अपना हक को पहचाने क्योंकि जब चुनाव आता है तब हम लोग वोट देकर शांत हो जाते है। अफसोस लगता है कि कुछ लोग वोट को पैसों से तौल देते हैं पर अबकी बार ऐसा नहीं होगा यह हमारा वचन है क्योंकि अबकी बार बदलाव का बयार आएगा। हेमंत सोरेन पर बरसते हुए कहा कि उन्होंने भ्रमित करने का काम किया है। रोजगार भी नही दिया है मइया योजना स्कीम एक भ्रमित स्किम है , यह पांच साल पहले क्यों नहीं किया गया चुनाव में सिर्फ 1 से 2 माह बचा है तब क्यों लाया गया। भाजपा और कांग्रेस दो बड़ी पार्टी विश्व में है, तो अब आपको तय करना है कि कैसे चुनाव जीतना है और टिकट किनको मिलना चाहिए। अगर टिकट सही लोगों को न मिले तब वोट का बहिष्कार किया जाएगा। क्योंकि यह हमारा क्षेत्र का चुनाव है इसमे कोई भी लापरवाही नही बरतना है। लोभ में जनता अबकी बार नही फंसे, सब वोट की राजनीति है तथा दीदी और भैया लोगों को वोट का बैंक समझता है सब। यह सम्मेलन एकता का प्रतीक के लिए है यह सम्मेलन इसी के लिए है की चुनाव में टिकट इस बार अबकी बार लोकल नेता को ही मिले ।

एक नजर

भाजपा को महिलाओं का सम्मान पच नहीं रहा : अनीता यादव

रांची : राजद प्रदेश उपाध्यक्ष अनीता यादव ने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली भाजपा को महिलाओं का सम्मान पच नहीं रहा है। झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार महिलाओं को सम्मान देने का एक सफल प्रयास के तहत मईया योजना लागू किया। इसके तहत महिलाओं को हर महीने 1000 मिल रहा है। इस योजना ने भाजपा की नींद उड़ा दी। महिला विरोधी भाजपा ने इस योजना को रोकने के लिए षड्यंत्र के तहत कोर्ट में जाने का काम किया। उन्होंने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि अब जनता के सामने सच्चाई आ चुकी है। भाजपा न सिर्फ महिला विरोधी है, बल्कि महिलाओं का शोषण करने वाली पार्टी है। हमारी पार्टी महिला सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। इस योजना को लागू करने के लिए हम हर लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं और इंडिया गठबंधन के साथ हैं।

बच्चों में संवाद क्षमता बढ़ाने के लिए रांची स्पीक्स कार्यक्रम शुरू

रांची : जिला प्रशासन और जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय की पहल पर रविवार से रांची स्पीक्स कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में संवाद करने की क्षमता (कम्युनिकेशन स्किल्स) को बढ़ाना है। रांची स्पीक्स कार्यक्रम का आयोजन प्राथमिक कक्षाओं (क्लास 1 से 5) और अपर प्राथमिक कक्षाओं (क्लास 6 से 8) के छात्र-छात्राओं के लिए होगा। कार्यक्रम का आयोजन दो पखवाड़े में चलेगा। पहला पखवाड़ा एक से 15 सितंबर और दूसरा पखवाड़ा 16 से 30 सितंबर तक होगा। पहले पखवाड़े में प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों को अपना परिचय विषय पर जबकि उच्च प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों को करमा पर्व विषय पर प्रस्तुति देनी है। दूसरे पखवाड़े में प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों को मेरा विद्यालय विषय पर और उच्च प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों को इसरो विषय पर अपना परफॉर्मेंस देना है। जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज की पहल और रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा के निर्देश पर सभी स्कूलों को यह कार्यक्रम आयोजित करने को कहा गया है। जिला प्रशासन की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि विभिन्न गुणवत शिक्षा के पैरामीटर पर विद्यालय भ्रमण के क्रम में पाया गया कि छात्रों में भाषायी अभिव्यक्ति की कमी है।

चोरी की छह कार बरामद, दो गिरफ्तार

रांची : रांची के गोंदा थाना पुलिस ने चोरी का खुलासा करते हुए दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बिहार के औरंगाबाद निवासी पप्पू कुमार सिंह और मो इबरार आलम शामिल है। इसके पास से चार आल्टो कार, दो वैगन आर कार, एक बाइक, एक मोबाइल और तीन वाहन पंजीयन कार्ड बरामद किया गया है। सिटी एसपी राजकुमार महतो ने रविवार रात संवाददाता सम्मेलन में बताया कि 20 अगस्त को सीएमपीडीआई मुख्य प्रबंधक (खनन) धीरज कुमार लाल रंग के वैगन आर कार की चोरी का मामला दर्ज कराया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए तकनीकि सहायता से मामले में शामिल अज्ञात अपराधी पप्पू कुमार सिंह को पकड़कर पूछताछ की गयी। पूछताछ के क्रम में पप्पू कुमार सिंह के निशानदेही पर गोंदा थाना क्षेत्र के सीएमपीडीआइ परिसर से चोरी की गयी लाल रंग का वैगन आर कार को सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के आरोपी के किराए के घर के पास से बरामद किया गया। पूछताछ में पप्पू कुमार सिंह ने रांची शहर के अन्य थाना क्षेत्र से कार की चोरी कर अपने दोस्त मो इबरार आलम को बेचने की बात स्वीकार की।

राज्य की दिशा और दशा को बदलने के लिए आजसू बुद्धिजीवी मंच की भूमिका अहम : सुदेश महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आजूस पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि राज्य की दिशा और दशा को बदलने के लिए आजसू बुद्धिजीवी मंच की भूमिका अहम है। बुद्धिजीवी मंच के सभी अनुभवी पदाधिकारी को अपने दायित्व का बोध है। बुद्धिजीवी मंच पार्टी की शक्ति का मुख्य केंद्र है। आपके अनुभव से हम राज्य को बेहतर बनाने की दिशा में मिलकर काम करेंगे।

सुदेश कुमार महतो रविवार को हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित आजसू बुद्धिजीवी मंच के नवनियुक्त पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण सह सम्मान समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने पद की शपथ ली। साथ ही पार्टी अध्यक्ष ने उन्हें सम्मानित भी किया। महतो ने कहा कि बुद्धिजीवी मंच के सभी पदाधिकारियों का समर्पण और संगठन के प्रति अपना श्रेष्ठ देने का जज्बा हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। आप सभी सरकार के अर्थ और सामर्थ्य को समझते हैं। सरकार के कार्यकाल का मूल्यांकन करने का समय है। पदाधिकारी अलग-अलग क्षेत्र से हो सकते हैं लेकिन सब की सामूहिक जिम्मेदारी नए जनादेश के लिए काम करना है।

महतो ने कहा कि पार्टी द्वारा राज्यभर में चलाए जा रहे जन जागरण पदयात्रा और राज्य के बेरोजगार युवाओं का बॉयोडाटा संग्रह अभियान के साथ ही 8 सितंबर को होने वाले नवनिर्माण संकल्प सभा और 9 सितंबर से हर विधानसभा क्षेत्र में होने वाले नवनिर्माण संकल्प पदयात्रा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से आप सभी को अपना योगदान देना है।

आजसू बुद्धिजीवी मंच के केंद्रीय अध्यक्ष डोमन सिंह मुंडा ने कहा कि हम अपने विवेक, अनुभव और केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो के मजबूत कंधों के साथ झारखंड को विकसित बनाने के अपने संकल्प को पूरा करेंगे। हमारा लक्ष्य सुशिक्षित और सुविकसित झारखंड बनाने के लिए काम करना है। हम सभी को अपनी आखिरी सांस तक आजसू पार्टी के साथ मिलकर झारखंड की बेहतरी के लिए काम करना है।

आजसू बुद्धिजीवी मंच के केंद्रीय महासचिव मुकुंद चंद्र मेहता ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी राज्य के विभिन्न गांव में जाएंगे और आजसू पार्टी के नीति सिद्धांतों को जन जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। बुद्धिजीवी मंच के सभी पदाधिकारी पूरे समर्पण के साथ काम कर रहे हैं। संगठन के प्रति समर्पण ही हमारी ताकत है। प्राकृतिक संपदाओं से परिपूर्ण राज्य आज भी विकास के पैमाने से दूर है यह विषय विशेषज्ञों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। राज्य स्थापना के 24 साल हो गए लेकिन शहीदों के सपनों का झारखंड नहीं बन पाया है।

जेबीवीएनएल ने अक्टूबर तक बकाया बिजली बिल जमा करने का दिया समय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची और धनबाद जिला के करीब तीन लाख बिजली उपभोक्ताओं के मीटर बदले जा चुके हैं। पुराने मीटर की जगह नये स्मार्ट मीटर लगाये गये हैं।

रांची में करीब 2.50 लाख उपभोक्ताओं का स्मार्ट मीटर एक सितंबर से चालू हो जायेगा। इसमें रिचार्ज कराने के बाद ही बिजली का इस्तेमाल कर पायेंगे। झारखंड बिजली वितरण निगम (जेबीवीएनएल) ने एक सितंबर से यह व्यवस्था लागू कर दी है, जिनके घरों में स्मार्ट मीटर लग गया है, उन्हें पुराने बिजली बिल जमा करने को कहा गया था। तभी स्मार्ट मीटर को रीचार्ज कर बिजली का इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन बहुत सारे लोगों ने पुराने मीटर का बिजली बिल जमा नहीं किया है। इसे देखते हुए निगम ने बिजली बिल जमा करने की तारीख 30 अक्टूबर तक के लिए बढ़ा दी है, ताकि लोग समय रहते बकाये बिजली बिल का भुगतान कर दें। इसके साथ ही पुराने बिल को जमा करने और मोबाइल नंबर को रजिस्टर्ड करने के लिए कैंप लगाया जायेगा, ताकि उपभोक्ताओं को किसी तरह की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़े।

कोल्हान विश्वविद्यालय के नव नियुक्त प्राध्यापकों ने बाबूलाल मरांडी से मिलकर जताया आभार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नव नियुक्त प्राध्यापकों ने रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी से मुलाकात कर उनके सार्थक प्रयासों के लिए आभार प्रकट किया। प्राध्यापकों ने राज्यपाल का भी आभार जताया है।

बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में विगत दिनों कोल्हान विश्वविद्यालय के लिए जेपीएससी परीक्षा द्वारा चयनित 17 इतिहास विषय के शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन जाकर राज्यपाल से मुलाकात की थी। इस पर राज्यपाल ने त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया था। शनिवार को इतिहास विभाग के सभी चयनित प्राध्यापकों को विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्ति पत्र प्राप्त हो गया, जिससे प्राध्यापकों में खुशी है। नव नियुक्त प्राध्यापकों में विनोद कुमार लोहरा, हेमा लकड़ा, मैरी नीला हांसदा, कविता कुमारी, अरविंद कुमार साहू, साकेत बिहारी, प्रदीप झा, पंकज श्रीवास्तव, स्वीकृति, अमृता जायसवाल, नूपुर, नितिन नीरज शामिल हैं। कोल्हान विश्वविद्यालय के लिए वर्ष 2018 में विज्ञापन द्वारा इतिहास विषय के 17 सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हुई थी। 31 अक्टूबर, 2023 को जेपीएससी द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित करते हुए उम्मीदवारों के नामों की अनुशंसा की। कोल्हान विश्वविद्यालय के सिंडिकेट द्वारा भी 02 फरवरी को नियुक्ति की अनुशंसा की जा चुकी है लेकिन विश्वविद्यालय में स्थाई कुलपति नहीं होने के कारण अनुमोदन की संचिका कुलाधिपति कार्यालय में लंबित थी।

विस चुनाव को लेकर अंतर्राज्यीय और अंतर जिला पुलिस पदाधिकारियों की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए शनिवार देर रात सिल्ली थाना अंतर्गत फारेस्ट गेस्ट हाउस में अंतर्राज्यीय और अंतर जिला पुलिस पदाधिकारी के उपस्थिति में विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण रूप से संपन्न कराने लिए बैठक की गई। ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने रविवार को बताया कि इस दौरान अंतर्राज्यीय एवं अंतर जिला अंतर्गत पड़ने वाले आपराधिक गिरोह, जेल से छूटे अपराधी, नक्सल, अंतर्राज्यीय सीमा पर होने वाले विभिन्न प्रकार के अवैध कारोबार से सम्बंधित अपराधियों की सूची का आदान प्रदान किया गया। साथ ही आपराधिक गिरोह एवं अपराधकर्मी पर कड़ाई से करवाई करने के लिए विचार विमर्श कर रणनीति तैयार की गई।

बैठक में सिल्ली पुलिस उपाधीक्षक रणवीर सिंह, झालदा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गौरव घोष, बुंडू पुलिस उपाधीक्षक रतिभान सिंह, रामगढ़ पुलिस उपाधीक्षक परमेश्वर प्रसाद, रामगढ़ गोला अंचल निरीक्षक पंकज कुमार, अनगड़ा अंचल पुलिस निरीक्षक हांसे उरांव, सिल्ली थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर, मुरी ओपी प्रभारी कुंदन कुमार सिंह, सोनाहातू थाना प्रभारी चन्दन कुमार, तुलिन प्रभारी और तप्पन गोराई उपस्थित थे।

मृत अभ्यर्थियों के आश्रितों को 50 लाख मुआवजा अविलंब दे सरकार : विजय शंकर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने उत्पाद सिपाही दौड़ के दौरान हो रहे बेरोजगार भाइयों की मौत पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि यह अप्रत्याशित घटना एवं सोचनीय प्रश्न है। उत्पाद सिपाही की नियुक्ति के लिए हुए दौड़ प्रतियोगिता में करीब 10 लोगों की दौड़ने से हुई मौत पर चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से मांग किया की इन घटनाओं एवं हुई मौत की विशेष कमेटी बनाकर इसकी जांच होनी चाहिए क्योंकि जितने सेना के बहाली में बेरोजगार युवाओं की मौत नहीं होती है उतना मौत एक उत्पाद सिपाही की नियुक्ति में दौड़ने से हुई है जो जांच का विषय है और जो भी दोषी पाए जाए उसे पर कार्रवाई सख्त से सख्त होनी चाहिए श्री नायक ने आगे कहा की आदिवासी मूलवासी बेरोजगार साथियों की असमय मौत ने पूरे राज्य को झकझोड़ने का काम किया है और सोचने पर मजबूर किया है इसलिए सरकार किंतु परंतु ना करते हुए इन कारणो की सत्यता से गहन रूप से जांच करें ताकि असमय मौत के गाल में सामने वाले युवाओं के हुई मौत के कारणो को जाना जा सके और भविष्य में सबक इससे सरकार ले सके।

श्री नायक ने आगे कहा है कि सरकार तुरंत इन अभयारथीयो के परिवार के लोगों को 50 लाख रुपया तत्काल रूप से मुआवजा देने का काम करें तथा उनके आश्रित परिवारों को हर एक घर से एक नौकरी दिया जाना चाहिए।

चम्पाई के भाजपा में आने से कोल्हान में 'कमल' मजबूत, टिकट के लिए मची होड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गिरिडीह : राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और कोल्हान टाइगर चम्पाई सोरेन के झारखंड मुक्ति मोर्चा छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के पश्चात भाजपा के आम कार्यकर्ता उत्साहित हैं। क्योंकि, 2019 के मुकाबले इस बार कोल्हान क्षेत्र में भाजपा का खाता खुलना तय माना जा रहा है। यही वजह है कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबू लाल मरांडी के गृह जिले की सभी छह विस सीटों पर टिकट के दावेदारों की लाइन लगी है।

वर्ष 2019 के चुनाव में जिले की छह सीटों में महज एक जमुआ (सुरक्षित) सीट पर कमल खिला था। एक अन्य धनवार सीट पर उस समय जेवीएम के प्रमुख रहे बाबूलाल मरांडी की जीत हुई थी। बाद में मरांडी ने अपनी पार्टी जेवीएम का विलय भाजपा में कर दिया था। इस प्रकार दो सीटें भाजपा के खाते में मानी गईं। धनवार सीट की बात करें तो इसबार स्थितियां बदली हुई हैं।

जानकारी के मुताबिक भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व सामान्य सीटों पर सुरक्षित कोटे से आने वाले पार्टी नेताओं को चुनाव लड़ाने के पक्ष में नहीं है। उन्हे सुरक्षित सीटों पर ही चुनाव लड़ने हैं लेकिन मरांडी स्वयं पार्टी के प्रदेश प्रमुख हैं, ऐसे में वे कही से भी लड़ सकते हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार मरांडी के धनवार से नहीं लड़ने की स्थिति में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र राय प्रबल दावेदार हैं। इससे पहले वे कई बाद भाजपा के टिकट पर प्रतिकूल स्थिति में विधायक बने हैं। जातीय समीकरण में भी राय उपयुक्त हैं। हालांकि, दावेदार कई

अन्य भी हैं।

अन्य पांच सीटों में गाण्डेय विस सीट पर कई दावेदार हैं। दरअसल, जेएमएम विधायक सरफराज अहमद के इस्तीफे के बाद रिक्त हुई गाण्डेय सीट पर इसी साल हुए उप चुनाव में जेएमएम की शीर्ष नेता कल्पना सोरेन और भाजपा के दिलीप वर्मा के बीच हुए मुकाबले में भाजपा के खाते में लगभग 80 हजार वोट गए थे। तकरीबन 27 हजार मतों के अंतर से कल्पना सोरेन से दिलीप वर्मा की हार हुई लेकिन 1977 के बाद से हुए अबतक तमाम विस चुनाव में वर्मा सर्वाधिक वोट हासिल करने वाले भाजपा प्रत्याशी बने।

इससे पहले 80 हजार का आंकड़ा भाजपा के किसी भी प्रत्याशी ने नहीं पार किया था। इंडी ब्लॉक के तमाम झारखण्ड-बिहार के नेताओं के तुफानी प्रचार और भीतरघात के बावजूद वर्मा को 80 हजार वोटों की उपलब्धि हासिल हुई। पार्टी के प्रदेश सूत्रों के मुताबिक गाण्डेय में किसी अन्य दावेदार पर प्रदेश आलाकमान विचार करेगा, इसकी संभावना फिलहाल कम है।

जमुआ (सु) सीट भाजपा की गढ़ सीटों में शामिल है। गिरिडीह जिले में जनसंघ काल का पहला खाता रितलाल वर्मा ने जमुआ में दीपक चुनाव चिन्ह से खोला था। वर्ष 2019 में कैदार हाजरा तीसरी बार काफी मुश्किलों से जीते। इसबार भी कई दावेदार हैं लेकिन प्रदेश आलाकमान कैदार हाजरा जैसे कद्दावर नेता की तलाश में है, जो क्षेत्र मे और संगठन मे साफ सुथरी छवि वाला हो और चुनाव में कमल खिला सके।

बगोदर विस सीट पर 1977 से 2009 तक कभी भी भाजपा का कमल नहीं खिला। वर्ष 2014 में नगेन्द्र महतो ने भाकपा माले मे सेंधमारी कर भाजपा की झोली में यह सीट डालने का काम किया था। वर्ष 2019 में फिर उन्हें हार का सामना करना पडा। पार्टी का एक वर्ग इस बार फिर नगेन्द्र महतो को टिकट देने के पक्ष में है लेकिन निर्णय प्रदेश आलाकमान को करना है। गिरिडीह जिले की डुमरी विस एक मात्र ऐसी सीट है, जिसपर अबतक कभी कमल खिला ही नहीं।

संक्षिप्त खबरें

द्वादश ज्योतिर्लिंग मेले का हुआ समापन

रांची : राजधानी रांची के पिठौरिया में चल रहे प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के 21 दिवसीय महाशिवरात्रि द्वादश ज्योतिर्लिंग मेले का रविवार को समापन हो गया। मेले में एक हजार से ज्यादा शिव भक्तों ने हजारी लगाई। भक्तों ने यहां एक साथ 12 ज्योतिर्लिंग के प्रारूपों का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मौके पर बीके राजमती ने कहा कि भगवान शिव हमारे कण-कण में है। हमें उन्हें कहीं ढूंढने की जरूरत नहीं है। शिव की महिमा अपरम्पार है। हमें शिव की आराधना कर उनके बताए हुए रास्ते पर चलने की जरूरत है। इस मौके पर मुख्य रूप से आशुतोष द्विवेदी, समाप्ति देवी,लीला देवी, उर्मिला देवी, यशवंत कुमार, अशोक उरांव, लक्ष्मी देवी, किरण देवी, सुनीता देवी, रेखा देवी, इंद्रा राधा कुमारी उर्मिला देवी सहित कई लोग उपस्थित थे।

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में दुर्गा पूजा का होगा आयोजन, बनी नयी पूजा समिति

रांची : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में दुर्गा पूजा का स्वर्ण जयंती वर्ष इस बार धूमधाम से मनाया जाएगा। डॉ अरविंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में आज विश्वविद्यालय के दुर्गा मण्डप में दुर्गा पूजा समिति की हुई बैठक में निर्णय किया गया कि वर्ष 1975 में विश्वविद्यालय परिसर में दुर्गा पूजा की भव्य शुरूआत करने वाले संस्थापकों को प्रतीक चिन्ह, श्रीफल एवं माता की चुनरी देकर सम्मानित भी किया जाएगा। कोषाध्यक्ष दीपू उपाध्याय ने वर्ष 2023 के आयोजन के खर्च का ब्योरा प्रस्तुत किया। संचालन अमरेन्द्र कुमार वर्मा ने किया। वर्ष 1975 में रांची कृषि महाविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मियों- डॉ डीके झा, प्रो एनसी दास, डॉ डीके गांगुली, एके मुखर्जी, डॉ एसएसपी वर्मा, एसएन दास, डॉ पीसी अग्रवाल, नारायण चन्द्र चक्रवर्ती, एमके चक्रवर्ती, अजीत चटर्जी, अदीप कुमार सिंह आदि लोगों ने विश्वविद्यालय परिसर में दुर्गा पूजा की शुरूआत की थी। यहां बांग्ला परंपरा से दुर्गा पूजा होती है और पुजारी अर्चक भी बंगाली ही रहते हैं। सप्तमी, अष्टमी और नवमी को सभी आगंतुकों एवं श्रद्धालुओं के लिए भोग भंडारा का आयोजन होगा तथा परिसर के बच्चों, महिलाओं एवं प्रोफेशनल ग्रुप द्वारा भक्ति संगीत एवं माता के जागरण का भी आयोजन किया जाएगा। स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह के आयोजन के लिए नयी समिति के अध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार सिंह, उपाध्यक्ष डीके रूसिया, महासचिव डॉ राकेश कुमार, सचिव डॉ सुधीर कुमार सिंह, सहसचिव भोगेंद्र मिश्र, कोषाध्यक्ष दीपू उपाध्याय तथा सह कोषाध्यक्ष विजय कुमार सिंह चुने गये। भव्य आयोजन के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने हेतु कई टीमें भी गठित की गईं।

सेवा भारती द्वारा चलाया जा रहा है 27 वर्षों से निःशुल्क चिकित्सा केंद्र

रांची : सेवा भारती महानगर के द्वारा 27 वर्षों से लगातार प्रत्येक रविवार को सुबह 8:00 बजे से 9:30 बजे तक निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है जिससे आस -पास के बस्तियों से काफी संख्या में लोग स्वास्थ्य शिविर में अपना निशुल्क चेकअप करवाते हैं और उन्हें निशुल्क दवाई और जरूरत के सामान भी उपलब्ध कराया जाता है। प्रत्येक स्वास्थ्य शिविर में मरीजों की संख्या 100 से अधिक रहती है। यह नेक कार्य प्रसिद्ध डॉक्टर के पी सिन्हा के द्वारा किया जाता है निस्वार्थ भाव से डॉक्टर साहब पूरे तन- मन से मरीज को देखते हैं साथ ही किन्ही मरीज को किसी भी चीज की जरूरत हो दवाई, कंबल, अनाज इसे भी वह निशुल्क रूप से मरीज को उपलब्ध करा देते हैं मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है सेवा भारती के इस मुहिम से जुड़ के डॉक्टर केपी सिन्हा लगातार 27 वर्षों से लोगों की सेवा कर रहे हैं। सेवा भारती के द्वारा जब इस मुहिम की शुरूआत की गई थी तब मरीजों की संख्या 8से 10 थी पर जैसे-जैसे समय बीतता गया मरीजों की संख्या बढ़ती गई। आज 100 से ज्यादा संख्या मैं लोग सेवा भारती के द्वारा संचालित निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में डॉक्टर केपी सिन्हा के नेतृत्व में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

सेवा भारती ने किया सुपोषण सप्ताह का शुभारंभ

रांची : सेवा भारती, झारखंड की ओर से सुपोषण भारत अभियान का शुभारंभ रांची के सेवा धाम,जोन्हा के एकलव्य छात्रावास से किया गया साथ ही आरोग्य सेवा केन्द्र में डॉ मनिष ने लोगों की स्वास्थ्य जांच कर पोषण के महत्त्व की जानकारी दी। इसी तरह लोहरदगा जिले के चुन्नीलाल विद्यालय में स्वास्थ्य जांच सह स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा भारती के न्यासी गुरुशरण प्रसाद ने बताया कि संपूर्ण भारत में कुपोषण के प्रति जागरूक करने की योजना राष्ट्रीय सेवा भारती ने तैयार की है। इस क्रम में सेवा भारती झारखंड के कार्य क्षेत्रों में 1 सितंबर से 30 सितंबर के बीच कोई भी एक सप्ताह निर्धारित करके सुपोषण अभियान पर कार्य करने की योजना बनाई गई है। सेवा बस्तियां एवं ग्रामों के निवासी पोषण दिवस पर स्वास्थ्य के संबंध में विशेष कर बीमारियों के रोकथाम के बारे में सीखते हैं एवं लोगों को स्थानीय उपलब्ध प्रोटीन युक्त साग सब्जी का सेवन करने का प्रति जागरूक किया जाता है। सुपोषण सप्ताह के माध्यम से लोगों को संतुलित आहार और सही पोषण के महत्व के बारे में जानकारी दी जाती है ताकि हर व्यक्ति स्वस्थ और सशक्त जीवन जी सके। सेवा भारती की प्रांतीय सुपोषण भारत आयाम प्रमुख डॉ निधि सहाय ने बताया कि राष्ट्रीय सुपोषण सप्ताह निमित्त माह सितंबर के किसी भी एक सप्ताह में प्रत्येक परिवार में निम्नलिखित पद्धति से प्रतिदिन एक पोषक आहार का सेवन किया जा सकता है -

1 सितंबर - एक मुट्ठी रातभर भिगोया हुआ चना और आधी मुट्ठी गुड़

2 सितंबर - एक मुट्ठी रात भर भिगोयी हुई मूंगफली

3 एवं 4 सितंबर - एक कटोरी अंकुरित पका हुआ अनाज (मूंग, चना, सोयाबीन बीज, गोटा मसूर,इसमें से कोई भी एक अनाज)

5 सितंबर - कोई भी एक हरे पत्ते वाली सब्जी (पालक , मेथी , चौलाई , मूली , हरा प्याज, इसमें से कोई भी एक)

6 सितंबर - एक सलाद (ककड़ी ,खीरा , मुली , टमाटर , गाजर , चुकंदर ,पत्ता गोभी इसमें से कोई भी एक)

7 सितंबर - गणेश चतुर्थी के दिन भगवान गणेश जी को पसंद है, वह एक चम्मच गुड़ और नारियल (सुख या गीला) छोटा टुकड़ा।

एक नजर

श्मशान मां तारा मंदिर में कौशिक अमावस्या समारोह को लेकर तैयारी पूरी

धनबाद : एक दिवसीय कौशिक अमावस्या समारोह सोमवार को लिलौरी मंदिर शमसान मां तारा मंदिर कतरास में आयोजन किया गया है। आयोजन की तैयार के लिये रविवार को प्रेस वार्ता कर कमिटी के सदस्यों ने बताया कि कार्यक्रम की पूरी तैयारी कर ली गयी है। साज सज्जा,लाइटिंग के साथ जगह-जगह तोरणद्वार बनाया गया है। पिछले वर्ष से भी इस बार भव्य कार्यक्रम होगा। इस बार अनुमान है कि 40 से 50 हजार भक्त जुटने का अनुमान है। कार्यक्रम का आरंभ अंतिथियो के द्वारा दीप जलाकर सुबह 11 बजे होगा। फिर 11.30 बजे भंडारा शाम सात बजे से महा भोग और 10 बजे हवन होगा। मौके पर अध्यक्ष आकाश डोम, सचिव अरबिंद ठाकुर, कोषाध्यक्ष नमित साव, संरक्षक मनबोध स्वर्णकार, चुन्ना यादव, राजेश स्वर्णकार, अयोध्या ठाकुर, विक्की डोम, संतोष चौहान, चंदन चौहान, धनंजय साहू, प्रकाश यादव, प्रभात मिश्रा, बबलू बर्मन, राकेश वर्मा, अजय दास आदि उपस्थित थे।

ऑल ड्राइवर कल्याण संघ ने मनाया चालक सम्मान दिवस

बोकारो : ऑल ड्राइवर कल्याण संघ के बोकारो जिलाध्यक्ष स्वामीनाथ यादव तथा सचिव मुकेश कुमार के नेतृत्व में रविवार 1 सितंबर को धूमधाम से चालक सम्मान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बोकारो औधोगिक क्षेत्र स्थित हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉपोर्रेशन लिमिटेड डीपो के समीप किया गया। जिलाध्यक्ष स्वामीनाथ यादव ने कहा कि देश में विभिन्न समय पर बहुत सारे दिन मनाया जाता है, लेकिन ड्राइवर सम्मान दिवस नहीं मनाया जाता है। इससे हम चालक भाई उपेक्षित महसूस करते है। जबकि भारत में चालक 365 दिन और रात देश सेवा में योगदान देते है। जन्म से लेकर मरने तक का सारा कार्य हम चालकों के बगैर मुश्किल है। कहा कि सरकार को चालकों के सम्मान में एक दिन अवश्य तय करना चाहिए। ऑल ड्राइवर कल्याण संघ भारत पिछले 10 सालों से 1 सितंबर राष्ट्रीय ड्राइवर सम्मान दिवस मनाते आ रहा है। कहा कि संघ सरकार से मांग करती है कि 1 सितंबर को राष्ट्रीय चालक सम्मान दिवस के रूप में कैलेंडर में लागू करें। ड्राइवर आयोग की स्थापना करें। संपूर्ण भारत में विभिन्न यूनियनों एवं संगठनों द्वारा समान दिवस मनाया गया। सभी ड्राइवर बांधुओं को फूल माला पहनकर सम्मानित किया गया।
वहीं, शहीद हुए ड्राइवरों के लिए 2 मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दी गई।

राज्य की जनता ने आज तक ऐसी गैर जवाबदेह सरकार नहीं देखी : सुदेश महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : राज्य की जनता ने आज तक ऐसी गैर जवाबदेह सरकार नहीं देखी। सरकार का काम लोगों के जीवन को सहज करना होता है लेकिन इस सरकार ने जनता को तकलीफ में डाला है। सरकार के कार्यों की पहचान विकास से होती है लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति इनकी पहचान बन गई है। समाज के एक वर्ग का इस्तेमाल इन्होंने सिर्फ उनका वोट पाने के लिए किया है। उस समाज के हित और विकास के लिए कोई काम नहीं किया। समाज को बांट कर नहीं जोड़ कर राजनीति करना हमारी पहचान है। हम समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं। यह बातें पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने रविवार को पेटरवार प्रखंड के हाई स्कूल मैदान में आयोजित में

गोमिया विधानसभा स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मलेन सह शपथ ग्रहण समारोह में कही। मौके पर उपस्थित हजारों चूल्हा प्रमुखों ने शपथ ग्रहण की। साथ ही इस दौरान पार्टी के नीति एवं सिद्धान्तों से प्रभावित होकर जेएमएम के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

सरकार युवाओं को भ्रमित कर रही : चंद्र प्रकाश

पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष सह गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि सरकार अपने कार्यकाल के अंतिम महीने में है। बिना किसी तैयारी के युवाओं को भर्ती प्रक्रिया में दौड़ाया जा रहा है। प्रशासनिक लापरवाही और लचर स्वास्थ्य व्यवस्था की वजह से आज युवाओं की जान जा रही है। सरकार ने कई घरों के चिराग बुझा दिए हैं। चुनाव सामने देखकर जल्दबाजी में भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने के चलते यह सब हो रहा है। सरकार की मंशा युवाओं को नौकरी देने की नहीं उन्हें भ्रमित करने की रही है। पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह गोमिया के लोकप्रिय विधायक लंबोदर महतो ने कहा कि वर्तमान सरकार ने युवाओं, महिलाओं, मजदूरों और किसानों समेत हर वर्ग को छला है। हक और अधिकार के लिए प्रदर्शन करने वाले अपने ही लोगों पर सरकार ने लाठियां बरसाई हैं। गोमिया का विकास मेरी प्राथमिकता है। हमने क्षेत्र की जनता को हर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए दिन-रात कार्य किया है।

40वां फादर केविन ग्रोगन फुटबॉल टूर्नामेंट में संत रॉबर्ट और मसी मार्शल विजेता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : 40 वां तीन दिवसीय फादर केविन ग्रोगन फुटबॉल टूनार्मेंट का जूनियर व सीनियर वर्ग का अंतिम व निर्णायक मैच १ सिंतबर २०२४, दिन रविवार को सेंट जेवियर विद्यालय में खेला गया। इस अवसर पर विद्यालय के आदरणीय प्राचार्य महोदय फादर अरुण मिंज, एस.जे.,मुख्य अतिथि के रूप में फादर सुशील ओसगा रहे। साथ-ही विभिन्न जेसुइट विद्यालयों के प्राचार्य जिनमें फादर फिलीमौन तिकी, फादर जॉन तिर्की फादर मॉरिस एक्का, फादर दिलीप एक्का, फादर थॉमस रॉड्रिक्स तथा फादर सेब्रेन लकड़ा , फादर रंजीत मरांडी (उप प्रधानाचार्य संत जेवियर विद्यालय हजारीबाग सह प्रोविंस कोऑर्डिनेटर ऑफ एजूकेशन हजारीबाग प्रोविंस), फादर मनोज, फादर निर्मल विद्यालय के सभी उप-प्राचार्य महोदय व महोदया उपस्थित रहे। विद्यालय के मुख्य अतिथि फादर सुशील ओसगा, एस.जे. ने अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया । खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया। फादर रंजीत मरांडी के द्वारा बच्चों को प्रेरित किया गया ।साथ-ही उन्हें हर चीज में भगवान देखने की बात कही गई। ज्ञातव्य है कि इस टूनार्मेंट में 14 जेसुइट विद्यालयों के 18 टीमों ने हिस्सा लिया। अंतिम व निर्णायक मैच जूनियर वर्ग में कैथोलिक आश्रम स्कूल, भुरकुंडा और मसीह मार्शल स्कूल चरही के बीच खेला गया। जिसमें मसी मार्शल स्कूल विजेता व कैथोलिक आश्रम स्कूल उप-विजेता बने।

मंकीपॉक्स को देखते हुए जिला अस्पतालों में पांच बेड आरक्षित करने का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिले में मंकीपॉक्स की रोकथाम, बचाव, नियंत्रण, जांच तथा इलाज सुनिश्चित कराने को लेकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, के अभियान निदेशक अबु इमरान ने सिविल सर्जनों को विस्तृत दिशा निर्देश दिया है। इसके लिए उन्होंने मंकीपॉक्स से बचाव तथा प्रबंधन के लिए एहतियाती तौर पर जिला अस्पतालों में कम-से-कम पांच आइसोलेशन बेड को पृथक रूप से चिन्हित करने का निर्देश दिया है, ताकि संदिग्ध मरीजों का इलाज की जा सके। साथ ही उन्होंने जिले के अस्पताल व स्वास्थ्य केंद्रों में संदिग्धों की गहन निगरानी व परीक्षण सुनिश्चित कराने की हिदायत दी है। कहा है कि इसके लिए एसटीडी क्लिनिकों के साथ साथ स्किन, मेडिसिन व

पेडिएट्रिक ओपीडी में मरीजों की गहन निगारानी करते हुए परीक्षण किया जाए, ताकि संदिग्धों की पहचान की जा सके। संदिग्धों की पहचान होने पर नमूना संकलित कर सुरक्षित तरीके से उसे एनआईवी, पूणे भेजें। मंकीपॉक्स के संदिग्ध मरीज के मिलने पर इसकी सूचना जिला सर्विलेंस इकाई के जिला निगरानी पदाधिकारी को दिया जाय, ताकि नमूनों की जांच के लिए अग्रेतर कार्रवाई की जा सके। अभियान निदेशक ने स्पष्ट कहा है कि इस महामारी के नियंत्रण के लिए संदिग्ध, संभावित और पुष्ट मामलों के लिए एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम सूचनातंत्र के माध्यम से निगरानी किया जाना अति आवश्यक है।

विदेश यात्रा से लौटने वालों की 21 दिनों तक करें गहन निगरानी

अभियान निदेशक ने विदेश यात्रा से लौटने वालों की गहन निगरानी की हिदायत दी है। कहा हैकि विदेश यात्रा से लौटने के बाद अगर 21 दिनों के भीतर बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द और कमजोरी महसूस होती है तो इस परिस्थिति में बिना देर किये जाँच कराने के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र को सूचित किया जाना अपेक्षित है। इस रोग में लक्षणगत इलाज किया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

गंगा नदी में बॉबी की डूबने से मौत

धनबाद : बनारस के गंगा नदी में तेतुलमारी के बॉबी उर्फ कृशु की डूबने से मौत की खबर सुनकर पिता व परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है,शनिवार की रात लुधियाना एक्सप्रेस से अन्य परिजनों के साथ 4 दिन की यात्रा में गया था, अहले सुबह बनारस के गंगा नदी में स्नान करने के दौरान गंगा नदी की धारा में डूबने से उसकी मौत हो गयी, अनान फानन में अन्य परिजनों ने उसे अस्पताल ले गये जहाँ चिकित्सको में उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल बनारस का शव का पंचनामा के बाद देर रात्रि मृत युवक का शव तेतुलमारी जीरो शिम पहुचने की संभावना है, बॉबी उर्फ कृशु के पिता श्रवण निषाद उर्फ शर्मा जी ने बताया कि मेरा संसार उजड़ गया, श्रवण उर्फ शर्मा जी के एकलौता पुत्र की मौत की खबर से पूरा इलाका शोक में डूब गया है,दैनिक कार्य करते है, मृत छात्र सर्वमंगला पब्लिक स्कूल में कक्षा 10 का छात्र था,शोकाकुल को ढांढस बंधाने के लिये परिवार व आस पास के लोग श्रवण निषाद के तेतुलमारी जीरो शिम आवास पहुच कर धैर्य रखने का आश्वासन दे रहे है।

झारखंड निषाद विकास संघ के जिला अध्यक्ष बने अनिल केवट

धनबाद : झारखंड निषाद विकास संघ के कार्यालय एम ओ सी पी में समाज सेवी अनिल केवट को झारखंड निषाद विकास संघ का धनबाद जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। मनोनीत होने पर श्री केवट ने कहा कि मुझे संघ के द्वारा जो जिम्मेदारी सौंपी है ।उसे मैं निष्ठा एवं ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करने का सफल प्रयास करूंगा मुझे अपने समाज के प्रति पूरी आस्था है अनिल केवट को केंद्रीय अध्यक्ष किशोर निषाद एवं अन्य पदाधिकारी ने माला पहना करके स्वागत किया। मौके पर रितेश निषाद, शंकर केवट श्याम बिहारी निषाद ,लक्ष्मीकांत निषाद, हीरो निषाद, राजेश निषाद , अलकडीहा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि संजय दास सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पूर्व चैयरमैन सह समाजसेवी विजय झा ने शोकाकुल परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की

धनबाद : झगराही निवासी सेवानिवृत बीसीसीएल कर्मी व समाजसेवी सपन पांडेय का निधन ईलाज के दौरान दिल्ली मे हो गया,निधन की सूचना पर उनके आवास पहुंच कर पूर्व वियाडाध्यक्ष सह प्रसिद्ध समाजसेवी विजय झा व समाजिक कार्यकर्ता गौतम मंडल आदि पहुंच कर शोकाकुल परिवार से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की,प्रसिद्ध समाज सेवी विजय झा ने कहा की स्व सपन पांडेय काफी मिलनसार व्यक्ति थे, और हमेशा समाजिक कार्यो बढ़ - चढकर हिस्सा लेते थे, उनके नही होने से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है ,जो निकट भविष्य मे भरपाई संभव नही है ।

मजदूरों ने बकाया भुगतान को लेकर किया मंगलम स्टील प्लांट का गेट जाम

बोकारो : औधोगिक क्षेत्र स्थित मंगलम स्टील प्लांट में 120 मजदूरों ने एक माह का बकाया भुगतान को लेकर ने रविवार को फैक्ट्री प्रबंधन का गेट जाम कर दिया। सुबह से ही फैक्ट्री का प्रोडक्शन बंद रहा। झामुमो नेता मंटू यादव पहुंचे। मजदूरों की समस्या सुनी। मजदूरों ने बताया कि उनका ठेकेदार कंपनी काम छोड़कर चला गया है, लेकिन कंपनी प्रबंधन मजदूरों का पैसा नहीं दे रहा है। मजदूरों का लगभग 18 लाख बकाया है। मंटू यादव के प्रयास से मंगलम स्टील प्रबंधन से त्रिपक्षीय वार्ता हुई। लंबी वार्ता के बाद प्रबंधन ने मजदूरों की मांग स्वीकार करते हुए, बकाया पेमेंट देने पर सहमति जताई। झामुमो नेता मंटू यादव, बालीडीह थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह, सब इंस्पेक्टर शशि भूषण ठाकुर के उपस्थित मे मजदूरों का बकाया राशि भुगतान करना शुरू किया। झामुमो नेता मंटू यादव ने कहा कि गरीब मजदूर भाइयों के साथ हो रहे शोषण को बर्दाश्त नहीं करेंगे। बहुत सारे फैक्ट्री मालिक मजदूरों का शोषण कर रहे है, जो कि गलत है। बहुत सारे फैक्ट्री में मजदूरों को पीएफ, एसआई, न्यूनतम मजदूरी भी नहीं मिल पाता है। मजदूरों के सेफ्टी का भी पूरा ध्यान नहीं रखा जाता है, जिसके कारण आये दिन बहुत सारे घटनाएं घटित होती रहती है। कहा कि प्रबंधन द्वारा मजदूरों की अनदेखी ही सारी घटनाओं को आमंत्रित करता है।

बोकारो के सेक्टर-3 में वसुंधरा परिवार ने सोल्लास मनाया श्री कृष्ण जन्मोत्सव

बोकारो : श्री कृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में रविवार को नगर के सेक्टर-3 स्थित वसुंधरा गली में वसुंधरा परिवार की ओर से विशेष आयोजन किया गया। वसुंधरा गली के बच्चों के लिए राधा कृष्ण रूप-सज्जा और मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रूप-सज्जा में छोटे-छोटे बच्चों ने राधा और कृष्ण के वेश में आकर्षक रूप से सज-संवरकर भाग लिया। उनकी मनमोहक अदाएं, मुस्कान और रूप-श्रृंगार सबके लिए लुभावने बने रहे। वहीं, मटकी फोड़ प्रतियोगिता में बच्चों ने आंखों पर पट्टी बांधकर लाठी से मटकी को फोड़ने में जमकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता में नारायणी सिंह, नंदिनी सिंह, शिव सोमेश, मनस्वी, श्रेया झा, आदित्य झा, रुद्र राज, ऋद्धि राज, श्रेयसी दास, मिष्टी दास, सान्वी कुमारी, युवराज कुमार आदि बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया और जमकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कारों के अलावा सभी प्रतिभागी सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किए गए। बच्चों ने मनभावन नृत्य की भी प्रस्तुति की। मौके पर वसुंधरा परिवार के संस्थापक धनंजय चक्रवर्ती ने बच्चों को अपनी गौरवशाली भारतीय कला-संस्कृति व परंपरा से जोड़ने की दिशा में ऐसे आयोजनों पर बल दिया। अध्यक्ष विजय कुमार झा ने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने से बच्चों की प्रतिभा में निखार आता है। यह उनके सर्वांगीण विकास की दिशा में आवश्यक है।

संस्कार भारती का बच्चों में संस्कार भरने का प्रयास प्रशंसनीय : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : साहित्य व ललित कलाओं की अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती की बोकारो जिला इकाई द्वारा रविवार को सेक्टर 5 स्थित चिन्मय विद्यालय के सभागार में श्री कृष्ण बाल रूप सज्जा व नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बोकारो विधायक व झारखंड विधानसभा के मुख्य सचेतक (विरोधी दल) बिरंची नारायण व उनकी धर्मपत्नी नीना नारायण, विशिष्ट अतिथि चिन्मय विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा, उप प्राचार्य नरमेन्द्र कुमार सिंह, संस्कार भारती के क्षेत्र प्रमुख डॉ संजय कुमार चौधरी, बोकारो जिला इकाई अध्यक्ष अमरजी सिन्हा, सचिव स्वरूप शेखर पांडेय ने किया। संस्कार भारती की ओर से मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों को शॉल व तुलसी का पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संस्कार भारती के ध्येय गीत साधयति संस्कार भारती, भारते नवजीवनम.. की सुमधुर प्रस्तुति से हुई। तत्पश्चात चिन्मय विद्यालय के विद्यार्थियों ने लघुनाटक नरसिंह अवतार की सुंदर प्रस्तुति से सबकी तालियां बटोरी। संस्कार भारती, बोकारो जिला इकाई की रजनी पाढ़ी के संयोजन में सफलतापूर्वक आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। बालकृष्ण व राधा का रूप धरे प्रतिभागियों ने आकर्षक परिधान व अदायगी से सबका मन मोह लिया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडली में डॉ शुभ्रा मुखोपाध्याय, चित्रा चटर्जी व डॉ वर्तिका सिन्हा शामिल थीं।

केंद्रीय टीम ने खड़काबाद आयुष्मान सेंटर का लिया जायजा, बढ़ेंगी सुविधाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : स्वास्थ्य विभाग की केंद्रीय टीम ने आज गाविंदपुर के खड़काबाद स्थित आयुष्मान आरोग्य सेंटर का निरीक्षण किया।टीम ने उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। धनबाद के सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रतापन व गोविंदपुर सीएचसी के प्रभारी डॉ विशेश्वर कुमार ने टीम को सेंटर पर मौजूद सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।केंद्रीय टीम ने आयुष्मान आरोग्य केंद्र में टीकाकरण, ओपीडी सेवा, फैमिली प्लानिंग समेत स्वच्छता प्रबंधन आदि के बारे में जानकारी ली।साथ ही कर्मियों व सहियाओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। टीम की रिपोर्ट के आधार पर सेंटर को प्रमाणपत्र मिलेगा।यदि सब कुछ सकारात्मक रहा, तो सेंटर में स्थाई चिकित्सक समेत सुविधाएं बढ़ाई जा सकती हैं।टीम में बंगाल की डॉ अनन्या घोषाल मुखर्जी व ओड़िशा के डॉ कृष्णा शरण पाल शामिल थे। मौके पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के राज्य पदाधिकारी अमित तिवारी, सीएचओ रोहित कुमार, अस्पताल प्रबंधक वीणा कुमारी, प्रमोद कुमार आदि मौजूद थे।

अभ्यर्थी की मौत को लेकर भाजपा युवा मोर्चा ने निकाला आक्रोश मशाल जुलूस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भारतीय जनता युवा मोर्चा बोकारो जिला द्वरा भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष विनोद कुमार के नेतृत्व मे बोकारो सिटी सेंटर मे उत्पाद सिपाही भर्ती मे राज्य सरकार के लचर व्यवस्था के कारण जो अभ्यथीर्यों की दुःखद मौत हुई है उसके विरोध मे राज्य सरकार के खिलाफ आक्रोशपूर्ण मशाल जुलुस निकाला गया।
भाजपा जिलाध्यक्ष जयदेव राय ने कहा कि राज्य के लाखों लाख युवा इस उत्पाद सिपाही बहाली मे शामिल होने जा रहें है और घर के माँ बाप एक बेहतर भविष्य मेरा बेटा का हो उस आस मे घर से विदा कर रहें है की मेरा बेटा इस बहाली मे भाग लेने जा रहा है नौकरी होगा और परिवार का कल्याण होगा लेकिन नौकरी के बदले माँ बाप को अपना बेटा का शव मिल रहा है ये काफी पीड़ा दायी है भाजपा युवा मोर्चा बोकारो जिला सभी मृत युवाओं के आत्मा के लिये ईश्वर से प्रार्थना करती है और परिवार वालों को ये दुःख सहने की शक्ति ईश्वर दें ऐसा कामना करती है। भाजयुमो जिला अध्यक्ष विनोद कुमार ने कहा की जितने भी अभ्यथीर्यों की मौत हुई है इसका सारा दोष राज्य सरकार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का है। मात्र 15 दिन पहले युवाओं को एडमिट कार्ड मिला था और सस्ती

लोकप्रियता के लिये दौड़ करवा दिया राज्य सरकार ने, दौड़ के तैयारी के लिये युवाओं को उचित समय नहीं मिला। रात 2 बजे अभ्यर्थी को लाइन मे खड़ा करना जिसके कारण उचीत नींद की कमी, रात भर और दोपहर तक पूरा भूख मे रहना, चढ़ाई वाला रोड मे दौड़ाना और दोपहर 12 बजे तेज धूप मे दौड़ाने के साथ फल ओआरएस से लेकरके पिने का पानी तक अभ्यथीर्यों को नहीं मिलने के कारण मौत हो रही है और तो और पुलिस द्वारा अभ्यर्थियों को 10 घंटा तक एक ही जगह पर बैठा के रख रही है उनलोगो को हल्का भी खड़ा तक होने नहीं दें रही है और सीधा दौड़ा दें रही है और अगर कोई अभ्यर्थी पैर हाँथ सीधा करने के लिये खड़ा होने का प्रयास कर रहा है तो उसको लाठी से पिटा जा रहा है बाहर कर देने का धमकी दे रहा है और यंहा के स्थानीय मूलनिवासी युवाओं को गाली गलौज तक हेमंत सोरेन की पुलिस कर रही है जो काफी दुःखद है और ये सारा चीज का व्यवस्था देने का काम राज्य सरकार और बहाली प्रक्रिया मे शामिल पुलिस प्रशासन का है इसलिए आज भाजपा एंव भाजयुमो ये दावे के साथ कह रही है की राज्य के युवा अभ्यर्थी के मौत का जिम्मेदारी राज्य सरकार है। भाजपा युवा मोर्चा मांग करती है की सभी मृत अभ्यर्थी को उचित मुआवजा मिले और परिवार वालो को उचित नियोजन भी दें। इस उत्पाद सिपाही के बहाली मे भी धांधली का खबर पुरे राज्य मे चल रही है अभी से सेटिंग और पैसा के बदले नौकरी मिलने का खबर मिल रहा है अभी से ही बहाली मे भ्रष्टाचार का बू आ रही है और राज्य के गरीब युवाओं को अगर ठगने का दुस्साहस हेमंत सरकार ने की है तो इसबार राज्य के युवा और इस बहाली मे शामिल अभ्यर्थी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को करारा जवाव देने का काम करेंगे।

एक नजर

विधानसभा चुनाव को देखते हुए चूल्हा प्रमुख की हुई बैठक

सिल्ली/मुरी : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत रविवार के दिन सिंगपुर स्कूल के समीप रिंकू देवी वार्ड सदस्य की अध्यक्षता में चूल्हा प्रमुख की बैठक रखी गई। बैठक में गांव की सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई। साथ ही साथ आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी विचार विमर्श किया गया। मौके पर गीता श्री देवी, गणेश महतो, क्रांति बाला देवी, पुष्पा देवी, सहदेव महतो, मुनेश हजाम, सरिता देवी, गोपाल लोहरा,राजेश प्रजापति, गीता देवी, सत्य कुमार महतो, पशुपति मुंडा, रशीदा खातून, हुस्न बानो समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

हिण्डालको कालोनी मुरी में कृष्ण जन्माष्टमी का हुआ आयोजन

मुरी : मुरी 26 अगस्त की रात्रि श्री कृष्ण भगवान के जन्म के बाद से छह दिनों तक कोलोनी में उत्सव का माहौल रहा। नित दिन सुबह महिलाएँ पाल पहुँच कर लडडू गोपाल की पूजा अर्चना कर उन्हें लडडू का भोग लगातीं ततपशचात ढोल महीने बजा कर क्रष्ण भक्ति भजन गाकर भक्ति में लीन हो जाती। वही शाम को आरती के बाद बच्चों के लिए कई प्रतियोगिताएं जैसे गायन, डॉस चित्रांकन, गो जज यू लाईक समेत युगल एवं समूह डॉडिया नाच का भी आयोजिन किया गया। शनिवार को विधि पूवक बाल गोपाल का छठी यारी भी मनाया गया। महिलाओं ने एक दूसरे के गाल में हलदी लगा कर खुशी का इजहार किया। रविवार की शाम हाथी घोड़ा पालकी जै कनहैया लाल की जयकारे के साथ मूर्तियों के साथ कोलोनी भ्रमण के बाद नदी में बिसरजन किया गया।

आरक्षी उपाधीक्षक ने किया पांच दिनी शहीद एतवा उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट का आगाज

रांची : शहीद एतवा उरांव स्मारक न्यास के तत्वावधान में आयोजित रांची जिला अंतर्गत मांडर प्रखंड के बुढ़ाखुखरा स्थित खेल मैदान में एक सितंबर को शहीद एतवा उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट-2024 का उदघाटन मुख्य अतिथि खलारी के आरक्षी उपाधीक्षक राम नारायण चौधरी, अतिथि मांडर थाना प्रभारी राहुल, शिक्षक सुदीप कुमार, बंझिल मुखिया सोहंती एक्का, मांडर प्रमुख फिलिप सहाय एक्का सहित अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय कर किया। इससे पहले सभी अतिथियों ने शहीद एतवा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। मौके पर श्री चौधरी ने खिलाड़ियों और आयोजन समिति के सदस्यों का हौंसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि यहां के लोग खेल प्रेमी हैं और खेल का आनंद पूरे अनुशासन में रहकर उठाते हैं। उन्होंने आयोजकों द्वारा इस शानदार प्रतियोगिता के आयोजन के लिए बधाई दी। साथ ही वहां मौजूद लोगों को मैच के सफल आयोजन के लिए सहयोग करने की बात कही। एक सितंबर को ग्रुप ए का पहला मैच तिगरा परिवार एफसी ने युवा विकास क्लब बुढ़ाखुखरा को 1-0 गोल से हराकर अगले राउंड में प्रवेश किया। वहीं एलेवन स्टार क्लब सतकन्दु ने शो रूम मांडर के 2-0, रेड जोन मांडर ने जेजेसी चुद्दू को 1-0, सरना नवयुवक संघ प्रयागो ने केएफसी करगे को 3-0 पाराजित कर अगले राउंड में अपनी जगह बनाई।

लातेहार में हथियार के साथ नक्सली गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लातेहार : लातेहार पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मनिका थाना क्षेत्र के पसंगन गांव में छापामारी कर हथियार के साथ नक्सली उपेंद्र यादव को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार नक्सली के पास से पुलिस ने एक रेगुलर राइफल तथा 10 गोलियां भी बरामद की है। गिरफ्तार नक्सली उपेंद्र यादव मनिका के पसंगन गांव का रहने वाला है। रविवार को प्रेस वार्ता करते हुए डीएसपी वेंकटेश प्रसाद ने बताया कि लातेहार एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि मनिका थाना क्षेत्र के पसंगन गांव में नक्सली उपेंद्र यादव नया संगठन बनाकर लेवी वसूलने के लिए किसी घटना को अंजाम देने वाला है। इस सूचना के बाद पुलिस की टीम बनाई गई और नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की गई। पुलिस की टीम जैसे ही गांव में पहुंची उन्हें देखकर उपेंद्र यादव भागने लगा, जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। बाद में उपेंद्र यादव के निशान देही पर पुलिस ने एक रेगुलर राइफल और 10 गोलियां भी बरामद की। डीएसपी वेंकटेश प्रसाद ने बताया कि गिरफ्तार नक्सली उपेंद्र यादव पूर्व में माओवादी और टीएसपीसी नक्सली संगठन से जुड़कर विभिन्न नक्सली घटनाओं को अंजाम दिया था। इसके खिलाफ लातेहार जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र में 5 से अधिक हिंसक मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार नक्सली उपेंद्र यादव नया संगठन बनाकर रंगदारी वसूलने की योजना बना रहा था। परंतु पुलिस ने उसकी योजना को विफल कर दिया। नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए अभियान में मनिका थाना प्रभारी शशि कुमार, मनोज कुमार दुबे समेत अन्य पुलिस अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

हेसल में नशा मुक्ति को लेकर प्रबुद्ध जनों की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : हेसल पंचायत में नशा मुक्ति को लेकर बुद्धिजीवी मंच की बैठक शिव मंदिर के प्रांगण में थाना प्रभारी हीरा लाल साह की अध्याचता में रखी गई। बैठक में प्रखंड के प्रबुद्ध जनों ने बारी बारी से सभो ने अपनी अपनी बातों को रखा मौके पर थाना प्रभारी ने कहा कि मै तो कुछ दिनों पहले ही आया हूं पूर्व में जो घटना हेसल पंचायत में हुई है बहुत निदानिय घटना है। इस तरह की घटना से गांव समाज कि बदनामी होती है एसे में नए जनरेशन के युवा का मन भटक जाता है समाज में बुराइयां कुरीतियां उत्पन्न होती है। इन सब सब को रोकने के लिए सभी का सहयोग होना जरूरी है। आगे गांव के समाज सेवी सह झारखंड रत्न से सम्मानित मुस्तफा अंसारी ने कहा कि पूर्व में भी इसी तरह का पंचायत में एक बड़ी घटना को अंजाम देने की कोशिश की गई थी। लेकिन उस भी गांव के सभी समुदाय के लोगों ने मूल जुल कर नस्ट करने का काम किया सभी को में मिल जुल समाज में हो रही बुराई को घत्म करने की जरूरत है।

दो करोड़ से बनने वाले स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्य की विधायक ने रखी आधारशिला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया(गिरिडीह) : सरिया प्रखंड क्षेत्र के केशवारी में अर्ध निर्मित पड़े उप प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का विविध निर्माण कार्य हेतु रविवार को शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके शिलापट्ट के अनावरण विधायक विनोद कुमार सिंह ने किया। इस मौके पर एक विशाल जनसभा का भी आयोजन किया गया। जिसमें केशवारी समेत आसपास के सैकड़ों लोग इस कार्यक्रम में भाग लिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बगोदर विधायक विनोद कुमार सिंह ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के कार्यकाल में उप प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कार्य की शुरूआत की गई थी। परंतु संवेदक बीच में ही कार्य को अधूरा छोड़कर भाग खड़ा हुआ। इसके बाद पुनः प्रयास कर आज लगभग 2 करोड़ की लागत से उप प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के विविध निर्माण कार्य की आधारशिला रखी गई है। उक्त केंद्र के बनने से केसवारी समेत आसपास के हजारों लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल पाएगा। बताया कि राज्य सरकार के द्वारा एक से एक कल्याणकारी योजनाएं क्षेत्र में चलाई जा रही हैं। पूर्व में जहां 400 रुपया पेंशन की राशि पाने के लिए लोगों की चप्पल घिस जाता था परंतु पेंशन का लाभ नहीं मिल पाता था। किंतु आज आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत उक्त फॉर्म भर रही हैं। लोगों को इसका सीधा लाभ मिल रहा है। महिलाओं के सम्मान में मंईया सम्मान योजना चलाई जा रही है। लगातार क्षेत्र में जरूरत के अनुसार पानी टंकी, सड़कें, स्वास्थ्य उपकेंद्र, सामुदायिक भवन, पुल, पुलिया आदि का निर्माण कार्य चल रहा है। जहां आवश्यकता है वहां भी अविलंब कार्यों की शुरूआत होने जा रही है। इस कार्यक्रम को भाकपा माले में राज्य कमेटी के सदस्य भोला मंडल, पवन महतो, लक्ष्मण मंडल, महेंद्र मंडल, मुरली मनोहर मंडल, राम जी राणा, सिराज अंसारी आदि ने भी संबोधित किया।

जेबीकेएसएस ने किया झारखंड नवनिर्माण यात्रा आरंभ, जयराम ने दिखाया हरी झंडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति द्वारा आज रविवार को झारखंड नवनिर्माण यात्रा प्रारंभ किया गया। यह यात्रा सांस्कृतिक तरीके से संपन्न किया गया। संगठन के कार्यकर्ता समेत हजारों जनसाधारण शामिल रहे। लोगों में झारखंड नवनिर्माण यात्रा को लेकर जोश एवं उत्साह देखा गया। केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो के गरिमामई उपस्थिति में वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो द्वारा यात्रा का नेतृत्व किया गया। भगवान बिरसा मुंडा के जन्मस्थली उलिहातु से आरंभ किया गया। सांस्कृत नेगाचारी से बिरसा मुंडा जी को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। भगवान बिरसा के वंशज ने जयराम महतो एवं देवेंद्रनाथ महतो को तीर धनुष एवं मसाल प्रदान किया। इसके बाद शहिद रघुनाथ महतो जी शहादत स्थल लोटा सिल्ली में आशीर्वाद ग्रहण किया गया। महिला मोर्चा अध्यक्ष दमयंती मुंडा ने जानकारी देते हुए कहा कि जन्मस्थली से संकल्पित मिट्टी को लेकर उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो झारखंड अलग के सपनों एवं शहीदों के अरमानों को पूरा करने हेतु क्षेत्र का भ्रमण किया जाएगा। इस महा यात्रा में मुख्य रूप से सचिव गोपेश्वर महतो, फलिंदर करमाली, विमल मास्टर, सूरज नारायण, सुभाष महतो, डॉ रविंद्र महतो,मार्शल आदि ने यात्रा में योगदान दिया।

जनजागरण पदयात्रा बायोडटा संग्रह से जुड़े बेरोजगार युवा-युवतियां

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : आजसू पार्टी ने टाटी सिल्वई आजाद बस्ती में जनजागरण कार्यक्रम का अभियान चलाया गया जिसका अध्यक्षता विनोद मुण्डा ने किया। इस जनजागरण अभियान में मुख्य रूप से केंद्रीय सचिव सह खिजरी विधान सभा पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उरांव थे उरांव ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड राज्य में आजसू पार्टी की 24 अगस्त से चल रहे भावी कार्यक्रमों के संदर्भ में राष्ट्रीय खेल दिवस, जनजागरण पदयात्रा, राज्य के बेरोजगार युवक एवं युवतियों की बायोडटा संग्रह आदि गतिविधियों के बारे में जानकारी साझा करते हुए उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी 2024 के चुनाव में हेमंत सोरेन सरकार को सिक्स्थ देने को तैयार हैं। गूँगी बहरी,और झूठ एवं लूट की नींव पर बनीं सरकार को 2024 के चुनाव में उखाड़ फेंकने की जरूरत है। मौके पर केन्द्रीय सचिव जितेन्द्र सिंह, केन्द्रीय सदस्य उमेश कुमार महतो, रामदास महतो, कजरू मुण्डा, विनोद मुण्डा, अशिष मुण्डा आदि सैकड़ो चूल्हा प्रमुख उपस्थित थे।

मृत्यु के भय पर विजय पाना बहुत ही आसान : स्वामी शुद्धानन्द

कृष्ण बिहारी मिश्र

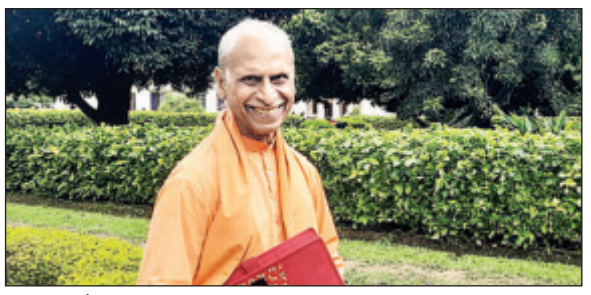

रांची : जीवन का जो उद्देश्य है। जो लक्ष्य है। उसी को लेकर चलते हुए जो हम ईश्वर को समर्पित करते हुए, जो कर्म करते हैं, तो हमारा जीवन समुद्र के उस बुलबुले की तरह हो जाता हैं, जो समुद्र से निकलता है और समुद्र में ही मिल जाता है। मतलब हम आनन्द से आकर, आनन्द में रहते हुए हम आनन्द में ही मिल जाते हैं और इस दौरान हमें मृत्यु का भय भी नहीं रहता। उक्त बातें आज योगदा सत्संग आश्रम में आयोजित रविवारीय सत्संग को संबोधित करते हुए स्वामी शुद्धानन्द ने योगदा भक्तों से कही। उन्होंने कहा कि मृत्यु के भय पर विजय पाना बहुत ही आसान है। उन्होंने इसके लिए एक उदाहरण दिया कि आप समुद्र के बुलबुले को अपने मन में विजुयलाइज्ड करिये, आप क्या देखते हैं कि उस बुलबुले का निर्माण समुद्र से ही हुआ हैं और फिर वो समुद्र में ही जाकर मिल भी रहा है। उसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति तैत्तरीयोपनिषद् के अनुसार आनन्द से ही आया है, आनन्द में ही उसे रहना है और उसे अंत में आनन्द में ही मिल जाना है। उन्होंने कहा कि अगर हम क्रिया योग की साधना दिन भर में दो बार श्रद्धा और भक्ति के साथ करें तो यह मृत्यु का भय हमेशा के लिए जाता रहेगा। उन्होंने कहा कि एक योगी के लिए मृत्यु एक अवसर के समान है। वो जानता है कि उसे अब वर्तमान जीर्ण-शीर्ण शरीर से मुक्ति मिलने जा रही है, अब नया शरीर उसे प्राप्त होगा, जो ईश्वरीय कार्य के लिए नया अवसर प्रदान करेगा। इसलिए वो मृत्यु से भय नहीं खाता। उन्होंने कहा कि ईश्वर द्वारा बनायी गई इस माया में तीन गुण हैं, जिसे पार पाना एक सामान्य व्यक्ति के लिए उतना आसान नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वो तीन गुण है। 1. तामसिक, 2. राजसी, और 3. सात्विक। उन्होंने कहा कि हम क्रिया योग के माध्यम से तामसिक और राजसी प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त कर सात्विकता की ओर जा सकते हैं, जिससे हमें आंतरिक शांति और आनन्द की प्राप्ति होती है। स्वामी शुद्धानन्द ने कहा कि ईश्वर हमें नाना प्रकार के उपहार देने को तैयार बैठे हैं। लेकिन हमें उन उपहारों को लेने के लिए वैसी योग्यता भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने हमें कुछ समय के लिए ड्रामा करने के लिए यहां भेजा है। लेकिन हमें यह भी नहीं भूलना है कि हमें अंत में जाना कहां हैं और किसके पास जाना हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग आत्महत्या करते हैं और समझते है कि उन्होंने शरीर को मारकर विजय प्राप्त कर ली। दरअसल वे भूल जाते हैं कि उससे उनकी समस्याओं से मुक्ति नहीं मिलती। ईश्वर के द्वारा दिया गया यह अनमोल उपहार बेवजह नष्ट या किसी समस्याओं से घबराकर खत्म करने के लिए नहीं बना, बल्कि समस्याओं से संघर्ष करने के लिए बना है, क्योंकि अगर हम इससे भागने की कोशिश करेंगे तो हम चाहकर भी भाग नहीं सकते, क्योंकि वो समस्याएं हमारे ही कर्मफल के प्रतिरुप हैं। उन्हें हमें हर हाल में भुगतना है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति अगर क्रियायोग के माध्यम से जीवन को संचालित करता हैं तो वह हर समस्याओं पर विजय पाता है, क्योंकि उसके बाद उसका जीवन संतुलित होने लगता है। योग साधना का मतलब भी संतुलित जीवन ही हैं। स्वामी शुद्धानन्द गिरि ने श्रीमद्भगवद्गीता के 16 वें अध्याय के एक से लेकर तीसरे श्लोकों का उदाहरण देते हुए कहा कि, गीता कहती है। अभयं सत्त्वसंशुद्धिर्ज्ञानयोग व्यवस्थितिः। दानं दमश्च यज्ञश्च स्वाध्यायस्तप आर्जवम। अर्थात भय का सर्वथा अभाव, अंतःकरण की निर्मलता, तत्वज्ञान के लिए योग में निष्ठा, सात्विक दान, अपने इन्द्रियों का दमन, ईश्वर, देवता और गुरुजनों की पूजा, अच्छे कर्मों की प्रवृत्ति व स्वाध्याय तथा भगवान नाम और उनके गुणों का कीर्तन, अपने धर्मपालन में आनेवाली कष्ट को सहने करने की शक्ति, इन्द्रियों सहित अंतःकरण की सरलता अहिंसा सत्यमक्रोधस्त्यागः शान्तिरपैशुनम। दया भूतेष्वलोलुप्वं मार्दवं ह्रीरचापलम।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय जीवन बीमा निगम की वर्षगांठ मनाई गई, एलआईसी अभिकर्ता हुए सम्मानित

रांची : भारत सरकार द्वारा पंजीकृत देश की सबसे बड़ी भारतीय जीवन बीमा निगम (एल.आई.सी.) का वर्षगांठ आज छात्र क्लब ग्रुप एवं विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच की ओर से संयुक्त रूप से धूमधाम से श्री चैती दुर्गा मंदिर परिसर भुतहा तालाब मे मनाई गई। इस मौके पर पहले चरण में बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री,सुरक्षित जगहों पर पौधारोपण एवं दूसरे चरण मे जीवन बीमा के क्षेत्र मे उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एलआईसी के फाइनेंशियल एडवाइजर एमडीआरटी (यूएसए) सीएम क्लब शिव कुमार सिंह,एलआईसी अभिकर्ता, देवनंदन कुमार साहु, रमेश पंडित एवं लक्ष्मण गोप को मुख्य अतिथि श्री चैती दुर्गा मंदिर के कोषाध्यक्ष संजय सिंह उर्फ लल्लू सिंह एवं विशिष्ट अतिथि विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश,छात्र क्लब ग्रुप के प्रवक्ता मनोज कुमार, अशोक सोनी, नमन भारतीय,विवेक कुमार द्वारा अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा ने किया। मौके पर एलआईसीअभिकर्ता शिव कुमार सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा हमलोग लोगों को छोटी-छोटी रकम जमा करने की सलाह देते हैं और उन्हें एलआइसी परिवार में जोड़कर उनके भविष्य को सुरक्षित करते हैं। एलआईसी चीट फंड कंपनी नहीं है यह सरकार के देखरेख में काम करती है वहीं अभिकर्ता देवनंदन कुमार साहू ने कहा यह कंपनी रकम जमाकर्ताओं को पैसा वापसी की गारंटी भी देती है। अन्य अभिकताओं ने भी आम लोगों को एलआईसी प्रोडक्ट की जानकारी दी। इसके पुर्व मुख्य अतिथि संजय सिंह उर्फ लल्लू सिंह एवं संतोष कुमार श्रेयांस ने एलआईसी के वर्षगांठ पर लोगों को शुभकामनाएं दी और कहा अपने एवं अपने परिवार की खुशहाली के लिए एलआईसी अभिकर्ता से जुड़े और अपना खाता अवश्यक खुलवाएं। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्यरूप से मोहित रजक, रोहन सिंह, गौरव रजक, सतीश सिंह, मुकेश सिंह, आशीष रजक आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आरएसएस ने अनुषांगिक संगठनों के साथ की विधानसभा स्तरीय समन्वय बैठक

सरिया(गिरिडीह) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उनके अनुषांगिक संगठनों के कार्यकर्ताओं की समन्वय बैठक रविवार को जैन धर्मशाला सरिया में संपन्न हुई। तीन सत्र में हुई बैठक के इस कार्यक्रम का संचालन विधानसभा संयोजक अर्जुन प्रसाद आर्य ने किया। जबकि कार्यकर्ताओं को विभाग संघचालक सुरेंद्र प्रताप सिंह एवं विभाग कार्यवाहक राजेश प्रसाद का सानिध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, विद्या भारती, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, गायत्री परिवार, एकल अभियान तथा समविचारी कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर गंभीरता पूर्वक चिंतन किया गया। इसके अतिरिक्त मतदाता जागरूकता पर भी लोगों ने अपने-अपने विचार रखें। कहां की चुनाव लोकतंत्र का राष्ट्रीय पर्व होता है जिसमें मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण होती है परंतु मतदान के दिन निर्वाचन अपने कार्य की व्यवस्था के कारण मतदान करने से वंचित रहते हैं। जिससे मजबूत लोकतंत्र का निर्माण असंभव सा होता है। इसके लिए मतदाता जागरूकता अभियान चलने का निर्णय लिया गया। इस हेतु पंचायत स्तरीय बैठक करने का निर्णय लिया। साथ ही विधानसभा स्तरीय संचालन समिति तथा पंचायत स्तरीय संचालन समिति का गठन भी किया गया। बैठक शांति मंत्र के साथ संपन्न हुआ। मौके पर विधानसभा सह संयोजक जय नारायण, पूर्व विधायक नागेंद्र महतो, अनुमंडल सांसद प्रतिनिधि छोटेलाल यादव, जिला गौ सेवा प्रमुख उमेश कुमार, जिला सामाजिक समरसता प्रमुख विनोद कुमार पांडेय, खंड कार्यवाह आशीष तर्वे, सोनू वर्णवाल, मनोज कुमार, विवेक भागवत, निरंजन, दीपक कुमार, अनीता कुमारी, महेंद्र प्रसाद, झूलन देवी, बबिता कुमारी, राम प्रसाद, विनोद प्रसाद ठाकुर, रामशंकर ठाकुर, जयप्रकाश वर्मा, चिंतामणि पंडित, अनूप कुमार तर्वे,संतोष सिंहा, मुकेश ठाकुर, रामावतार पांडेय, डॉ रीतलाल प्रसाद वर्मा, भीमसेन मोदी, जनक दुलारी वर्मा, ओम प्रकाश,विनोद प्रसाद, प्रयाग ठाकुर, डेगलाल महतो सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

पूर्व मंत्री जयप्रकाश भाई पटेल ने ट्रांसफार्मर का किया उद्घाटन

विष्णुगढ़ : हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत कुसुंभा पंचायत के नवाटाड में ट्रांसफार्मर खराब होने की वजह से गांव में बिजली नहीं थी , जिसकी सूचना पूर्व मंत्री जयप्रकाश भाई पटेल को दी गई। सूचना प्राप्त होते ही पटेल के द्वारा बिना देर किए 100 केवीए ट्रांसफार्मर ग्रामीणों को मुहैया करवाया गया एवं पटेल के द्वारा ग्रामीणों की उपस्थिति में ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया गया। पटेल के द्वारा विष्णुगढ़ की जनता को जनहित में योजनाओं का समर्पण होता रहता है, जिससे ग्रामीणों में हर्ष का माहौल बना रहता है। मौके पर हीरामन महतो, हेमंत महतो, दामोदर महतो इत्यादि गण मान्य एवं सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे।

महिलोंग में नीरज कार वाशिंग सेंटर का हुआ उद्घाटन

अनगड़ा : नामकोम प्रखंड अंतर्गत महिलोंग में पेट्रोल पम्प के समीप नीरज कार वासिंग सेंटर का पूर्व कमिस्नर एस के सरण ने विधिवत फीता काट कर उद्घाटन किया। मौके पर एस के सरण ने कहा कि इस तरह का सेंटर खुलने से आस पास के लोगो को काफी सुभिधा मिलती हैं चुकी इस जगह पर एक भी इस तरह का सेंटर नहीं था मै तहे दिल सेनटर मालिक राकीब अंसारी को सुभकामना बधाई दे देता हूं । मौके पर मुमताज अंसारी अजीज अंसारी सौकत अंसारी नीरज कुमार अशोक कुमार समीम अंसारी किशोर कुमार आदि शामिल थे।

अरबपति दानवीर भी बन जाएं तो कुछ बात बने

आर.के. सिन्हा

यह कहना सही नहीं है कि यूरोप और अमेरिका में भारत से ज्यादा दानवीर हैं।दानवीरता किसी भी देश या संस्कृति तक सीमित नहीं है। हर जगह अच्छे दिल वाले लोग होते हैं जो दूसरों की मदद करने को तैयार रहते हैं। हर देश के अपने-अपने दान करने के तरीके हैं और हर व्यक्ति की अपनी जरूरतें और सीमाएँ होती हैं. दानवीरता किसी भी व्यक्ति की व्यक्तिगत पसंद और क्षमता पर निर्भर करती है, न कि किसी देश या संस्कृति पर।

अभी कुछ दिन पहले एक खबर मीडिया की सुर्खियों में थी कि भारत की वित्तीय राजधानी मुंबई अब एशिया की 'अरबपतियों की राजधानी' बन गई है। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2024 के अनुसार, मुंबई में चीन के राजधानी शहर बीजिंग से भी ज्यादा अरबपति व्यक्ति रहने लगे हैं। भारत में मुंबई के बाद सबसे ज्यादा अरबपति अब दो और महानगरों नई दिल्ली और हैदराबाद में ही रहते हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि देश में अरबपतियों की तादाद देश में विकास की रफ़्तार के साथ बढ़ती ही रहेगी। अरबपति छोटे शहरों और कस्बों में भी बने। पर भारत को फिलहाल सैकड़ों-हजारों दानवीर भी तो चाहिए।

भारत, अपने युवा और विविध जनसंख्या के बावजूद , दुनिया की सबसे तेजी से विकसित होने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। हालांकि, फिलहाल इसकी समृद्धि असमान रूप से वितरित है। लाखों लोग गरीबी, भुखमरी, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक की पहुँच से वंचित हैं। इस असमानता को कम करने और भारत को एक समृद्ध और न्यायपूर्ण राष्ट्र बनाने के लिए अधिक से अधिक दानवीरों की आवश्यकता है। हमें इस तरह के दानवीर चाहिएं जो हर साल बड़ी राशि स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों में खर्च करें।

यह संतोष का विषय है कि बिल गेट्स ने अपनी समृद्धि का उपयोग मानवता की सेवा में किया है। उनके द्वारा स्थापित बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने वैश्विक स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया है। भारत में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बड़ी चुनौतियाँ हैं, जिसमें गरीबों के लिए स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच सीमित है। बेशक, दानवीर स्वास्थ्य सेवा में निवेश करके, नई तकनीकों और दवाओं को विकसित करने में मदद कर सकते हैं। वे गरीबों के लिए स्वास्थ्य सेवा की पहुँच को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों और क्लिनिकों का निर्माण कर सकते हैं।

भारत में शिक्षा प्रणाली में भी सुधार की बड़ी आवश्यकता है। इस क्षेत्र में बहुत सारे दानवीरों को निवेश करना चाहिए।वे शिक्षा के क्षेत्र में निवेश करके, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। समृद्ध दानवीर शिक्षकों के प्रशिक्षण, स्कूलों का आधुनिकीकरण और नए शिक्षण उपकरणों का विकास जैसे क्षेत्रों में निवेश कर सकते हैं। यह कोई नहीं कह रहा है कि हमारे यहां दानवीर शिक्षा या हेल्थ सेक्टर में निवेश नहीं करते। पर इन दोनों क्षेत्रों में शत प्रतिशत सरकार के भरोसे भी तो नहीं रहा जा सकता। सरकार की भी अपनी सीमाएं हैं।

इसके साथ ही भारत में गरीबी और असमानता को दूर करने के लिए बड़े पैमाने पर चहुँमुखी सामाजिक विकास की

आवश्यकता है। दानवीर गरीबों को रोजगार के अवसर प्रदान करने और उनकी आय बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। वे ग्रामीण विकास, कृषि, स्वरोजगार और महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में निवेश कर सकते हैं।

भारत जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रहा है। इस स्थिति का सामना करने के लिए हमारे दानवीर नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को विकसित करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए नवाचारों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जल संरक्षण और ज्यादा पानी अवशोषित करने वाले गेहूँ, धान और गन्ना के उत्पादन को छोड़कर या कम करके परंपरागत मोटे और छोटे अनाजों के उत्पादन को बढ़ावा देने का अभियान चला सकते हैं। एक किलो धान के उत्पादन में जहाँ 8000 लीटर , एक किलो गेहूँ उत्पादन में 10,000 लीटर पानी और एक किलो चीनी के उत्पादन में 28,000 लीटर पानी का व्यय होता है , वहीं एक किलो छोटे अनाज कोदो, कँगनी, कुटकी , साँवा और हरा सावाँ के उत्पादन में मात्र 100 से लेकर 300 तक ही पानी की आवश्यकता पड़ती है । इसीप्रकार, हर तरह के दूरगामी और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने के लिए भी दानवीर अरबपति पर्यावरणीय संगठनों को समर्थन दे सकते हैं।

मैं अपना खुद का उदाहरण देना चाहूँगा । मैं 1966 से लेकर 1975 में स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गाँधी द्वारा लगायी गई इमरजेंसी के पूर्व तक उस समय भारतवर्ष के दो बड़े मीडिया संस्थानों में से एक में विशेष संवाददाता था । तनख़्वाह थी मात्र 230 रुपए प्रतिमाह। संपादकीय पृष्ठ पर एक लेख लिखने पर प्रति लेख 10 रुपए अलग से मिल जाते थे । लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रेरणा और आशीर्वाद से भूतपूर्व सैनिकों के पुनर्वास के लिये एक छोटा सा सेवामूलक कार्य शुरू किया और तीन लाख भूतपूर्व सैनिकों और बेरोजगार युवक - युवतियाँ को रोजगार दिया । आज उन संस्थाओं का वार्षिक कारोबार लगभग 13,000 करोड़ का है । संतोषप्रद लाभ भी है । लेकिन , मैं अपने लाभाँश का लगभग 95% अपने पूज्य माता और पिताजी की स्मृति में स्थापित ह्न अवसर ट्रस्ट ह्न के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की शिक्षा , चिकित्सा , बिना दहेज विवाह , किसी भी तरह की समाज सेवा करने वाली संस्थाओं की सहायता में खर्च करता हूँ। इससे जो आत्मीय संतुष्टि मिलती है, उसका वर्णन करना संभव नहीं है । धन की गति या तो व्यभिचार के लिये होगी या सद्कार्यों के लिये ! अरबपतियों को एक ही रास्ता चुनना होगा । नोटों की गड्डी पर न तो आज तक कोई जला है , न जलेगा ।तब बुद्धिमत्ता पूर्वक सबको यह सूचना चाहिये कि संचित धन का सदुपयोग करना है या दुरुपयोग? नए-नए करोड़पतियों और अरबपतियों को अनुसंधान और विकास में भी निवेश करना चाहिए। ये दानवीर वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और नए क्षेत्रों में निवेश कर-के, भारत को वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्र में नेता बनने में मदद कर सकते हैं। वे नए उद्यमों को शुरू करने और भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए निवेश कर सकते हैं।

इंफोसिस टेक्नोलॉजीज के को-फाउंडर नंदन नीलेकणि शिक्षा के क्षेत्र में बहुत दान देते हैं। उन्होंने कुछ समय पहले इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) बॉम्बे को 315 करोड़ रुपए दान किये। इससे पहले भी, उन्होंने आईआईटीळ बॉम्बे को 85 करोड़ रुपए दान किया था। यानी अब तक वो आईआईटी बॉम्बे को करीब 400 करोड़ रुपये का दान कर चुके हैं। दरअसल देश के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्लायों के सफल छात्रों को अपने शिक्षण संस्थानों की आर्थिक मदद करनी चाहिए। इन संस्थानों को सरकार की मदद के सहारे पर नहीं छोड़ा जा सकता है। अमेरिका में पूर्व छात्र अपने कॉलेजों और विश्व विद्लायों की भरपूर मदद करते हैं। पूर्व छात्रों की मदद से ही उनके शिक्षण संस्थानों में रिसर्च और दूसरी सुविधाएं बढ़ाई जा सकती हैं। नीलकेणी की सबसे बड़ी कामयाबी आधार कार्ड है। देश के हर नागरिक को एक विशिष्ट पहचान संख्या या यूनिक आइडेंटीफिकेशन नम्बर को उपलब्ध करवाने का विचार उन्होंने ही सफलतापूर्वक चलाया था।

इसमें दो राय नहीं हो सकती कि भारत में नंदन नीलकेणी जैसे दानवीरों की संख्या को बढ़ाना होगा। अजीम प्रेमजी और शिव नाडर जैसे अरबपति दानवीर भी देश के युवाओं को सामाजिक उद्यमिता, सामुदायिक विकास और सामाजिक बदलाव के लिए प्रेरित कर सकते हैं। वे भारत के संसाधनों का प्रभावी उपयोग करके, गरीबी को दूर करने और मानवता की सेवा करने के लिए सहायता भी कर सकते हैं। कभी-कभी मन उदास हो जाता है कि भारत में दानवीरों की काफी कमी हैं। देखिए भारत में अब भी धनी लोग समाज के लिए धन देने से कतराते हैं। उन्हें लगता है कि उनका टैक्स देना ही काफी है। यह सोच बदलनी होगी। फिर भारत में भ्रष्टाचार व्याप्त है, जिससे लोगों को दान करने के लिए प्रेरित करने में कठिनाई होती है। उन्हें डर लगता है कि उनके दान का गलत उपयोग किया जाएगा। कई मामलों में यह होता भी है। फिर कई लोग दान के बारे में जानकारी नहीं रखते हैं या वे यह नहीं जानते कि वे दान कैसे कर सकते हैं।

इस बीच, यह कहना सही नहीं है कि यूरोप और अमेरिका में भारत से ज्यादा दानवीर हैं।दानवीरता किसी भी देश या संस्कृति तक सीमित नहीं है। हर जगह अच्छे दिल वाले लोग होते हैं जो दूसरों की मदद करने को तैयार रहते हैं। हर देश के अपने-अपने दान करने के तरीके हैं और हर व्यक्ति की अपनी जरूरतें और सीमाएँ होती हैं. दानवीरता किसी भी व्यक्ति की व्यक्तिगत पसंद और क्षमता पर निर्भर करती है, न कि किसी देश या संस्कृति पर। हमारे यहां बहुत से लोग मशहूर खिलाड़ियों और फिल्मी सितारों से शिकायत करते रहते हैं कि वे चैरिटी नहीं करते। हालांकि सच यह है कि कई सेलिब्रिटी अपने दानों के बारे में सार्वजनिक नहीं होना चाहते। उनका मानना हो सकता है कि दान करना एक निजी मामला है और इसे सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने की जरूरत नहीं है। कुछ सेलिब्रिटी किसी विशिष्ट कारण के प्रति सहानुभूति महसूस नहीं करते हैं । यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सभी सेलिब्रिटी एक समान नहीं होते हैं। कुछ बहुत दानवीर होते हैं, जबकि कुछ नहीं भी करते हैं। इसलिए, यह मान लेना गलत होगा कि सभी सेलिब्रिटी दान नहीं करते हैं।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

अब नौकरी पर जोर

अगले दो साल के भीतर पुलिस विभाग में दो लाख से ज्यादा भर्तियां होंगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानपुर में उपचुनाव के लिए आयोजित जनसभा में यह एलान किया। वर्तमान में पुलिस में साठ हजार भर्तियां होने व पचास लाख नौजवानों को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना तथा केंद्र व प्रदेश की अन्य योजनाओं के माध्यम से स्वतः रोजगार से जोड़ने की भी बात की। योगी ने कहा अगर किसी ने परीक्षा में सेंध लगाने का दुस्साहस भी किया तो उसे आजीवन कारावास व एक करोड़.रुपये जुमार्ने का प्रावधान रखा गया है। स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री को यह स्पष्टीकरण इसलिए देना पड़ा क्योंकि पिछले कुछ समय से लगातार सरकारी परीक्षाओं के दरम्यान प्रश्नपत्रों के लीक या उत्तरपुस्तिकाओं में हेराफेरी के मामले उभर कर सामने आ रहे हैं। सभा में योगी ने विपक्षी दल समाजवादी पार्टी पर सीधा कटाक्ष किया कि उनकी टोपी लाल है, मगर कारनामे काले हैं। 2017 से पहले उप्र में अराजकता चरम पर होने व प्रदेश में दंगे होने के भी आरोप उन्होंने लगाए। सालों से बंद पड़ी लाल इमली मिल के पुनरुद्धार की बात कर उन्होंने वही चुनावी जुमला पुनः उछाला, जो हर विधानसभा चुनाव के दौरान यहां प्रयोग किया जाता रहा है। इसमें संदेह नहीं कि प्रदेश में आए दिन होने वाले सांप्रदायिक दंगों में कमी आई है। मगर प्रदेश में होने वाले अपराध, खासकर हत्या, आत्महत्या व महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों में कोई कमी नहीं आ रही है। बेरोजगारी निरंतर बढ़ती ही जा रही है, जिसे विपक्षी दलों द्वारा लोक सभा चुनाव के दौरान बड़ा मुद्दा बनाया गया था। मोदी व योगी सरकार बेरोजगारी को आने वाले विधानसभा चुनाव में मुद्दा नहीं बनने देना चाहते हैं। इसलिए आनन-फानन सरकारी नौकरियों का लोभ दिया जा रहा है। विभिन्न सरकारी योजनाओं व मदद के प्रचार को लेकर भी प्रदेश सरकार मुस्तैद नजर आ रही है। लोक सभा चुनाव में मिले झटकों के बाद इन उपचुनावों को भाजपा के खिसकते जनाधार के तौर पर देखा जा रहा है। इसलिए योगी को अपनी साख पर लगे बट्टे से जल्द से जल्द मुक्त होते हुए नजर भी आना होगा।

चिंतन-मनन

राष्ट्रीय एकता में बाधक तत्व

आर्थिक और सामाजिक असमानता राष्ट्रीय एकता में बहुत बड़ी बाधा है। उस असमानता का मूल है अहं और स्वार्थ। इसलिए राष्ट्र की भावात्मक एकता के लिए अहं-विसर्जन और स्वार्थ-विसर्जन को मैं बहुत महत्व देता हूं। जातीय असमानता भी राष्ट्रीय एकता का बहुत बड़ा विघ्न है। उसका भी मूल कारण अहं ही है। दूसरों से अपने को बड़ा मानने में अहं पुष्ट होता है और आदमी अपने-आप में संतोष का अनुभव करता है। अहं का विसर्जन किए बिना जातीय भेद का अंत नहीं हो सकता। मनुष्य जन्मना मनुष्य का शत्रु नहीं है। एक पेड़ की दो शाखाएं परस्पर विरोधी कैसे हो सकती हैं? फिर भी यह कहा जाता है कि धर्म-संप्रदाय मनुष्यों में मैत्री स्थापित करने के लिए प्रचलित हुए हैं। उनमें जन्मना शत्रुता नहीं है, फिर मैत्री स्थापित करने की क्या आवश्यकता हुई? मैं फिर इस विश्वास को दोहराना चाहता हूं कि मनुष्य-मनुष्य में स्वभावतः शत्रुता नहीं है। वह निहित स्वार्थ वाले लोगों द्वारा उत्पन्न की जाती है। उसे मिटाने का काम धर्म-संप्रदाय ने प्रारंभ किया, किंतु आगे चलकर वे स्वयं निहित स्वार्थ वाले लोगों से घिर गए और मनुष्य को मनुष्य का शत्रु मानने के सिद्धांत की पुष्टि में लग गए। इस चिंतन के आधार पर मुझे लगता है कि सांप्रदायिक समस्या का मूल भी अहं और स्वार्थ को छोड़कर अन्यत्र नहीं खोजा जा सकता। इसलिए सांप्रदायिक वैमनस्य की समस्या को सुलझाने के लिए भी अहं और स्वार्थ का विसर्जन बहुत आवश्यक है। भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, को भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है। अपनी भाषा के प्रति आकर्षण होना अस्वाभाविक नहीं है। पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकर्षण होता है, उतना ही दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है। राष्ट्रीय एकता के लिए इन विषयों पर गंभीर चिंतन करना आवश्यक है।

राजनीति को नया आयाम देने के लिए जरुरी युवाओं की भागीदारी....

अतुल मलिकराम

राजनीति–यह शब्द सुनते ही अक्सर हमारे मन में नकारात्मक विचारों की बाढ़ आ जाती है। भ्रष्टाचार, सत्ता की भूख, और धोखाधड़ी जैसे शब्द हमारे दिमाग में घूमने लगते हैं। समाज में राजनीति और राजनेता दोनों को ही नकारात्मक दृष्टि से देखा जाता है। आज के समय में शायद ही कोई माता-पिता होंगे जो अपने बच्चे को राजनेता बनते देखना चाहते होंगे। राजनीति को लेकर आम जनता के मन में जो गलत धारणाएँ हैं। इसी के कारण आज के युवा राजनीति से दूर भागते हैं, क्योंकि वे किसी प्रपंच या झंझट में नहीं पड़ना चाहते। लेकिन राजनीति का क्षेत्र इतना ही गलत है, तो इसे सही कौन करेगा? क्या युवा, जो इस देश का भविष्य हैं, उन्हें इसमें सुधार करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए !!

मेरा मानना है कि अगर किसी जगह आपको कहीं कुछ गलत होता दिखाई दे, तो बजाय दूर खड़े होकर उसकी निंदा करने के, उसका समाधान करने के लिए उसकी जड़ तक जाना चाहिए। हमारे युवाओं को भी राजनीति के नकारात्मक दृष्टिकोण को बदलने के लिए कुछ ऐसा ही करना चाहिए। उन्हें राजनीति में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। युवाओं की राजनीति में भागीदारी, समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का सबसे सशक्त माध्यम बन सकती है। जब युवा राजनीति में कदम रखेंगे, तो वे अपने नए विचार, नई सोच, लीक से हटकर काम करने के तरीके, ऊर्जा, और उत्साह के साथ समाज की समस्याओं का समाधान नए दृष्टिकोण से खोजे सकेंगे। यही कारण है कि राजनीति में युवाओं की भागीदारी न केवल आवश्यक है, बल्कि अनिवार्य भी है। राजनीति केवल सत्ता का खेल नहीं है, बल्कि यह समाज की भलाई के लिए कार्य करने का सबसे प्रभावी साधन है। अगर हम चाहते हैं कि हमारा देश प्रगति करे, तो हमें राजनीति में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना होगा।

राजनीति में आकर युवा समाज की भलाई के लिए काम कर सकते हैं। चाहे वह किसी भी पेशे में हों–इंजीनियर, डॉक्टर, शिक्षक, या उद्यमी–राजनीति में आकर वे समाज में बदलाव ला सकते हैं। राजनीति में कदम रखने का मतलब यह नहीं कि उन्हें अपना पेशा छोड़ना पड़ेगा। बल्कि, वे अपनी विशेषज्ञता और अनुभव का उपयोग बड़े बदलाव लाने के लिए कर सकते हैं। मेरे विचार से युवाओं के राजनीति में आने से पारदर्शिता बढ़ेगी क्योंकि आज का युवा भ्रष्टाचार और धांधली से दूर भागता है। वे लोग जब राजनीति में आएँगे, तो समानता और न्याय का प्रसार होगा। आज का युवा टेक्नोलॉजी से अच्छी तरह परिचित है, इनके राजनीति में आने से टेक्नोलॉजी का सही उपयोग होगा, और देश को ग्लोबल लेवल पर पहचान मिल सकेगी।

आप सोच रहे होंगे कि मैं राजनीति में युवाओं को आगे आने के लिए इतना जोर क्यों दे रहा हूं, तो मैं आपको दुनिया भर के ऐसे कई उदाहरण दे सकता हूँ, जहां युवाओं ने राजनीति में प्रवेश किया और अपने देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उदाहरण के लिए, फिनलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री सना मारिन, जिन्होंने 34 साल की उम्र में प्रधानमंत्री का पद संभाला, और यह साबित किया कि युवा नेता भी बड़े निर्णय ले सकते हैं और उन्हें सफलतापूर्वक लागू कर सकते हैं। सना ने सामाजिक कल्याण, पर्यावरण सुरक्षा, और शिक्षा के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधार किए, जो फिनलैंड के विकास में महत्वपूर्ण साबित हुए। इसी प्रकार, जैसिंडा अर्डर्न, न्यूजीलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री, जिन्होंने मात्र 37 साल की उम्र में सत्ता संभाली और देश की राजनीति में नई सोच और संवेदनशीलता का परिचय दिया। जैसिंडा ने अपनी नीतियों से दिखाया कि कैसे युवा समाज के हर वर्ग को ध्यान में रखकर निर्णय ले सकते हैं।

इन नेताओं की सफलता की कहानियाँ हमें यह बताती हैं कि जब युवा राजनीति में कदम रखते हैं, तो वे अपनी नई विचारधारा से बड़े बदलाव ला सकते हैं। बात करें भारत की, जहां सबसे बड़ा जनसंख्या वर्ग युवा है, वहां राजनीति में युवाओं की भागीदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। देश के विकास के लिए हमें ऐसे नेताओं की आवश्यकता है जो न केवल वर्तमान समस्याओं को समझें, बल्कि उनके समाधान के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी का उपयोग भी कर सकें। साथ ही भविष्य में आने वाले बदलावों के लिए भी सजग रहें। अभी भी भारत में कई युवा नेता अपनी पहचान बना रहे हैं। अनुप्रिया पटेल, चंद्रशेखर रावण, तेजस्वी सूर्या और चिराग पासवान जैसे युवा नेताओं ने देश की राजनीति में नया आयाम जोड़ा है। ये साबित करते हैं कि युवाओं के पास भी समाज के ज्वलंत मुद्दों को समझने और उनका समाधान करने की क्षमता है। इन युवा नेताओं ने रोजगार, शिक्षा, और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर न केवल अपनी आवाज बुलंद की है, बल्कि इन समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम भी उठाए हैं। इसलिए, यही वह समय है जब युवाओं को राजनीति को करियर के रूप में चुनने पर विचार करना चाहिए। यही समय है जब हमें अपनी नकारात्मक सोच को बदलकर राजनीति को समाज में बदलाव लाने का साधन बनाने पर विचार करना चाहिए। राजनीति में युवाओं का आना न केवल देश के विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि यह समाज के हर वर्ग की भलाई के लिए भी महत्वपूर्ण है। राजनीति में आकर वे न केवल अपने भविष्य को बेहतर बनाएंगे, बल्कि पूरे समाज के लिए एक उज्जवल भविष्य की नींव रख सकेंगे।

वैश्विकी: चुनाव के बीच अमेरिका में मोदी

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिकी चुनाव में अब करीब दो महीने बाकी हैं। चुनाव प्रचार अपने चरम पर है। चुनाव व्यूह रचना अंतिम रूप ले चुकी हैं। चुनाव के पहले सबसे बड़ा घटनाक्रम पूर्व राष्ट्रपति ड्रोनाल्ड ट्रंप की हत्या का प्रयास था। इस घटना ने अमेरिकी जनमानस को झकझोर दिया। हमले के समय ट्रंप ने जैसी दिलेरी दिखाई उससे आप अमेरिकी नागरिक बहुत प्रभावित हुआ। लोगों में यह धारणा बनी कि आज की अस्थिर और संघर्ष से जूझ रही दुनिया में ट्रंप जैसे दृढ़ संकल्प वाले नेता की जरूरत है। लोग जब ट्रंप और आयुजनित शस रोग का शिकार जो बाइडन की तुलना करते थे तब पूर्व राष्ट्रपति ही उपयुक्त विकल्प के रूप में सामने आते थे। इसी समय दूसरा बड़ा घटनाक्रम यह हुआ कि बाइडन चुनाव मैदान से हटे गए और उन्होंने उप राष्ट्रपति कमला हैरिस को कमान सौंप दी। कुछ समीक्षकों का तो यह भी मानना था कि वह बाइडन से भी अधिक अलोकप्रिय हैं, लेकिन अमेरिका की राजनीति में मीड़िया और विभिन्न दबाव समूहों की बड़ी भूमिका रहती है। यही नेताओं की छवि बनाने और बिगाड़ने का काम करते हैं। उम्मीदवारी की घोषणा होते ही मुख्यधारा की अमेरिकी मीड़िया कमला हैरिस का प्राशस्ति-गान करने लगी। विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में वह छा गइ्र। एक महिला और गैर-श्वेत व्यक्ति के राष्ट्रपति बनने की संभावना को अमेरिकी लोकतंत्र और समाज की बड़ी जीत के रूप में प्रचारित किया जाएगा।

चुनाव के अंतिम चरणों में एक बार फिर बदलाव आया तथा डेमोक्रेटिक पार्टी की दो बड़ी हस्तियों ने ट्रंप को समर्थन देने की घोषणा की। जाने-माने कैनेड़ी परिवार के सदस्य रॉबर्ट एस. कैनेड़ी ने जो स्वयं चुनाव में एक उम्मीदवार थे, ट्रंप के समर्थन में आ गए। जनमत-सर्वेक्षणों के अनुसार वह पांच फीसद मतदाताओं की पसंद थे। उनके पाला बदलने से ट्रंप के चुनाव अभियान को मदद मिली है तथा वह कड़ी टक्कर वाले 'स्विंग स्टेट' में निर्णायक सिद्ध हो सकते हैं। इसी तरह डेमोक्रेटिक पार्टी की एक पूर्व नेता तुलसी गबार्ड.ने भी ट्रंप को समर्थन देने की घोषणा की है। तुलसी अमेरिकी सेना की नेशनल गार्ड. शाखा में लेफ्टिनेंट कर्नल हैं। किसी समय उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी में उभरता हुआ सितारा माना जाता था। सैनिक होने के बावजूद वह युद्ध विरोधी हैं तथा हिलेरी क्लिंटन सहित डेमोक्रेटिक पार्टी के नेतृत्व पर युद्धोन्मादी होने का आरोप लगाती हैं। यह विडंबना है कि रिपब्लिकन पार्टी को पूर्व में साम्राज्यवादी रुझान वाली युद्ध समर्थक पार्टी माना जाता था। इसके विपरीत डेमोक्रेटिक पार्टी की छवि शांतिवादी और उदारवादी पार्टी की थी। लेकिन अब दोनों पार्टियों की भूमिका बदल गई है।

अमेरिका ने पर्यावरणवादी और युद्धविरोधी ग्रीन पार्टी का भी एक समर्थक वर्ग है। गाजा में इस्त्राइल के नरसंहार से मुस्लिम मतदाता नाराज हैं। वे इस बात का आकलन कर रहे हैं कि ट्रंप और कमला हैरिस में से कौन फिलिस्तीन में युद्ध रुकवा सकता है।

चुनावी दंगल के बीच ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त राष्ट्र में संबोधन के लिए अमेरिका जाने वाले हैं। वह 22 सितम्बर को न्यूयार्क में भारतीय समुदाय के लोगों के एक बड़े. कार्यक्रम को संबोधित करने वाले हैं जिसमें करीब 20 हजार भारतीय के शामिल होने की संभावना है। जाहिर है कि प्रधानमंत्री किसी खास

प्रत्याशी के पक्ष में कोई राय व्यक्त नहीं करेंगे लेकिन ट्रंप और कमला हैरिस दोनों को यह आशा होगी कि मोदी इशारों-इशारों में उनके पक्ष में पसंद जाहिर करें। वैसे घरेलू राजनीति में प्रधानमंत्री मोदी का एजेंड़ा ट्रंप जैसा है। मोदी 'सबसे पहले भारत' की बात करते हैं तो ट्रंप सबसे पहले अमेरिका की वकालत करते हैं। भारत में यदि एक बार फिर मोदी का नारा लगता है तो अमेरिका में एक बार फिर ड्रोनाल्ड ट्रंप की बात होती है। ट्रंप खुलकर इस्लामिक आतंकवाद के खतरे की बात करते हैं जबकि कमला हैरिस ऐसी शब्दावली का प्रयोग नहीं करतीं। डेमोक्रेटिक पार्टी मानवाधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता जैसे मुद्दों को तूल देकर मोदी सरकार को निशाना बनाती रही है। भारतीय मूल की कमला हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी के भारत विरोधी रवैये में किस हद तक बदलाव करती हैं, इससे तय होगा कि भारतीय मतदाता उन्हें कितना समर्थन देते हैं।

एक नजर

डीटीओ ने अवैध परिवहन के खिलाफ चलाया जांच अभियान

मेदिनीनगर (पलामू) : जिला परिवहन पदाधिकारी के द्वारा रविवार को अवैध परिवहन को लेकर वाहनों का सघन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान कुल 4 वाहनों को जब्त किया गया। जिसे टीओपी 2 थाना परिसर में जब्त कर रखा गया इस दौरान 3 वाहनो का ऑनलाइन चालान किया गया।इन वाहनो पर गिट्टी व डस्ट लोड थे। जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि यह अभियान व्यवसायिक वाहन के खिलाफ निरंतर जारी रहेगा। इस अभियान में जिला परिवहन पदाधिकारी के अलावा कार्यालय कर्मी मौजूद रहे।

गोंदली पोखर में उत्पात सिपाही भर्ती के विरोध में निकाला मशाल जुलूस

अनगड़ा : गोंदली पोखर में उत्पात सिपाही भर्ती के दौरान युवाओं की हो रही मौत एवम अनिमियता के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष विवेकानंद जायसवाल युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष संतोष कुमार महतो के नेतृत्व में मशाल जुलश निकाला और मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया। मौके पर पूर्व विधायक रामकुमार पहान पूर्व रांची जिला अध्यक्ष सुरेंद्र महतो रांची जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष नरेश साहू रणधीर महतो सत्यदेव मुंडा मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार महतो युवा नेता राजू प्रामाणिक रामनाथ महतो संजय नायक संतोष कुमार महतो आदि शामिल थे।

एनटीपीसी कार्यपालक अभियंता संघ की हुई बैठक

बड़कागांव : एनटीपीसी पकरी बरवाडीह चट्टी बरियातू केरेडारी और बादाम कोयला खनन परियोजना के कार्यपालक अभियंता संघ के एक आक्रोश बैठक किया। बैठक में एनटीपीसी के अध्यक्ष एवं निदेशक मानव संसाधन विभाग के खिलाफ और कार्यपालक अधिकारियों के अधिकार की मांग को लेकर की बैठक आहूत किया गया था। बैठक में सभी परियोजना के लोग उपस्थित होकर अपनी भागीदारी को निभाया साथ ही इस सभा की अध्यक्षता करते हुए कमला राम रजक ने कहा कि हमारे एनटीपीसी के अध्यक्ष महोदय की यह नीति हम अधिकारियों के प्रति सही नहीं है क्योंकि जो प्रोन्नति का समय सीमा होता है वह पार होता जा रहा है।

दूध में मिलावट करने वाले गिरोह के तीन अपराधी गिरफ्तार

लातेहार : जिले के चंदवा थाना क्षेत्र में झारखंड के एक प्रसिद्ध डेयरी के दूध में मिलावट करने वाले एक गैंग का पुलिस ने पदार्फाश कर दिया है । पुलिस ने इस दौरान दूध में मिलावट कर रहे तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों में अमृतसर पंजाब निवासी हरमनप्रीत सिंह, लातेहार थाना क्षेत्र के भुसुर गांव निवासी मिथिलेश यादव तथा चंदवा निवासी विशाल कुमार सिंह शामिल है। रविवार को प्रेस वार्ता करते हुए डीएसपी अरविंद कुमार ने बताया कि लातेहार पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि चंदवा थाना क्षेत्र में कुछ अपराधियों के द्वारा झारखंड के एक प्रसिद्ध डेयरी कंपनी के दूध में भारी मात्रा में मिलावट की जा रही है। सूचना मिली थी कि डेयरी कंपनी के लिए डाल्टनगंज से टैंकर में लगभग 23000 लीटर दूध भरकर रांची भेजा जाता है। परंतु चंदवा पहुंचने के बाद टैंकर को एक यार्ड में रोक दिया जाता है और उसमें मोटर पम्प के माध्यम से प्रतिदिन 2000 से 3000 लीटर दूध निकाल ली जाती है। इसके बाद टैंकर में दूध के बदले पानी और केमिकल मिला दिया जाता है।

पलामू में उत्पाद सिपाही की दौड़ में एक की मौत, लोगों में आक्रोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

छतरपुर (पलामू) : युवा बेटे के जनाजे को कंधा देने का दुःख क्या होता है ये वही बता सकता है जिसमें अपना जवान बेटा खोया हो और कुछ इसी तरह के लोमहर्षक पीड़ा से गुजरने को इन दिनों विवश हैं उत्पाद सिपाही की बहाली के दौरान दिवंगत हुए युवाओं के परिजन। छतरपुर थाना के कउवल गांव निवासी गिरिजा राम और उनकी पत्नी की की सूनी आंखें आज भी अपने बेटे अरुण को ढूंढ रही है जिसे कुछ दिन पूर्व ही चियांकी हवाई अड्डे पर काल की क्रूर नियति ने उनसे छीन लिया। अरुण अरुण कह कर अरुण की मां की चीत्कार से लोगों का कलेजा दहल रहा है, यूपीएससी की तैयारी कर रहे अरुण को क्या पता था कि एक सिपाही बनने के लिए उनकी जान चली जायेगी। निधन की सूचना मिलने के बाद इलाके के सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद गुप्ता चुनमून मृतक अरुण के घर पंहुचे और परिजनों को ढांढस बंधाया। अरुण के पिता गिरिजा राम सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी हैं, जिनकी आंखें, बेटे के जाने के गम में निर्झर बह रही है। वहीं मां की मर्मान्तक चीखें भी गांववालों का सीना चाक कर रही है। समूचे कउवल गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है । मृतक के पिता गिरिजा राम का कहना है कि अरुण के इलाज में लापरवाही बरती गई है। इस घटना के लिए दोषी लोगों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद गुप्ता चुनमून ने बहाली के दौरान चार युवाओं की मौत की जांच एसआईटी गठन कर के सरकार से की है। उन्होंने कहा कि अगर समय से युवाओं को सही चिकित्सा मिल जाती तो युवाओं की जान बचाई जा सकती थी। उन्होंने झारखण्ड सरकार से मृतक अरुण सहित सभी मृतक युवाओं के परीजनों को एक-एक करोड़ की अनुग्रह राशि और नौकरी देने की मांग की है। यह भी कहा कि जब सेना और पुलिस की भली में डेढ़ किमी की दूढ हटी ही तो उत्पाद सिपाही की बहाली में दस किमी की दौड़ कराना अनुचित था। अरुण को श्रद्धांजलि देने वालों में राजेश प्रसाद गुप्ता, अमरेश कुमार शर्मा, धीरज मिश्रा, उमेश कुमार, अमित चौधरी, पंकज कुमार, जितेंद्र यादव, आसिफ इकबाल, सुनील कुमार, छोटू गुप्ता, राहुल राज, विकास कुमार सिंह, एके बलवंत, अधिराज रंजन असलम अंसारी, मनोज कुमार गुप्ता, बीरेंद्र आचार्य, प्रमोद कुमार मुकेश कुमार, उत्पल कांत, ज्ञानी विश्वकर्मा, सहित सैकड़ों लोगों के नाम शामिल है।

पुलिस पब्लिक मीट में नशीले पदार्थों के सेवन और बिक्री पर अंकुश लगाने पर हुआ विचार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : थाना परिसर अनगड़ा में थाना प्रभारी हीरालाल शाह की अध्यक्षता में रविवार को पुलिस पब्लिक मीट का आयोजन किया गया । बैठक में उपस्थित गणमान्य लोगों का एक दूसरे से परिचय हुआ। बैठक में उपस्थित गण मान्य सदस्यों ने अपने अपने क्षेत्र की समस्याओं से पुलिस प्रशासन को अवगत कराया गया साथ ही सदस्यों ने क्षेत्र में बढ़ रहे गांजा अफीम ब्राउन शुगर के कारोबार और युवकों के द्वारा इसके बड़े पैमाने किए जा रहे सेवन पर चिन्ता व्यक्त की तथा इस पर अंकुश लगाने पर बिचार विर्मश किया गया। कहा कि समय रहते इस पर अंकुश नहीं लगाया गया तो युवा पीढ़ी तबाह और बर्वाद हो जाएगा। बैठक में चिलदाग तीन सीमानी के पास झूल रहे बिजली के तार को ठीक कराने के लिए बैठक में बार बार बात उठाए जाने के बावजूद अभी तक उसे ठीक नहीं किया जाना विभाग की लापरवाही को दशार्ता है इस पर विभाग के प्रति नाराजगी व्यक्त की गई । थाना प्रभारी हीरालाल शाह ने कहा कि सभी सदस्यों के सहयोग से हीं नशा के कारोबार और इसके सेवन करने वालों पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

प्रत्येक बूथ पर जाकर ओबीसी एकता अधिकार मंच की बातों को रखेंगे : ब्रह्मदेव प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बिश्रामपुर (पलामू) : ओबीसी एकता अधिकार मंच के द्वारा विश्रामपुर कार्यालय में प्रखंड कमिटी, पंचायत कमिटी एवं बूथ कमिटी को विस्तार करने हेतु एक बैठक किया गया। मंच को संबोधित करते हुए ओबीसी एकता अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा की प्रत्येक बूथ पर जाकर ओबीसी एकता अधिकार मंच के बातों को रखेंगे पूरे पलामू प्रमंडल के सभी सीटों पर ओबीसी एकता अधिकार मंच निर्णायक स्थिति में है और इसका बहुत जल्द ही घोषणा किया जाएगा। ओबीसी एकता अधिकार मंच क्या कार्य करेगी। इसी तरह से अपनी बातों को रखने के लिए विधानसभा पटल पर रखने के लिए ओबीसी परिवार के समर्पित उम्मीदवार को वहां भेजने का कार्य करेगी । ओबीसी एकता अधिकार मंच का जो लगातार करवा चल रहा है यह निश्चित रूप से देखने को मिल रहा है कि एक आवाज पर सैकड़ो लोग ओबीसी के समर्थन देने के लिए एकत्रित हो जाते है ओबीसी का समर्पित उम्मीदवार यहां से जीत कर विधानसभा में जाएगा और ओबीसी के बातों को विधानसभा पटल पर रखकर अपने हक अधिकार सरकार से लेकर ओबीसी समाज के दरवाजे तक पहुंचाने का कार्य करेगा। जिसमे बिश्रामपुर प्रखंड, नावा प्रखंड, पांडू प्रखंड और उंटारी प्रखंड के सभी कार्यकर्त्ता मौजूद रहे। जिसमे महेंद्र प्रसाद, गोरखनाथ चौधरी, राजनारायण पटेल, सतेंद्र प्रसाद, प्रमोद प्रसाद, प्रदीप प्रसाद, जम्बू जैन, ओमप्रकाश पाल, रामपरीखा मेहता, मो. सतार खलीफा, अखिलेश ठाकुर, हिमालय कुमार, अमर प्रसाद, रामनाथ साव, अलाउद्दीन अंसारी, हरदी लाल कुशवाहा, श्याम किशोर चौधरी, ईश्वर कुमार यादव, पप्पू महतो, अर्जुन कुमार सोनी अंकू कुमार पासवान, मनीष कुमार चंद्रवंशी, सनी कुमार, विवेक कुमार व सैकड़ो लोग मौजूद थे ।

ग्रामीण क्षेत्र आज भी विकास से कोसों दूर : रूचिर तिवारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर पलामू : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य रूचिर कुमार तिवारी ने ग्राम, लहलहे, पोलपोल, भोगू सरजा बड़की नेभी, आदि गांव में जनसंपर्क अभियान कर लोगों की जन समस्याओं से अवगत हुए जनसंपर्क अभियान के दरमियान पाया कि ग्रामीण क्षेत्र में आज भी स्थिति दयनीय बनी हुई है कहीं-कहीं सड़क तो बन गया है। लेकिन बरसात के महीना में मिट्टी का घर गिर रहा है धरातल पर गरीबों के मिलने वाला प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अबुआ आवास योजना नजर नहीं आ रहा है। भाजपा के विधायक एवं पूर्व मंत्री की संपत्ति बढ़ गई लेकिन गरीबों की स्थिति वही का वही बना हुआ है। वही देश के प्रधानमंत्री मोदी जी और भाजपा के सांसद विधायक ने पलामू क्षेत्र को शौचालय मुक्त घोषित कर दिया फिर भी आज भी गरीब दलित आदिवासियों के घर में शौचालय नहीं बना है वह खुले में शौच जाने को विवस है यही हाल बड़की ने भी, एवं सरजा पोलपोल का है। जनसंपर्क अभियान के दौरान लोगों में भाजपा के नेता और विधायक के प्रति काफी आक्रोश था। जनसंपर्क अभियान में अखिल भारतीय किसान सभा के जिला अध्यक्ष उमेश सिंह चेरों, करीमन पासवान, रितेश आर्यन आदि लोग थे।

अनगड़ा डाक बंगला में भारतीय मुंडा समाज की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : अनगड़ा डाक बंगला में रविवार को भारतीय मुंडा समाज की बैठक राजेश पहान की अध्यचता में हुई। बैठक में मुख्य रूप से युवा प्रदेश कोषाध्यक्ष रोशन लाल मुंडा एवं युवा प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यदेव मुंडा जी उपस्थित हुए बैठक में सर्व समिति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि 22 सितंबर 2024 दिन रविवार को करम मिलन समारोह प्रखंड मुख्यालय मैदान में बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसमें अनगड़ा प्रखंड के सभी मुंडा समाज के लोग शामिल होंगे। साथ ही भारत मुंडा समाज अनगड़ा का सदस्यता अभियान प्रखंड के सभी पंचायतों और गांवों में चलाया जाएगा। मौके पर सत्यदेव मुंडा जी को डीडीसीएमसी के सदस्य बनाए जाने पर भारत मुंडा समाज की ओर से बधाई एवं आदिवासी अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। मौके पर गुड़ीडीह पंचायत के ग्राम प्रधान भीम सिंह मुंडा गया के ग्राम प्रधान शिवलाल पाहन कृष्णा मुंडा, सोहन मुंडा, रतिलाल मुंडा, विपिन मुंडा, जल्लू मुंडा, सीताराम मुंडा, बिरसा मुंडा, मकर मुंडा, संजय पहन, अनिल कुमार मुंडा, सेवाराम पाहन, विषम साही मुंडा, आदि उपस्थित हुए।

चतरा से लावालॉन्ग पांकी होते मुंडीसेमर तक डेढ़ सौ किलोमीटर बनेगा फोरलेन : सांसद कालीचरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पांकी (पलामू) : पांकी के हरिवंश नारायण बालिका उच्च विद्यालय के प्रांगण में नागरिक अभिनंदन सह संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चतरा सांसद कालीचरण सिंह थे कार्यक्रम में विभिन्न लोगों के साथ साथ कई संगठन के लोग संवाद करते हुए अपने अपने समस्याओं को चतरा सांसद कालीचरण के समक्ष आवेदन पत्र सौंपा। कार्यक्रम में प्रोजेक्ट हरिवंश नारायण बालिका उच्च विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रणीत ठाकुर ने आवेदन के माध्यम से बताया कि प्रखंड का एकमात्र बालिका उच्च विद्यालय जो की सुविधा के नाम पर शून्य है जहां प्रखंड के बड़े बच्चियों की शिक्षा दी जाती है वहां सरकार द्वारा कोई भी विकास कार्य नहीं किया जाता है जिससे शिक्षण कार्य के साथ-साथ अन्य कार्य भी अवरुध हैं उन्होंने अपने आवेदन के माध्यम से सांसद कालीचरण सिंह को अपनी समस्याओं से अवगत कराया तथा उन्हें जल्द से जल्द दूर करने की गुहार भी लगाई। वही सत्य प्रकाश पांडे उर्फ.चुनमुन पांडे द्वारा अंचल कार्यालय व प्रखंड कार्यालय में बढ़ रहे भ्रष्टाचार की बात सांसद के पास रखी वहीं भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष किसलय तिवारी द्वारा पांकी से लोहरसी होते हुए लावालोंग पांकी रोड बनाने की मांग की, साथ ही पांकी बराज जो की 2001 में झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के द्वारा पांकी बराज का शिलान्यास किया गया था जो की बनकर तैयार है लेकिन नहर का काम पूरा नहीं होने के कारण उसकी फाटक नहीं गिर पाई है साथ ही अन्य करण के वजह से बराज चालू नहीं हो पाया है जिसे यहां के किसान अपनी खेती अच्छे से नहीं कर पा रहे हैं जिसके कारण लोग बाहर पलायन करने को मजबूर हैं जिसे चालू करने व पलायन संबंधित अन्य समस्याओं को दूर करने की बात पूर्व प्रदेश अध्यक्ष किसलए तिवारी द्वारा किया गया। वहीं उन्होंने पांकी प्रखंड क्षेत्र में कोल्ड स्टोर बनाने की भी मांग सांसद से किया जिससे किसान अपने फसल का दाम सही पा सके। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद कालीचरण सिंह ने कहा कि वह सांसद बनने के तीसरे दिन ही सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर लावालॉन्ग पांकी रोड बनवाने की बात रखी थी जिस पर कार्य चालू है जल्द ही चतरा से लावलॉन्ग, लोहारसी, गिरी, पांकी होते हुए मुंडीसेमर तक डेढ़ सौ किलोमीटर फोर लेन बनाने की बात कही।

संक्षिप्त खबरें

अबुआ आवास योजना को लेकर डीसी गंभीर, बीडीओ को दिये निर्देश

मेदिनीनगर (पलामू) : जिले में अबुआ आवास योजना अंतर्गत योग्य लाभुकों को आवास प्रदान करने को लेकर उपायुक्त शशि रंजन गंभीर हैं इसी को लेकर उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देशित किया गया है कि बुआ आवास योजना 2024-25 के योग्य लाभुकों की सूची को प्रखण्ड कार्यालय एवं सभी 265 पंचायत कार्यालयों पर 24 घंटे के अंदर प्रकाशित करना सुनिश्चित करेंगे।उन्होंने कहा है कि योजना में गंभीर शिकायत मिलने पर जवाबदेह बीडीओ,पंचायत सचिव एवं मुखिया पर कड़ी अनुशासनिक एवं कानूनी कार्रवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि उक्त योजना अंतर्गत पंचायत स्वयं सेवक से किसी तरह का कोई कार्य नहीं कराया जाना है ऐसे में कहीं से स्वयंसेवकों द्वारा गड़बड़ी किए जाने की शिकायत मिलने के पश्चात उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। अयोग्य लाभुकों की योजना स्वीकृति कभी भी रद्द की जाएगी। जिन लाभुकों के द्वारा आवास स्वीकृति में किसी भी व्यक्ति को रिश्वत दिए जाने का मामला प्रकाश में आने की स्थिति में उन लाभुकों का आवास रद्द करते हुए उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

अखिल भारतीय मध्यदेशीय वैश्य सभा का हुआ आयोजन

मेदिनीनगर (पलामू) : रविवार को अखिल भारतीय मध्यदेशीय वैश्य सभा (हलवाई समाज) जिला पलामू की प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी सम्मान समारोह का आयोजन होटल रिलैक्स इन आढ़त रोड में किया गया जिसमें की नौ निर्वाचित प्रखंड के अध्यक्ष महामंत्री और कोषाध्यक्ष को सम्मानित किया गया। इसकी अध्यक्षता श्री शिव प्रकाश गुप्ता द्वारा की गई। जिसमें की जिला पलामू के अध्यक्ष प्रभात कुमार गुप्ता पिंटू महामंत्री मनोहर कुमार लाली कोषाध्यक्ष शशिकांत गुप्ता सह कोषाध्यक्ष सूर्य नारायण सूरज प्रवक्ता महेंद्र प्रसाद अखिल भारतीय मधेशिया वैश्य सभा के प्रदेश महामंत्री नंदकिशोर प्रसाद जी प्रदेश उपाध्यक्ष भीम प्रसाद प्रदेश युवा अध्यक्ष अनूप कुमार प्रदेश प्रवक्ता विनय कुमार बिनु प्रदेश विशिष्ट सदस्य उमेश कुमार गुप्ता युवा जिला अध्यक्ष अमर कुमार गुप्ता युवा महामंत्री अमर कुमार कोषाध्यक्ष विकास कुमार गुप्ता एवं पूजा कमेटी के अध्यक्ष विशाल कुमार महामंत्री मनोज कुमार तुकबेरा कोषाध्यक्ष अजय कुमार गुप्ता एवं अशोक कुमार रंजन कुमार गुप्ता, अमलेश कुमार गुप्ता, ब्रजेश कुमार गुप्ता, अमित कुमार गुप्ता, अवध बिहारी, राजेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार गुप्ता सुनील कुमार, मोहन प्रसाद, अमित कुमार गुप्ता, अशोक कुमार सम्मिलित हुए। सम्मानित पदाधिकारियों का नाम श्याम सुंदर प्रसाद, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, मनोज प्रसाद गुप्ता, कन्हाई प्रसाद गुप्ता, रवि गुप्ता, निखिल प्रसाद गुप्ता, धर्मेंद्र प्रसाद, विकास कुमार, राजू कुमार गुप्ता, मिथिलेश कुमार गुप्ता रामचंद्र साव, संतोष प्रसाद गुप्ता संजय प्रसाद गुप्ता, राकेश कुमार, पंचम कुमार गुप्ता, भारत प्रसाद, अमन कुमार गुप्ता, विकास कुमार, अमित रंजन कुमार गुप्ता, उमेश प्रसाद गुप्ता है।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के झारखंड बंद का जन संग्राम मोर्चा का मिला समर्थन

मेदिनीनगर (पलामू) : हेमन्त सोरेन सरकार के द्वारा झारखण्ड आन्दोलनकारियो को लगातार झुठा संतावना देकर गुमराह किया गया है हलांकि झारखण्ड आन्दोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने अपने मांग के समर्थन में लगातार आन्दोलन करते रहते हैं। मगर सरकार के मुख्य मंत्री व मंत्री गण यहां तक की बिधान सभा अध्यक्ष ने भी आन्दोलनकारियो के मांग पर झुठा हमदर्दी दिखाया। इनकी जायज मांग, झारखण्ड आन्दोलनकारीयो को जेल जाने की बाध्यता को समाप्त कर सभी आन्दोलनकारी को मान सम्मान व समान पेन्शन व स्वतंत्रता सेनानियों जैसा सभी सुविधाएं मुहैया कराया जाए। समता जजमेंट लागू कर प्राकृतिक सम्पदा पर जनता को 26 प्रतिशत अधिकार दो व जल जंगल जमीन पर झारखण्डी जनता का अधिकार कायम करो। जमीन के बन्दोबस्त आनलाइन के साथ आफलाइन भी किया जाए। खासकर पलामू प्रमंडल मे हाथी के द्वारा जंगली व ग्रामीण क्षेत्रों में फसल की बबार्दी, घर क्षति करना व की जगह पर ग्रामीण जनता को नुकसान पहुंचा रहा है। अबिलंम्ब रोक थाम का ब्यवस्था कर उचित मुआवजा सरकार दे। जन संग्राम मोर्चा के पलामू जिला अध्यक्ष वृज नन्दन मेहता गढवा जिला अध्यक्ष अशोक पाल व लातेहार जिला अध्यक्ष सोहराई सिह 10 सितंबर को मशाल जुलूस व 11 सितंबर को झारखंड बंद का पुर्ण समर्थन करते हैं साथ ही क्रांतिकारी किसान मजदूर युनियन के राजन व पलामू प्रमंडल संयोजक बिजय चौरसिया बंद का समर्थन करते हैं।

राज्य की जनता बदलाव चाह रही है और आगामी विस चुनाव में इनका जाना तय : ज्योति पांडेय

मेदिनीनगर पलामू : भारतीय जनता पार्टी पलामू जिला महामंत्री ज्योति पांडे ने डालटनगंज भंडारिया विधानसभा के अंतर्गत बूढ़वीर रब्दा , खुराकला पंचायत के कई गांवों का दौरा किया इस अवसर पर उन्होंने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि 2019 में राज्य की जनता को बरगलाकर हेमंत सोरेन सरकार ने सत्ता मे आई और अपने ही हाथों अपना वादों का गला घोटने का काम किया है जनता इनको मंसूबों को पहचान चुकी है और इनका झूठा चेहरा सामने आ चुका है। आज राज्य के युवा बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं महिलाओं के साथ लगातार अत्याचार और एवं दुराचार की घटनाएं घट रही है किसान बीज पानी के लिए त्राहिमाम कर रहे हैं हमें अपने हक की लड़ाई संगठित होकर और भी तेज करनी होगी इस भ्रष्ट राज्य सरकार को यह बताना होगा की युवा बदलाव के वाहक होते हैं कुल मिलाकर यह सरकार हर क्षेत्र में विफल साबित हुई है। राज्य की जनता बदलाव चाह रही है और आगामी विधानसभा चुनाव में इनका जाना तय है जनसंपर्क अभियान में अभय वर्मा अरुण कुमार सुरेंद्र चौधरी गोविंद यादव सुरेंद्र प्रसाद गुप्ता राम लखन मांझी ओम प्रकाश चौधरी जोतिन कुमार चंद्रवंशी सुधीर बबलू चंद्रवंशी राहुल तिवारी तेजस्वी राजीव मनोज राम धीरेंद्र कुमार पंकज कुमार आकाश कुमार निर्मल कुमार आदि कई लोग मौजूद थे।

एक नजर

नवनियुक्त एसपी ने किया तालझारी थाना का निरीक्षण

साहिबगंज : एसपी अमित कुमार सिंह ने योगदान के बाद शनिवार की शाम को तालझारी थाना का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कांड संबंधित थाना प्रभारी को अपराध नियंत्रण के लिए चौकस रहने की हिदायत दी। मौके पर थाना में प्रत्येक महीने दर्ज होनेवाली कांडो एवं उसके निष्पादन प्रतिशत के बारे में जानकारी ली। रात्रि गश्ती पर विशेष ध्यान देने, फरार वारंटी व अपराधियों की धड़पकड़ के लिए अभियान चलाने के लिए निर्देश एवं जवानों के लिए हर सुविधा व्यवस्था के लिए जवानों से जानकारी ली एवं थाना में ग्रामीण के द्वारा शिकायत दर्ज कराने आए ग्रामीण के साथ अच्छा व्यवहार करें यह निर्देश थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज को दी गई।

पौधरोपण कर पौधों को बचाने का लिया संकल्प

जमशेदपुर : सुंदरनगर थाना अंतर्गत व्यांगबिल के निवर्तमान मुखिया निरद सिंह के नेतृत्व में रविवार को विभिन्न समुदायों के लोगों ने एक साथ मिलकर पौधरोपण किया। इस दौरान सभी ने लगाए गए पौधों को बचाने का संकल्प लिया। साथ ही आगे भी इस तरह का अभियान चलाने की घोषणा की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाज सेवी सिद्धार्थ लोध उर्फ फालूदा विवेक कुमार त्रिवेदी, सुभाष दा, विजय सिंह, प्रधान मुंडा, ग्राम पुजारी मानसिंह तीर पान हो, दिलीप सिंह, गोविंद भूमिज, वार्ड सदस्य अजय महतो, कंवर कर्मकार, प्रकाश सिंह, तारिणी गोप, नीरा दा और अनेक लोग उपस्थित थे। राहगीरों ने इस तरह के कार्यक्रम की सराहना की।

खेल प्रतियोगिताएं युवाओं को बनाती हैं मजबूत : विधायक

जमशेदपुर : डुमरिया प्रखंड के मंदा फुटबॉल मैदान में दो दिवसीय जूनियर फुटबॉल प्रतियोगिता, स्पोर्ट्स और डांस कंपिटीशन का आयोजन किया गया। रविवार को फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच खेला गया। विधायक संजीव सरदार ने मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। विधायक ने कहा कि खेल प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं का मनोबल बढ़ता है और एकता के साथ सामूहिक रूप से आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। मौके पर आयोजन कमिटी के जगन्नाथ मांझी, गौरांग टुडू, निर्मल मुर्मू, सुधीर कर्मकार, सिमाल टुडू, ग्राम प्रधान जयपाल सिंह मुर्मू, बीस सूत्री अध्यक्ष भागात बास्के, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मिर्जा सोरेन, रामदास हेंब्रम, काजमान सिंह सरदार आदि उपस्थित थे।

पर्यावरण मित्र और एनएसएस ने लगाए 65 पौधे

जमशेदपुर : पर्यावरण मित्र घाटशिला और घाटशिला कॉलेज के एनएसएस इकाई के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को घाटशिला कॉलेज परिसर और कदमडीह नहर के किनारे 65 फलदार और छायादार पौधे लगाए गए। इसमें करंज, शरीफा, छातीम, कदम और पपीता के पौधे शामिल थे। पौधरोपण अभियान का नेतृत्व डा. संदीप चंद्रा और डा. दिलचंद राम ने किया। अहले सुबह कॉलेज परिसर में पौधरोपण कर कदमडीह में पौधरोपण किया गया। विदित हो कि प्रो. इंदल पासवान के संयोजन में पर्यावरण मित्र घाटशिला और घाटशिला कॉलेज की एनएसएस इकाई पर्यावरण संरक्षण को लेकर लगातार पौधरोपण करते हैं। प्रत्येक रविवार को अलग-अलग स्थानों पर पर्यावरण मित्र समूह के सदस्य पौधरोपण कर औरों को भी प्रेरित करने का प्रयास करते हैं। आसपास के गावों के युवाओं को भी जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। आज के पौधरोपण अभियान में मिहिर भकत, दीपक भकत, हितेश भकत, देवानंद भकत, आदि पर्यावरण मित्रों ने सक्रिय सहयोग किया।

मजदूरी कराने ले जा रहे छह नाबालिग बच्चों को आरपीए ने कराया मुक्त, बाल संरक्षण मंथन को सौंपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स को बरहरवा रेलवे स्टेशन पर बड़ी कामयाबी मिली है। फोर्स ने ट्रैफिकिंग कर मजदूरी कराने के लिए ले जाए जा रहे 6 नाबालिग बच्चों को मुक्त कराया है। मुक्त कराए गए सभी बच्चों साहिबगंज जिले के रहने वाले हैं। इन बच्चों की उम्र 15 से 17 साल के बीच है। बताया जा रहा है कि इन बच्चों को तस्कर द्वारा दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा था। पूछताछ के क्रम में पता चला है कि बच्चों को खेती में मजदूरी कराने के लिए ले जाया जा रहा था। सभी बच्चों को हर महीने पांच-पांच हजार रुपए दिए जाने की बात कही गई थी। आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी की कुछ लड़कों को बाहर काम के लिए भेजा जा रहा है। सूचना मिलते ही शनिवार की देर शाम आरपीएफ की टीम ने आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार के नेतृत्व में बरहरवा स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर छापेमारी की। इस दौरान इन बच्चों को देखा तो उन्हें शक हुआ। इसके बाद जब बच्चों से पूछताछ की गई तब मामले का खुलासा हुआ। मुक्त कराए गए दोनों बच्चों को बाल संरक्षण मंथन साहिबगंज को सौंप दिया गया है। पूछताछ के क्रम में इन्होनें अपना पहचान (1) बाबूलाल मालतो पिता, नारायण मालतो (2) बाबूलाल पहाड़िया,पिता भीमा पहाड़िया (3) लखन मालतो,पिता गसी मालतो,(4) भीम मालतो,पिता मंझला मालतो,(5) दिलीप मालतो,पिता सुनील मालतो (6) पंकज टुडू पिता युग टुडू बताया है। आगे बताया की वे समय पहाड़िया,पिता पागल मैसा पहाड़िया के मध्यम से काम करने के लिए दिल्ली भेजा जा रहा था।बता दें कि झारखंड-बिहार से बच्चों और लड़कियों की ट्रैफिकिंग करने वाले कई गिरोह सक्रिय हैं। इन्हें दिल्ली में चलने वाली प्लेसमेंट एजेंसियों को सौंप दिया जाता है। इसके बाद उन्हें दिल्ली,राजस्थान,उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों के शहरों में बेच दिया जाता है।

उत्पाद सिपाही बहाली दौड़ में शामिल विकाश की इलाज के दौरान हुई मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जैप 9 परिसर में पिछले दिनों 22 अगस्त से चल रही उत्पाद सिपाही बहाली प्रतियोगिता परीक्षा दौड़ देने के लिए आए रांची के रामपुर नामकुम के एक अभ्यर्थी विकाश लिंडा पिता विजला लिंडा की दौड़ के दौरान बेहोश होने के बाद ईलाज के क्रम में रविवार को सदर अस्पताल में मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार नामकुम थाना क्षेत्र के रामपुर निवासी बिकास लिंडा उम्र 22 वर्ष पिता स्वर्गीय बिजला लिंडा उत्पाद विभाग के सिपाही की शारीरिक परीक्षा देने के लिए 29 अगस्त की रात को साहिबगंज आया था जहां उसने 30 अगस्त की दौड़ में भाग लिया और गंभीर होने पर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। उधर सांस फूलने व धड़कन तेज होने के कारण उसे जैप 9 के ग्राउंड से उठाकर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां रविवार की सुबह डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर अभ्यर्थी विकाश लिंडा की मौत के बाद उसके शव का सदर अस्पताल के तीन चिकित्सक डॉ. रंजन कुमार, डॉ. मुकेश कुमार व डॉ. मोहन मुर्मू की मेडिकल बोर्ड टीम ने पोस्टमार्टम किया। जहां मृतक दो भाई व दो बहन था। इसको लेकर मुख्यालय डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा ने सदर अस्पताल में बताया कि युवक ने 31 अगस्त को दौड़ लगाई थी जहां कुल 6 चक्कर में 3 चक्कर लगाने के बाद युवक गिर गया था जिसके बाद मेडिकल टीम ने तत्काल प्राथमिक उपचार कर उसे रेफर कर दिया।

कुड़मी सेना ने करम महोत्सव में प्रधानमंत्री मोदी को किया आमंत्रित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : सामाजिक संगठन कुड़मी सेना ने आगामी 15 सितंबर को बिस्टुपुर गोपाल मैदान में ही आयोजित होनेवाले करम महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने का अनुरोध किया। इस संबंध में एक आग्रह पत्र संगठन की ओर से प्रधानमंत्री को भेजा गया। 15 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित शहर आगमन को देखते हुए संगठन ने यह आग्रह किया. इस संबंध में कुड़ामी सेना के चेयरमैन शैलेंद्र ने उपायुक्त एवं भारतीय जनता पार्टी के जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा को उनके कार्यालय में पत्र सौंपा। साथ ही प्रधानमंत्री कार्यालय को ई मेल से आग्रह पत्र भेजा। पत्र में उन्होंने आग्रह किया है कि करम महोत्सव कुड़मी समाज का सांस्कृतिक धरोहर है। उक्त आयोजन गोपाल मैदान में प्रस्तावित है, जिसमे कई सांस्कृतिक आयोजन होंगे। अगर प्रधानमंत्री इस आयोजन में शामिल होंगे, तो समाज का भी मान बढ़ेगा। उक्त पत्र की प्रतिलिपि सांसद बिद्युत बरण महतो सहित भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व झारखंड प्रभारी को भी भेज दी गई है। भाजपा महानगर कार्यालय में पत्र सौपने के दौरान शैलेन्द्र महतो के साथ संगठन के प्रदेश अध्यक्ष बिशाल महतो, संजय महतो, बिरेन महतो, गौरंगो महतो, विष्णु देव महतो, प्रबीर महतो, जगत्पति महतो, अनित महतो, बिजय महतो, पीडी महतो, प्रशांत महतो, अजय महतो, किशोर महतो, सुनील महतो आदि मौजूद थे।

ग्राम बड़ा चंदवासी के प्रधान टोला में ग्राम सभा का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बोरियो प्रखंड के ग्राम बड़ा चंदवासी के प्रधान टोला में आज एक महत्वपूर्ण ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस ग्राम सभा का नेतृत्व प्रोजेक्ट डायरेक्टर संजय कुमार द्वारा किया गया। सभा का मुख्य उद्देश्य पहाड़िया समुदाय के कल्याण के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाना था। संजय कुमार ने ग्रामवासियों को प्रधानमंत्री जनमन योजना और आदिम जनजाति समूह के बीच मशरूम उत्पादन के महत्व और लाभों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने स्वरोजगार के विभिन्न अवसरों पर भी ग्रामीणों के साथ परिचर्चा की, जिससे ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरणा मिल सके। ग्राम सभा में नीति आयोग से मनीष कुमार, उद्योग विभाग के प्रखंड समन्वयक गौरीशंकर, और तेलो कृषक उत्पादक संघ के सदस्य भी उपस्थित थे। इन सभी ने ग्रामीणों को स्वरोजगार और कृषि आधारित उद्योगों में अपनी भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। सभा के दौरान ग्रामीणों ने सक्रियता से भाग लिया और अपनी समस्याओं और विचारों को साझा किया। प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने उनकी समस्याओं को सुनते हुए उचित समाधान का आश्वासन दिया और सरकार की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। ग्राम सभा के इस आयोजन से ग्रामीणों में उत्साह और जागरूकता का माहौल बना, जिससे वे स्वरोजगार और सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकें।

आदिवासी मित्र मंडल के अधिवेशन की तैयारी को लेकर हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : आदिवासी मित्र मंडल का अधिवेशन 13 अक्टूबर को होगा। इसे लेकर समिति की ओर से तैयारी शुरू कर दी गई है। रविवार को चक्रधरपुर के पोटका स्थित आदिवासी मित्र मंडल प्रांगण में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति के पूर्व सचिव गणेश कुदादा ने की। इसमें तय किया गया की 13 अक्टूबर को अधिवेशन के दौरान नए कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। इसे लेकर रविवार से सदस्यता अभियान की शुरूआत भी की गई। इस दौरान अधिवेशन को सफल बनाने के लिए अंतरिम कमेटी का भी गठन किया गया। जहां अध्यक्ष सुखराज सुरीन, उपाध्यक्ष कुशल माझी, सचिव रविंद्र गिलुवा, कोषाध्यक्ष अर्जुन मुंडा को बनाया गया। इस दौरान सभी ने एकजुटता के साथ अधिवेशन को सफल बनाने का निर्णय लिया। इस मौके पर समिति के पूर्व अध्यक्ष संजय केरकेट्टा, विजय सिंह सामड, कालिया जामुदा, अमर जामुदा, जगन्नाथ बांकिरा, रवि बांकिरा, सुरेश हेंब्रम, योगेंद्र मुंडारी,वनमली मुर्मू, सत्यजीत हेंब्रम समेत अन्य मौजूद थे।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से प्रेरित होकर महिलाओं ने झामुमो का थामा दामन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : झारखंड मुक्ति मोर्चा के साकची स्थित संपर्क कार्यालय में रविवार को कई महिलाओं ने झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थामा। इस अवसर पर पार्टी के केंद्रीय महासचिव मोहन कर्मकार, शेख बदरुद्दीन, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष चंद्रावती महतो के अलावा पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने नए सदस्यों का पार्टी में स्वागत फूलों की माला पहनाकर किया। मोहन कर्मकार एवं चंद्रावती महतो ने कहा कि हेमंत सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का लाभ पूरे राज्य में लाखों महिलाओं को मिल रहा है। इसी से प्रेरित होकर पूरे राज्य में महिलाएं झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल हो रही है। जिसके तहत आज सपना सोना के नेतृत्व में सैकड़ों समर्थकों के साथ हमारी पार्टी के विचारधारा से जुड़ने का काम की है। इस अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल होने वाली सपना सोना ने कहा कि वर्तमान हेमंत सोरेन की सरकार में महिलाओं को सम्मान मिल रहा है जो हम लोगों के लिए फक्र की बात है। ऐसी सरकार और पार्टी की विचारधारा से प्रेरित होकर हम लोगों ने पार्टी का दामन थामा है।

संक्षिप्त खबरें

विधायक रामदास सोरेन के मंत्री बनने पर शंभू दास ने किया स्वागत

पटमदा : झारखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री बनने पर घाटशिला विधायक रामदास सोरेन को पटमदा से पहुंचे समर्थकों के साथ झामुमो नेता शंभु दास ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते हुए बधाई दी।शंभू दास ने बताया की राजनीतिक में मंत्री रामदास सोरेन मेरे पुराने आंदोलनकारी साथी हैं।उनके साथ झामुमो में जिला उपाध्यक्ष और प्रखंड अध्यक्ष रहकर काफी लंबे समय तक काम किया।राजनीतिक के शुरूवाती के समय से ही उनका मार्गदर्शन मुझे मिला।इस खुशी में उनको काफी बधाई।उनसे बातचीत के दौरान मार्गदर्शन देते हुए संगठन को मजबूत करने का आदेश मिला। इस दौरान स्वागत करने वालो में झामुमो नेता शंभू दास आनंद महतो,भक्त रंजन भूमिज,अभिलाष महतो, मथन महतो आदि मौजूद थे।

खुलेआम चल रहा जुए का अड्डा, पुलिस प्रशासन मौन

साहिबगंज : मंडरो प्रखंड के मिजाचौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत मंडरो हाट परिसर में खुलेआम जुयें का अड्डा चल रहा है। जुआ का अड्डा कानून व्यवस्था की पोल खोल रहे है। यहां रोज जुयें की महफिल जमती है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जुआ संचालकों द्वारा जुआरियों को हर तरह की व्यवस्था दी जाती है। जिसमें क्षेत्र के बाहर से भी जुआड़ी जुआ खेलने के लिए आते हैं। मंडरो हाट परिसर स्थित तालाब के समीप खुलेआम प्रतिदिन लाखों का दांव लग रहा है। इस खेल से युवा पीढ़ी तबाह हो रही है। जिनके भविष्य को लेकर अभिभावक भी चिंतित व परेशान हैं। जबकि अवैध रूप से खेले जा रहे खेल से पुलिस खुद को अनजान बता रही है। मिजाचौकी थाना से महज 14 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मंडरो हाट परिसर में अवैध कारोबार का यह खेल खेला जा रहा है। इसके बाद भी इस पर रोक या कार्रवाई की बात सामने नहीं आई है। इतना ही नहीं पुलिस इस तरह का कारोबार होने से इंकार कर रही है। साहिबगंज जिले के नव पदस्थापित एसपी अमित कुमार सिंह ने योगदान के बाद मीडिया के समक्ष कहां है कि किसी प्रकार का अवैध कारोबार जिले में फलने फूलने नहीं दिया जाएगा। अब देखना दिलचस्प होगा मिजाचौकी थाना क्षेत्र में फल फूल रहे खुलेआम अवैध कारोबार पर कब तक पूरी तरह लगाम लगा पाते हैं।

अज्ञात चोरों ने ऑटोमोबाइल व माही बिल्डिकॉम से लाखों की चोरी की घटना को दिया अंजाम

साहिबगंज : जिला के बरहरवा थाना क्षेत्र के दुलुमपुर मोड़ के समीप अज्ञात चोरों द्वारा माही ऑटोमोबाइल व माही बिल्डिकॉम से लाखों की चोरी की घटना का मामला प्रकाश मे आया है। चोरों ने चोरी की घटना को बखूबी अंजाम देकर लाखों की सम्पत्ति लेकर नौ दो ग्यारह हो गये। मामले को लेकर मकान मालिक दुलुमपुर निवासी दिलीप कुमार साहा पिता सागर मोहन साहा ने बरहरवा थाना में आवेदन देकर बताया है कि रोजाना की भांति रात्रि लगभग आठ बजे अपने तीनों दुकान बंद कर सभी स्टाफ के साथ घर चले गए। रविवार को सुबह जब उठा तो देखा कि मेरा दुकान का खिड़की का ग्रिल टूटा हुआ है सीसीटीवी कैमरा चेक करने पर पता चला कि रात्रि के ढाई बजे दुकान के पीछे का खिड़की का ग्रील तोड़कर तीन लोग अपने चेहरे को ढककर प्रवेश किया एवं लॉकर तोड़कर रखा हुआ नगद राशि लगभग 958000 रूपए एवं सोने के छ सिक्के व चांदी के छ सिक्के एवं मोटरसाइकिल की बैटरी लेकर पुनः उसी रास्ते से निकल फरार हो गया। वहीं जब रंग व टाइल्स दुकान का सीसीटीवी कैमरा जाँच किया तो देखा कि रात्रि 12 बजे पीछे का खिड़की का ग्रिल तोड़कर दो चोर चेहरा ढककर अंदर आये एवं कैश काउंटर से 105000 रूपए नगद एवं एक मॉनिटर लेकर उसी रास्ते से भाग गये। मकान मालिक ने 1063000 रुपये कि चोरी होने कि अशंका जताई है। दुकान मालिक ने बताया कि इसके पूर्व 23 अक्टूबर 2023 मे भी इस दुकान से चोरी की घटना घटित हुई थी। इधर घटना की जानकारी मिलते ही बरहड़वा इंस्पेक्टर सुधीर कुमार पोद्दार,थाना प्रभारी सुमीत कुमार सिंह और एएसआई जुमराती अंसारी दल बल के साथ पहुंचकर मामले के छानबीन में जुट गए। वहीं घटना स्थल पर डॉग स्क्वायड की टीम दुमका से रविवार को दोपहर 2 बजकर 45 मिनट पर घटनस्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गए।अनुसंधान के दौरान घटनास्थल से गमछा,एक रॉड व एक सलाय रेंज पुलिस ने बरमाद किया है।आशंका जताई जा रही है बरमाद किये गए सामग्रियों का इस्तेमाल घटना को अंजाम देने के लिए किया गया है।

बालिजुड़ी में रक्तदान शिविर में 40 यूनिट रक्त संग्रह

जमशेदपुर : आदिवासी बहुउद्देशीय उत्थान सहकारी समिति पोटका व नई जिंदगी परिवार जमशेदपुर के सौजन्य से पोटका प्रखंड के बालिजुड़ी स्थित सोहदा पंचायत भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में दो महिलाओं समेत कुल 40 युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। ट्राइबल ब्लड मैन के नाम से मशहूर जमशेदपुर के सारजमदा निवासी राजेश मार्डी ने अपने जीवन में कुल 75वीं बार रक्तदान किया। इस मौके पर ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदान के प्रति जबरदस्त उत्साह देखा गया। वीवीडीए के सहयोग से जमशेदपुर ब्लड सेंटर की टीम ने 40 यूनिट रक्त संग्रह किया। इस मौके पर दिवंगत भोजों सिंह बानरा के बड़े भाई आकाश बानरा ने सभी रक्तदाताओं को सम्मान पत्र व उपहार देकर सम्मानित किया। शिविर को सफल बनाने में मुख्य रूप से समिति की ओर से सीमा बास्के, रघुनाथ हांसदा, सरस्वती मुर्मू, संजय मुर्मू, राजेश मार्डी, मार्शल देवगम, ममता मार्डी, सोमाय माझी, जगत टुडू आदि का सराहनीय योगदान रहा।

धरने से पिछड़ों को साधना चाहते हैं तेजस्वी

ईबीसी और दलित पर भी फोकस, बीजेपी की हिंदुत्व एकता को तोड़ने की कोशिश

पटना। तेजस्वी यादव 1 सितंबर को धरने पर बैठ रहे हैं। वे धरना के जरिए देश में जातीय जनगणना और बिहार में आरक्षण के बढ़ाए गए दायरे को 9वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग करेंगे। ये मांग वे पहले से करते रहे हैं। धरने के जरिए वो बिहार सरकार को घेरने की कोशिश करेंगे। बिहार में एनडीए की सरकार है। तेजस्वी यादव इस कार्यक्रम के जरिए पिछड़े, अति पिछड़े, दलित वोट बैंक को भी टारगेट करना चाहते हैं। भाजपा की हिंदुत्व एकता को तोड़ने की कोशिश करेंगे। तेजस्वी को लगता है कि आरक्षण और जातीय जनगणना ऐसे मामले हैं, जिससे बीजेपी के वोट बैंक में सेंधमारी की जा सकती हैं। इसी टारगेट को लेकर बिहार के सभी 38 जिला मुख्यालय पर राजद धरना देगी। राजद के प्रदेश महासचिव और विधायक रण विजय साहु ने कहा कि 'केंद्र सरकार और भाजपा की सरकार सहमी हुई है। केंद्र सरकार नहीं चाहती है कि देश में जातीय जनगणना हो। उन्हें पता है कि पीएमओ में कौन लोग हैं।' उन्होंने कहा कि 1990 के बाद बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर के विचारों को लालू प्रसाद ने लागू किया। अब पूरे देश में निजीकरण किया जा रहा है। यह बीजेपी-आरएसएस की बड़ी साजिश है। महागठबंधन की अन्य पार्टियां इस धरना में साथ नहीं हैं। यह सिर्फ राजद का कार्यक्रम है। इसको लेकर महागठबंधन में सहयोगी पार्टी माले पोलित ब्यूरो के सदस्य धीरेन्द्र झा कहते हैं कि 'तेजस्वी

यादव जिन मुद्दों को उठा रहे हैं। वह देश और बिहार की राजनीति का अहम मुद्दा है। बिहार में सामाजिक और आर्थिक आधार पर 65 फीसदी आरक्षण दिया गया। लेकिन, नीतीश कुमार और भाजपा के षड्यंत्र के चलते वापस ले लिया गया।' धीरेन्द्र झा ने आगे कहा कि 'राजद की पहल सराहनीय है। हम लोगों ने यह मांग बिहार सरकार के सामने रखा है कि महागठबंधन सरकार में जो निर्णय हुआ था, उसे पूरा किया जाए।' 94 लाख गरीब परिवारों को दो-दो लाख देने का निर्णय लिया गया था। इसको लेकर बिहार सरकार सोई हुई है। सामाजिक न्याय को मजबूत करने के लिए ऐसे आंदोलन जरूरी है। हमारा नारा है सामाजिक न्याय का तीन आधार- शिक्षा, रोजगार और भूमि सुधार। तेजस्वी यादव और उनकी पार्टी को क्या 2025 के विधान सभा चुनाव में इससे फायदा मिलेगा? इस पर राजनीतिक विश्लेषक प्रवीण बागी ने कहा कि बीजेपी की हिंदू कार्ड सफल नहीं हो, इसलिए यह किया जा रहा है। जहां तक जातीय आरक्षण की बात है तो बिहार में यह मसला ही नहीं है। बिहार में नीतीश कुमार ने जातीय गणना करवाया। आरक्षण का कोटा भी बढ़ा दिया। नीतीश कुमार ने सभी का मुंह बंद कर दिया। वहीं, पीएम मोदी कह चुके है कि स्टेट स्वतंत्र है, अपने राज्य में जातीय गणना करा सकता है। दूसरी मांग है कि 9वीं अनुसूची में इसे रखा जाए, ताकि मामला कोर्ट रिव्यू से बच जाए। ये गलत जानकारी है। कोर्ट संविधान के हर मसले का रिव्यू कर सकता है। यह लाभ-हानि का सवाल नहीं है। वोट बैंक मजबूत करने और बढ़ाने का मुद्दा ही बड़ा है। इससे राजद का वोट बैंक जरूर बढ़ेगा। क्योंकि, बीजेपी की हिंदू एकीकरण अभियान है, जिसे चोट लगेगी। राजद पिछड़े, अति पिछड़े, दलितों और मुसलमानों को अपने साथ जोड़ना चाहती है। सामने विधानसभा का चुनाव और चार जिलों में विधानसभा का उप चुनाव है। तेजस्वी की नजर उस पर है। पिछली बार वे सरकार बनाने से चूक गए थे। उस समय उन्होंने वादा किया था कि उनकी सरकार बनेगी तो कैबिनेट की पहली बैठक में प्रथम हस्ताक्षर से 10 लाख को सरकारी नौकरी देंगे। उनका यह वादा हिट हो गया था। तेजस्वी यादव बिहार की यात्रा पर भी निकलने वाले हैं।

संक्षिप्त डायरी

हथियार सप्लायर गिरफ्तार

पटना। सिटी में मालसलामी पुलिस ने हथियार सप्लायर को गिरफ्तार किया है। 2 पिस्टल, 7 जिंदा कारतूस, 4 मैगजीन, 3 मोबाइल और एक बाइक बरामद हुआ है। थाना प्रभारी राजकुमार सिंह ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शनिवार देर रात वरीय अधिकारियों के निर्देश पर वाहन चेकिंग अभियान चल रहा था। इस दौरान बाइक सवार 2 युवक पुलिस को देखते ही भागने लगे। टीम ने दोनों को खदेड़कर पकड़ा। तलाशी के दौरान 1 पिस्तौल, 2 मैगजीन, 2 जिंदा कारतूस मिला। दोनों आरोपी नाबालिग है। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने सप्लायर अविनाश कुमार उर्फ मुरारी (30)को नाम बताया। जिसे पुलिस ने पटना सिटी से गिरफ्तार कर लिया। अविनाश के पास से देसी पिस्तौल, 2 मैगजीन और 5 कारतूस मिला है। इस धंधे में और कौन-कौन शामिल है। हथियार की सप्लाई कहां-कहां की जाती है। इस पर जांच की जा रही है।

अमृतलाल मीणा ने नए मुख्य सचिव का पदभार संभाला

पटना। बिहार में शीर्ष नौकरशाही का चेहरा बदल गया है। शनिवार को अमृत लाल मीणा ने नए मुख्य सचिव की जिम्मेदारी संभाली। देर शाम वो दिल्ली से पटना पहुंचे और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। इसके बाद सचिवालय पहुंचकर उन्होंने पदभार ग्रहण किया। इससे पहले शुक्रवार को राज्य सरकार ने डीजी विजिलेंस ब्यूरो आलोक राज को डीजीपी का प्रभार सौंपा था। दोनों अधिकारी 1989 बैच के हैं। इसके अलावा एडीजी कमजोर वर्ग आर. मल्लार विजी को बिहार पुलिस अकादमी राजगीर का निदेशक बनाया गया है। वहीं, बिहार पुलिस अकादमी राजगीर के निदेशक रहे भृगु श्रीनिवासन एनएसजी के डीजी बने हैं। केंद्रीय कोयला मंत्रालय के सचिव अमृत लाल मीणा को अपने मूल कैडर, बिहार लौटने की मंजूरी केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय ने शुक्रवार 30 अगस्त को दी थी। केंद्रीय कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने राज्य सरकार के अनुरोध पर यह निर्णय लिया है। वर्तमान मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा का आज कार्यकाल खत्म हो गया है। उन्होंने सेवा के अंतिम दिन अपना चार्ज विकास आयुक्त को सौंप कर सचिवालय से विदा हो गए। अमृतलाल मीणा पूर्व सीएम लालू प्रसाद के साथ नीतीश कुमार के भी खास हैं। पीएम मोदी के भी वो करीबी माने जाते हैं। 31 अगस्त 2025 को रिटायर होंगे।

हर 10 वर्ष पर आरक्षण की समीक्षा जरूरी : मांझी

पटना। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने फिर चिराग पासवान पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चिराग पासवान ही पूरे इंडिया की राजनीति नहीं कर रहे हैं। प्रत्येक 10 वर्षों पर आरक्षण की समीक्षा जरूरी है। हमारे पास 18 जातियों के 3500 से अधिक लोग मिलने आए थे। निकट भविष्य में ये लोग सड़क पर आ रहे हैं। कारण, एक ही आदमी मलाई खा रहा है। हर तरह का लाभ ले रहा है। जज, इंजीनियर, कलेक्टर, एसपी, इंजीनियर, इंजीनियर इन चीफ हो रहा है। 76 वर्ष बीत गए। आखिर कबतक चलेगा। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि 10 वर्षों में आरक्षण की समीक्षा होनी चाहिए। जिससे मालूम चले कि किस वर्ग को कितना लाभ पहुंचा है। इससे जो वर्ग पिछड़ा है, उसके विकास में मदद मिलेगी। हमारी पार्टी एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर के खिलाफ है। मांझी शनिवार को हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के सदस्यता अभियान की शुरूआत के मौके पर बोल रहे थे। मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कार्यकर्ताओं से पार्टी और नेता की आइडियोलॉजी को लोगों तक पहुंचाने की अपील की।

पुल की रेलिंग से टकराई तेज रफ्तार बाइक, दो की मौत

सुपौल। जदिया थाना क्षेत्र अंतर्गत कोरियापट्टी के समीप रविवार की सुबह एक तेज रफ्तार बाइक पुल के रेलिंग से टकरा गई। घटना में बाईक पर सवार एक लड़के की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में एक 18 वर्षीय युवक है, जबकि दूसरा 16 वर्षीय नाबालिग लड़का है। इधर, मौत की खबर सुनते ही मृतकों के परिवार में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। वही पुलिस शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई में जुटी है। दोनों मृतक की पहचान जदिया थाना क्षेत्र के मानगंज पूर्वी वार्ड 10 निवासी मंगल ऋषिदेव के 18 वर्षीय पुत्र विजय ऋषिदेव और विनोद ऋषिदेव के 16 वर्षीय पुत्र विकेश ऋषिदेव के रूप में हुई है। परिजनों द्वारा बताया जा रहा है कि घर से बाइक पर सवार होकर दोनों कोरियापट्टी बाजार के लिए निकले थे। इसी दौरान हादसे का शिकार हो गए। वही जदिवा थाना से त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे पुलिस अवर निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि एक ही बाईक पर दोनों लड़के सवार हो कर जा रहे थे।

पटना में डेंगू के मरीज 300 के पार: 33 मरीज मिले

पटना। समेत राज्य के विभिन्न जिलों में डेंगू के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। शनिवार को पटना में 33 नए मरीज मिले। यह इस सीजन में सबसे ज्यादा है। राज्य में डेंगू के 53 नए मामले सामने आए हैं। जनवरी से अब तक राज्य में कुल 728 लोग डेंगू से पीड़ित हो चुके हैं। 315 मामले केवल पटना के हैं। इनमें सबसे ज्यादा कंकड़बाग के 56 मरीज हैं। बाकीपुर के 40, नूतन राजधानी के 26, अजीमाबाद के 49, पटना सिटी के 12, पाटलिपुत्रा के 26 मामले हैं। स्टेट प्रोग्राम आफिसर डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि घरों में जमे पानी में लार्वा की तलाश हो रही है। मुजफ्फरपुर में जांच टीम को घर और स्कूल के अंदर मच्छरों का लार्वा मिला है। टीम ने घर और स्कूल से सैंपल लिया था। पटना में कई इलाके डेंगू के लिए हॉट स्पॉट बने हुए हैं। इनमें मछुआटोली, कंकड़बाग, अगमकुआं, सिपारा, झाऊगंज, बहादुरपुर, कुम्हरार, मुसल्लहपुर हॉट, महेंद्रू, भागवत नगर आदि शामिल है।

पत्नी-साली को मारी गोली, फिर सुसाइड

दंपती की मौत: पटना में पति के साथ नहीं जाना चाहती थी महिला, 2 महीने से ससुराल में था आरोपी

पटना। बाढ़ में एक शख्स ने अपनी पत्नी और साली को गोली मार दी। फिर खुद को भी गोली मारकर सुसाइड कर लिया। वारदात में गर्भवती पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि साली की हालत गंभीर है। स्थानीय सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। घरेलू विवाद में गोली चलाने की बात सामने आ रही है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। घटना पंडारक के बिहार बीघा की है। आरोपी दीपक कुमार(28) बिहार शरीफ का रहने वाला था। वो अपने ससुराल में ही रहता था। आज सुबह पति-पत्नी में लड़ाई हुई। गुस्से में आकर उसने पत्नी लक्ष्मी देवी (24) पर फायरिंग कर दी। गोली की आवाज सुनते

ही बड़ी बहन गुड़िया कुमारी (30) बचाने आई, लेकिन दीपक ने उसे भी गोली मार दी। फिर खुद को गोली मार ली। लक्ष्मी देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गुड़िया की हालत गंभीर है। गुड़िया देवी भी प्रेग्नेंट है। वारदात के बाद आरोपी ने खुद को गोली मार ली। जिससे उसकी मौत हो गई। बाढ़ एसडीपीओ अपराजिता लोहान ने बताया कि घरेलू विवाद में वारदात को अंजाम दिया गया है। दीपक करीब 2 महीने से अपने ससुराल में ही रह रहा था। पहले उसने अपने घर में पत्नी से मारपीट की थी। जिसके बाद वो अपने मायके आ गई थी। पूछताछ में परिजनों ने बताया कि दीपक अपनी पत्नी को घर ले जाना चाहता था। 2 महीने से इसलिए ससुराल में था। वो उसके साथ नहीं जाना चाह रही थी। तो बदले की भावना से उसने गोली चला दी। मौके से 3 खोखे और हथियार बरामद हुआ है। जांच के लिए फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है।

3 साल पहले हुई थी शादी

दीपक कुमार और लक्ष्मी देवी की शादी 3 साल पहले हुई थी। दोनों का 2 साल का एक बेटा है। पत्नी 8 महीने की गर्भवती थी। लक्ष्मी देवी के पिता नहीं है। इस वजह से बड़ी बहन गुड़िया देवी अपनी मां के साथ ही रहती थी। गुड़िया देवी भी 3 महीने की गर्भवती है। घटना के वक्त घर में सिर्फ दोनों बहन ही थी। मां खेत पर गई थी।

गायब छात्रा 6 दिन बाद कोलकाता में मिली

परिवार बोला-हमारे पैसों से इंवेस्टिगेशन, दरोगा की डिमांड पर बुक कराई स्कॉर्पियो, डीएसपी का इनकार

पटना। 24 अगस्त को गायब हुई छात्रा को पुलिस ने 6 दिन बाद कोलकाता से सकुशल बरामद कर लिया है। पटना पुलिस ने देर रात ट्वीट करके इसकी जानकारी दी है। अब पुलिस लड़की से पूछताछ करने की तैयारी में है। जिसके बाद पूरे मामले का खुलासा हो पाएगा। इधर परिजनों का आरोप है कि हमारे पैसों से ही इन्वेस्टिगेशन पूरी हुई है। दरोगा की डिमांड पर स्कॉर्पियो बुक कराई। कोलकाता में रहने-खाने का सारा खर्च हमने ही दिया है। वहीं, डीएसपी साकेत कुमार ने इससे इनकार किया है। डीएसपी का कहना है 'पुलिस पर जो भी आरोप लगाए गए, उसकी जांच के लिए छात्रा के पिता से फोन पर बात हुई। इस बारे में उन्होंने कुछ नहीं कहा। वो जैसे ही पटना आएंगे, उनसे डिटेल्स में पूछताछ की जाएगी। जो विधि सम्मत कार्रवाई होगी, वो की जाएगी।' नीट की तैयारी करने वाली स्टूडेंट 24 अगस्त को अपने घर से सुबह बिना

कुछ बताए संदिग्ध हालत में गायब हो गई थी। पिता ने शास्त्री नगर थाने में केस दर्ज कराया। खुद सुराग लगाकर पुलिस को कोलकाता का कनेक्शन भी बताया। पटना के उस युवक को भी पकड़कर पुलिस को सौंपा, जो इस घटना में बड़ी कड़ी था।

अब मामला लड़की को कोलकाता से बरामद करने का था। परिजनों का आरोप है कि शास्त्री नगर थाने की पुलिस ने पैसा नहीं होने की बात कहकर हाथ खड़े कर दिए थे। लड़की की बरामदगी के लिए परिवार वालों से ही डिमांड कर दी। डिमांड एक स्कॉर्पियो गाड़ी की बुकिंग और 4 दरोगा के कोलकाता में रहने खाने के खर्च की थी। बेटी के लिए पीड़ित परिवार को पुलिस की हर शर्त माननी पड़ी। 25 अगस्त से पटना पुलिस के 4 दरोगा को लेकर लड़की के पिता कोलकाता पहुंचे थे। काफी मशक्कत के बाद लड़की मिली। गायब स्टूडेंट की बड़ी बहन ने कहा, ' पटना पुलिस के 4 सब इंस्पेक्टर (दो महिला और दो पुरुष) 25 अगस्त से ही पापा के साथ स्कॉर्पियो बुकिंग कराकर कोलकाता गए थे। स्कॉर्पियो को 12 रुपए प्रति किलो मीटर के हिसाब से पैसे देने पड़े, नाइट स्टे और ड्राइवर का खर्च अलग है।' गायब स्टूडेंट की बड़ी बहन ने बताया, 'पुलिस वालों की डिमांड पर महंगे होटल में 3 कमरा बुक करना पड़ा। सबका खर्च मेरे पापा ने दिया। अलग-अलग रूम में सभी को ठहराया गया। एक में दोनों महिला पुलिसकर्मी और दूसरे में दोनों पुरुष पुलिस कर्मी और तीसरे रूम में मेरे पापा ड्राइवर साथ थे। पुलिस अपनी गाड़ी भी नहीं ले गई। डिमांड करके स्कॉर्पियो गाड़ी की बुकिंग कराई। 24 अगस्त से ही छात्रा अपने घर से सुबह बिना कुछ बताए संदिग्ध हालत में गायब हो गई। जिसे ढूंढने के लिए 25 अगस्त को शास्त्रीनगर थाने की पुलिस टीम कोलकाता के लिए निकली। बड़ी बहन का कहना है कि अब तक लगभग 1 लाख रुपए पीड़ित परिवार के खर्च हो चुके हैं।

हेलमेट नहीं पहनने पर कार चालक का चालान

पटना। ट्रैफिक पुलिस ने हेलमेट नहीं पहनने पर कार मालिक का चालान काट दिया। 1000 रुपए का जुमार्ना लगाया है। मोबाइल पर मैसेज आने के बाद पीड़ित हैरान है। उन्होंने अधिकारियों से ऑनलाइन शिकायत की है, लेकिन अभी तक इसे सुधारा नहीं गया है। बाइपास थाना क्षेत्र के बेगमपुर निवासी गौरव कुमार ने बताया कि 31 अगस्त को मोबाइल पर एक मैसेज आया। जिसे ट्रैफिक पुलिस की ओर से भेजा गया था। जब ओपन करके देखा तो होश उड़ गए। हेलमेट नहीं पहनने पर कार का चालान काट दिया है। एक सप्ताह से कार को गैराज से बाहर ही नहीं निकाला हूं। उन्होंने आगे कहा कि चालान पर बाइक सवार महिला और पुरूष की फोटो है। जबकि नंबर मेरे कार का है। फोटो में साफ दिख रहा है कि बाइक के पीछे बैठी महिला ने हेलमेट नहीं पहन रखा है। उसकी गाड़ी का नंबर BR01EV/259 8 है। जो एम्स गोलंबर के पास 30 अगस्त की बताई जा रही है। जबकि कार का नंबर BR01FV/259 8 है। विभाग को EV और FV में अंतर ही समझ में नहीं आया।

बिहार पशु विज्ञान विवि में पौधरोपण

हमारी संस्कृति और परंपरा में पौधों का महत्वपूर्ण स्थान है : राज्यपाल

पटना। किसानों को सम्मानित किया गया राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने ह्यएक पेड़ मां के नामह्न अभियान के तहत बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में पौधरोपण किया। विवि सभागार में हुए समारोह में राज्यपाल ने कहा कि पर्यावरण के लिए पेड़-पौधों के साथ-साथ पशु भी आवश्यक हैं। सर्वजन के तहत वे सभी प्राणी आते हैं जिनमें जीवन और प्रजनन क्षमता है। इसके अंतर्गत पेड़-पौधे और पशु-पक्षी सहित समस्त जीव आते हैं और उनका संरक्षण हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति और परंपरा में पौधों का महत्वपूर्ण स्थान है। हमारे ऋषियों और मनीषियों ने भी प्रकृति के सानिध्य में रहने तथा अधिकाधिक पेड़ लगाकर प्रकृति के संरक्षण का संदेश दिया है। अपने घरों में तुलसी का पौधा लगाकर उसकी पूजा, वट वृक्ष की पूजा आदि अनेक प्रकार की पूजा पद्धतियां हमें प्रकृति से

जोड़ती हैं और इससे उसका संरक्षण होता है। हजारों वर्षों की इस परंपरा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने मां के साथ जोड़कर ह्यएक पेड़ मां के नामह्न अभियान शुरू किया और अपनी मां के नाम पर पौधा लगाकर प्रकृति के संरक्षण का आह्वान किया है। हमें इस अभियान से जुड़कर पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयत्नशील है। हमारा देश पेरिस सम्मेलन के निर्णयों के प्रति भी कटिबद्ध है। बिहार का वन क्षेत्र राष्ट्रीय औसत की तुलना में काफी कम है। इस राज्य के वन क्षेत्र को बढ़ाने का दायित्व हम सबका है। हमें अधिकाधिक पौधरोपण करना चाहिए। इस अवसर पर राज्यपाल ने वैज्ञानिकों और बिहार के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम को पर्यावरण मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, पशु विज्ञान विवि के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने भी संबोधित किया।

जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से केसी त्यागी का इस्तीफा

इजराइल को मदद और अग्निवीर पर सवाल उठाए थे, इससे भाजपा नाराज थी, राजीव रंजन को जिम्मेदारी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से राष्ट्रीय महासचिव किशन चंद त्यागी (केसी त्यागी) ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने 'अमर उजाला' से बातचीत में इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि 1984 से इस तरह की भूमिका में रहा। वह कपूरी ठाकुर, बीजू पटनायक आदि का जमाना था। तब इस भूमिका को निभा रहा हूं। अब हर समय बात करने की उम्र नहीं रही, इसलिए राष्ट्रीय प्रवक्ता की जिम्मेदारी छोड़ दी है। जनता दल यूनाईटेड के महासचिव आफाक अहमद खान ने चिट्ठी जारी कर यह जानकारी दी। कहा कि केसी त्यागी ने प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया गया है। उन्होंने पद छोड़ने का कारण निजी बताया है। उनकी जगह राजीव रंजन प्रसाद को जदयू का राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के

साथ लंबे समय तक काम कर चुके किशनचंद त्यागी को जनता दल यूनाईटेड (खउब) की 22 मई 2023 एक बार फिर इज्जत के साथ पद पर वापसी हुई थी। इस बार उन्हें विशेष सलाहकार बनाया गया, लेकिन मुख्य धारा में रखने के लिए राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता की जिम्मेदारी भी दी गई। राष्ट्रीय महासचिव और प्रवक्ता के पद से उन्हें मार्च महीने में हटाया गया था, तब उन्होंने कहा था कि वह पार्टी के किसी जिम्मेदारी वाले पद पर खुद काम नहीं करना चाहते हैं। 1989 में हापुड़-गाजियाबाद सीट से पहली बार जनता दल के प्रत्याशी किशन चंद त्यागी को लोगों ने जिताकर संसद भेजा। राजनीति में सक्रिय होने और स्थानीय होने का उन्हें पूरा लाभ मिला। हालांकि उनका कार्यकाल दो साल ही रहा। इस दौरान वह जनता के बीच ही उपलब्ध रहे। 73 वर्षीय केसी त्यागी पहली बार चौधरी चरण सिंह की पार्टी लोकदल से 1984 में गाजियाबाद-हापुड़ लोकसभा सीट से चुनाव लड़े और कांग्रेस के केदारनाथ सिंह से हार गए। वह दूसरे स्थान पर रहे। उन्हें 22.5 फीसदी वोट मिले।

1989 में जनता दल के राष्ट्रीय महासचिव बने

दूसरी बार 1989 में जनता दल के राष्ट्रीय महासचिव बने और गाजियाबाद से चुनाव लड़ा। उन्होंने कांग्रेस के कद्दावर नेता और सांसद बीपी मौर्य को हरा दिया। 1991 में वह इसी सीट से तीसरी बार जनतादल के टिकट से चुनाव लड़े और भाजपा के रमेश चंद तोमर से हार गए। वह करीब 24 हजार वोटों से हार गए। इसके बाद 1996 में वह समाजवादी पार्टी के टिकट से गाजियाबाद सीट से चौथी बार चुनाव लड़े लेकिन उन्हें हार का समाना करना पड़ा। इस चुनाव में वह दूसरे स्थान पर रहे। 2004 में मेरठ सीट से जनतादल यूनाइटेड के टिकट पर चुनाव लड़े लेकिन हार का सामना करना पड़ा। 2012 में बिहार से राज्यसभा सांसद बने। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं। बिहार राज्य का प्रतिनिधित्व करते हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के खास लोगों में हैं। वह जिले के मोरटा गांव के रहने वाले हैं।

मयूर पंख से होते हैं हर ग्रह के दोष दूर

हिन्दू धर्म में मोर के पंखों का विशेष महत्व है। मोर के पंखों में सभी देवी-देवताओं और सभी नौ ग्रहों का वास होता है। ऐसा क्यों होता है, हमारे धर्म ग्रंथों में इससे संबंधित कथा है .

भगवान शिव ने मां पार्वती को पक्षी शास्त्र में वर्णित मोर के महत्व के बारे में बताया है। प्राचीन काल में संध्या नाम का एक असुर हुआ था। वह बहुत शक्तिशाली और तपस्वी असुर था। गुरु शुकाचार्य के कारण संध्या देवताओं का शत्रु बन गया था। संध्या असुर ने कठोर तप कर शिवजी और ब्रह्मा को प्रसन्न कर लिया था। ब्रह्माजी और शिवजी प्रसन्न हो गए तो असुर ने कई शक्तियां वरदान के रूप में प्राप्त की। शक्तियों के कारण संध्या बहुत शक्तिशाली हो गया था। शक्तिशाली संध्या भगवान विष्णु के भक्तों का सताने लगा था। असुर ने स्वर्ग पर भी आधिपत्य कर लिया था, देवताओं को बंदी बना लिया था। जब किसी भी तरह देवता संध्या को जीत नहीं पा रहे थे, तब उन्होंने एक योजना बनाई। योजना के अनुसार सभी देवता और सभी नौ ग्रह एक मोर के पंखों में विराजित हो गए। अब वह मोर बहुत शक्तिशाली हो गया था। मोर ने विशाल रूप धारण किया और संध्या असुर का वध कर दिया। तभी से मोर को भी पूजनीय और पवित्र माना जाने लगा। ज्योतिष शास्त्र में भी मोर के पंखों का विशेष महत्व बताया गया है। यदि विधिपूर्वक मोर पंख को स्थापित किया जाए तो घर के वास्तु दोष दूर होते हैं और कुंडली के सभी नौ ग्रहों के दोष भी शांत होते हैं। घर का द्वार यदि वास्तु के विरुद्ध हो तो द्वार पर तीन मोर पंख स्थापित करें।

शनि के लिए

शनिवार को तीन मोर पंख ले कर आएं। पंख के नीचे काले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ तीन सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें-

ॐ शनैश्चराय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मिटटी के दीपक तेल सहित शनि देवता को अर्पित करें।
- गुलाब जामुन या प्रसाद बना कर चढ़ाएं। इससे शनि संबंधी दोष दूर होता है।

चंद्र के लिए

सोमवार को आठ मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे सफेद रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ आठ सुपारियां भी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ॐ सोमाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पान के पांच पत्ते चंद्रमा को अर्पित करें।
- बर्फी का प्रसाद चढ़ाएं।

मंगल के लिए

मंगलवार को सात मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे लाल रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ सात सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ॐ भू पुत्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पीपल के दो पत्तों पर चावल रखकर मंगल ग्रह को अर्पित करें। बूंदी का प्रसाद चढ़ाएं।

बुध के लिए

बुधवार को छः मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे हरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ छः सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ॐ बुधाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- जामुन बुध ग्रह को अर्पित करें।
- केले के पत्ते पर रखकर मीठी रोटी का प्रसाद चढ़ाएं।

गुरु के लिए

गुरुवार को पांच मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे पीले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ पांच सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ॐ बृहस्पते नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- ग्यारह केले बृहस्पति देवता को अर्पित करें।
- बेसन का प्रसाद बनाकर गुरु ग्रह को चढ़ाएं।

शुक्र के लिए

शुक्रवार को चार मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे गुलाबी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ चार सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ॐ शुक्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मीठे पान शुक्र देवता को अर्पित करें।
- गुड़-चने का प्रसाद बना कर चढ़ाएं।

सूर्य के लिए

रविवार के दिन नौ मोर पंख लेकर आएं और पंख के नीचे मैरून रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ नौ सुपारियां रखें, गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ॐ सूर्याय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- इसके बाद दो नारियल सूर्य भगवान को अर्पित करें।

राहु के लिए

शनिवार को सूर्य उदय से पूर्व दो मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे भूरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ दो सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ॐ राहवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- चौमुखा दीपक जलाकर राहु को अर्पित करें। कोई भी मीठा प्रसाद बनाकर चढ़ाएं।

केतु के लिए

शनिवार को सूर्य अस्त होने के बाद एक मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे स्लेटी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंख के साथ एक सुपारी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ॐ केतवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पानी के दो कलश भरकर राहु को अर्पित करें।
- फलों का प्रसाद चढ़ाएं।

कौन-से देवता होते हैं भादो मास में प्रसन्न

भाद्रपद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार वर्ष का छठा महीना और चतुर्मास का दूसरा महीना है। इसे भादो भी कहते हैं। आओ जानते हैं कि इस पवित्र माह में कौनसे 10 देवताओं की पूजा करने से वे होते हैं प्रसन्न।

- **श्रीकृष्ण** : इसी माह में कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाता है, क्योंकि उनका जनन्म भाद्रपद की अष्टमी को हुआ था। डोल ग्यारस तक उनके जन्मोत्सव की धूम रहती है। इस माह में उनकी पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को बलरामजी की जयंती भी रहती है।
- **माता पार्वती** : इस माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरितालिका तीज का पर्व मनाया जाता है। व्रत रखकर माता दुर्गा, पार्वती और शिवजी की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **गणेश जी** : भाद्रपद की शुक्ल चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक गणेशोत्सव मनाया जाता है। भगवान गणेश की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **विश्वकर्मा जी** : भाद्रपद की परिवर्तनी एकादशी के दिन देवताओं के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **भगवान विष्णु** : भाद्रपद की चतुर्दशी को भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा होती है। इसी पूजा से अनंत भगवान प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा भाद्रपद की अजा और परिवर्तनी एकादशी के दिन भी भगवान विष्णु की पूजा होती है।
- **श्रीराधा जी** : भाद्रपद की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को श्री कृष्ण का जन्म और शुक्ल अष्टमी को राधाजी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। राधा अष्टमी के दिन राधाजी की श्री कृष्ण के साथ पूजा करने से वे प्रसन्न होती हैं।
- **पितृदेव** : भाद्रपद माह की पूर्णिमा से ही श्राद्ध पक्ष प्रारंभ हो जाता है। इस माह में पितृदेव या पितरों के देव अर्यमा को प्रसन्न किया जाता है। ऋषियों की पूजा के साथ पितृदेव की पूजा करें।
- **शिव जी** : चातुर्मास प्रारंभ होने के बाद विष्णुजी पाताल लोग में योगनिद्रा में चले जाते हैं तब चार माह के लिए शिवजी अपने रुद्र रूप में सृष्टि का संचालन करते हैं अतः इस माह में शिवजी के रुद्र रूप की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। प्रदोष और मासिक शिवरात्रि के दिन उनकी पूजा करने चाहिए।
- **सूर्यदेव** : इस माह में सूर्यदेव की पूजा भी की जाती है। उन्हें अर्घ्य देने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **हनुमान जी** : भाद्रपद के अंतिम मंगलवार को बुढ़वा मंगलवार मनाया जाता है। माना जाता है कि इसी दिन रावण ने उनकी पूंछ में आग लगा दी थी। जिसके चलते लंका दहन हो गया था।

श्रीकृष्ण के शारंग धनुष की खास बातें

श्रीराम के पास कोदंड, शिवजी के पास पिनाक और अर्जुन के पास गाण्डिव धनुष था। प्रभु श्रीकृष्ण को आपने धनुष धारण करते हुए नहीं देखा होगा परंतु उनके पास था सारंग या शारंग नाम का धनुष। आओ जानते हैं इसके बारे में कुछ खास।

- भगवान श्रीकृष्ण सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर भी थे यह बात तब पता चली, जब उन्होंने लक्ष्मणा को प्राप्त करने के लिए स्वयंवर की धनुष प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में कर्ण, अर्जुन और अन्य कई सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरों ने भाग लिया था। द्रौपदी स्वयंवर से कहीं अधिक कठिन थी लक्ष्मणा स्वयंवर की प्रतियोगिता। भगवान श्रीकृष्ण ने सभी धनुर्धरों को पछाड़कर लक्ष्मणा से विवाह किया था। हालांकि लक्ष्मणा पहले से ही श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थी इसीलिए श्रीकृष्ण को इस प्रतियोगिता में भाग लेना पड़ा।
- शारंग का अर्थ होता है रंगा हुआ, रंगदार, सभी रंगोंवाला और सुंदर।
- कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का यह धनुष सींग से बना हुआ था।
- कुछ मानते हैं कि यह वही शारंग है जिसे कण्व की तपस्यास्थली के बांस से बनाया गया था। ब्रह्माजी के आदेश से विश्वकर्माजी ने इन बांसों से 1.गांडीव, 2. पिनाक और 3.सारंग नाम के तीन धनुष बनाए थे।
- यह भी कहा जाता है कि वत्तासुर नाम का एक दैत्य था जिसका संपूर्ण धरती पर आतंक था। उसके आतंक का सामना करने के लिए दधीचि ऋषि ने देशहित में अपनी हड्डियों का दान कर दिया था। उनकी हड्डियों से 3 धनुष बने- 1.गांडीव, 2.पिनाक और 3.सारंग। इसके अलावा उनकी छाती की हड्डियों से इन्द्र का वज्र बनाया गया। इसी सभी दिव्यास्त्रों को लेकर वत्तासुर के साथ युद्ध किया और उसका वध कर दिया गया था।
- एक कथा के अनुसार भगवान कृष्ण और राक्षस शल्व के बीच एक युद्ध के दौरान शारंग धनुष प्रकट होता है। शल्व ने कृष्ण के बाएं हाथ पर हमला किया जिससे कृष्ण के हाथों से शारंग छूट गया। बाद में, भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शल्व के सिर को धड़ से अलग कर दिया।
- कहते है कि भगवान विश्वकर्मा ने तीन धनुष बनाए थे। पहला पिनाक, दूसरा गांडिव और तीसरा शारंग। ब्रह्मा ने विष्णुजी और शिवजी के बीच झगड़ा पैदा कर दिया कि तुम दोनों में से बेहतर तीरंदाज कौन है। फिर दोनों में भयंकर युद्ध हुआ। शिवजी के पास पिनाक था और विष्णुजी के नास शारंग। अंत में ब्रह्माजी ने दोनों के क्रोध को शांत किया तब शिवजी ने क्रोधित होकर पिनाक देवरात को सौंप दिया। देवराज से यह धनुष राजा जनक के पास चला गया। इसी तरह विष्णुजी ने भी क्रोधित होकर अपना धनुष ऋषि ऋचिक को सौंप दिया।
- शारंग धनुष सबसे पहले भगवान विष्णु के पास था। विष्णुजी ने इसे ऋषि ऋचिक को दे दिया था। ऋषि ऋचिक ने अपने पौत्र परशुराम को दिया और परशुरामजी ने श्रीराम को दिया। श्रीराम ने यह धनुष जल के देवता वरुण को दे दिया और भगवान वरुणदेव ने खांडवदहन के दौरान इस धनुष को श्रीकृष्ण को सौंप दिया। मृत्यु से ठीक पहले, कृष्ण ने इस धनुष को महासागर में फेंककर वरुण को वापस लौटा दिया।

हताशा से घिर जाएं तो यह उपाय अपनाएं

हमारे आसपास अगर नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है तो यह जीवन में हताशा लाता है। इसके लिए वास्तु दोष भी कारण हो सकते हैं। अगर मन में नकारात्मक विचारों का प्रवाह बढ़ रहा है तो वास्तु में बताए गए आसान से उपायों को अपना सकते हैं। यह उपाय जीवन जीने की प्रेरणा देंगे और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाएंगे। हताशा अगर घेरने लगे तो शिव स्तुति, महामृत्युंजय मंत्र, शिवकवच, देवीकवच का पाठ करें। नियमित रूप से भगवान शिव का जलाभिषेक करें। पांच अन्न गेहूं, ज्वार, चावल, मूंग, जवा और बाजरा का दान करें। पक्षियों को अन्न खिलाएं। नमक के जल से स्नान करें। घर में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था करें। सूरज की किरणें घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक हैं। घर के दरवाजे और खिड़कियों को अच्छे से साफ करें। अगरबत्ती या धूप जलाएं। गायत्री मंत्र का उच्चारण करें। घर में हवन या पूजा कराएं। घर को व्यवस्थित रखें। पुराने पर्दे या चादरें बदल दें। घर के जिस हिस्से में नकारात्मक ऊर्जा का अहसास होता हो वहां जोर-जोर से ताली बजाएं। तुलसी के पौधे को घर में जरूर लगाएं। शनिवार के दिन वस्त्र और भोजन बांटें। घर में सदैव शांति बनाए रखने का प्रयास करें। यह भी माना जाता है कि किसी दूसरी जगह जाने से हताशा और दुर्भाग्य से छुटकारा मिल जाता है।

घबराता है मन हमेशा रहती है बेचैनी ...तो यह उपाय आजमाएं

अगर बात-बात पर मन घबराता है। भविष्य को लेकर हमेशा आशंका बनी रहती है। जोखिम के बारे में सोचने से भी डर लगता है तो यह वास्तु उपाय आपके काम आ सकते हैं। इन उपायों को अपनाने से आत्मबल में वृद्धि होगी और अनिष्ट की आशंका भी दूर होगी। आइए जानते हैं इनके बारे में।

घर में रोजाना सुबह-शाम भगवान की पूजा करें और पूरे घर में कर्पूर का धुआं करें। हनुमान जी अपने भक्तों का साथ कभी नहीं छोड़ते हैं। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान जी के मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का नित्य प्रति पाठ करें। घर की छत पर लाल रंग की पताका लगाने से अनिष्ट दूर हो जाते हैं। कभी भी यात्रा पर जाने से पहले प्रकृति के विरुद्ध कुछ न कहें। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग तो बिल्कुल न करें। नदी, आग और हवा के बारे कोई बुरी बात न करें। घर से निकलते समय हमेशा अच्छी बात कहें। घर से बाहर जाते समय मुख्य द्वार पर विराजमान गणेश जी से वापस आकर मिलने का वादा करें। घर के मुख्य द्वार के पास तुलसी का पौधा लगाएं। रोजाना तुलसी के पौधे की पूजा करें। तुलसी के सामने सरसो के तेल का दीपक भी जलाएं। दक्षिण दिशा की तरफ पैर कर न सोएं। शयन कक्ष में मुख्य द्वार की ओर पैर कर न सोएं। पक्षियों को लाल मसूर खिलाएं। घर की छत को हमेशा स्वच्छ रखें।

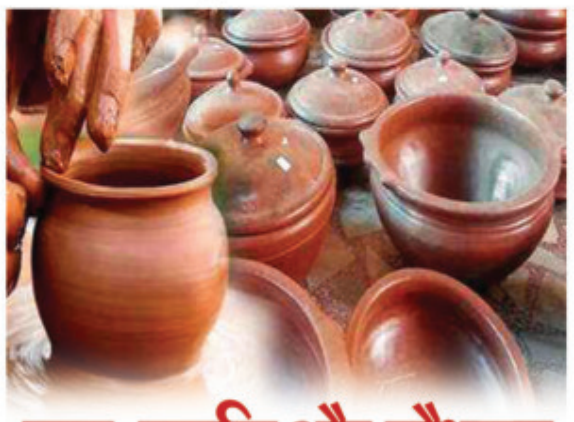

सुख, समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं मिट्टी के बर्तन

वास्तु में माना जाता है कि मिट्टी के बर्तन सुख, सौभाग्य और बेहतर स्वास्थ्य लाते हैं। आइए जानते हैं मिट्टी के बर्तनों के कुछ ऐसे फायदे जिन्हें वास्तु में बताया गया है। वास्तु के अनुसार हर व्यक्ति को मिट्टी या भूमि तत्व के पास ही रहना चाहिए। मिट्टी से बनी वस्तुएं सौभाग्य और समृद्धिकारक होती हैं। मिट्टी के बर्तनों में पकाए अन्न में ईश्वरीय तत्व माना जाता है। हर घर में मिट्टी का घड़ा अवश्य होना चाहिए। घड़े का पानी पीने से बुध और चंद्रमा का प्रभाव शुभ होता है। घड़े को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। मानसिक रूप से परेशान हैं तो मिट्टी के घड़े से पौधे को पानी दें। जो लोग मंगल के कोप से प्रभावित हैं, उन्हें कोई भी पेय पदार्थ मिट्टी के बर्तन में ही पीना चाहिए। मिट्टी के बर्तन में पानी भरकर घर की छत पर पक्षियों के लिए अवश्य रखें। मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति को घर में लाने से धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं। रोजाना तुलसी के पौधे के पास मिट्टी का दीया जलाएं। मिट्टी से बनी वस्तुओं या खिलौनों से अपने ड्राइंग रूम को सजाएं। इससे रिश्तों में मधुरता आती है। हर त्योहार पर घर में मिट्टी के दीये जलाएं। घर में मिट्टी के बर्तन रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

आखिर गीता में क्या खास है?

कलियुग के प्रारंभ होने के मात्र तीस वर्ष पहले गीता को अर्जुन के अलावा संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में जब यह ज्ञान दिया गया तब मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की तिथि एकादशी थी। उस दिन रविवार था। कहते हैं कि उन्होंने यह ज्ञान लगभग 45 मिनट तक दिया था। अर्जुन के नन्दिघोष नामक रथ पर सारथी के स्थान पर खड़े होकर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश किया था। कहते हैं प्रथम दिन का उपदेश प्रातः 8 से 9 बजे के बीच हुआ था। बाद के उपदेश कैंप में होते थे।

- गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम-नियम और धर्म-कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार-बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। इसका कोई सा भी अध्याय अन्य अध्याय का रिपिटेशन नहीं है। विषय भले ही एक हो लेकिन प्रत्येक अध्याय में अलग ही तरह का ज्ञान है।
- गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, यम-नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्वजन्म, प्रारब्ध, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है। गीता का मुख्य ज्ञान है कैसे स्थितप्रज्ञ पुरुष बनना, ईश्वर को जानना या मोक्ष प्राप्त करना।
- श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है।

डब्ल्यूबीबीएल में ये भारतीय महिला खिलाड़ी खेलते हुए आएंगी नजर, हरमनप्रीत और शेफाली को मिली निराशा

पेरिस (एजेंसी)। 27 अक्टूबर से शुरू होने वाली आगामी महिला बिग बैश लीग में भारत की 6 महिला क्रिकेटर्स को चुना गया है। इस लिस्ट में टीम इंडिया की उपकप्तान स्मृति मंधाना को एडिलेड स्ट्राइकर्स ने पहले ही मंधाना के साथ अनुबंध कर लिया था। दयालन हेमलता पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम से जुड़ेंगी। टॉप क्रम की ये बल्लेबाज पहली बार इस लीग का हिस्सा होंगी।

विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया भी ब्रिस्बेन में डेब्यू करेंगी। वह मेलबर्न स्टार्स टीम के साथ जुड़ेंगी। भारतीय हरफनमौला दीप्ति शर्मा भी इस टीम का हिस्सा है। तेज गेंदबाजी के साथ बल्ले से योगदान देने के लिए जानी जाने वाली शिखा पांडे को ब्रिसबेन हीट ने चुना है। वह पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगी क्योंकि वह भारत की टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा नहीं हैं। वह ब्रिसबेन हीट की टीम में जेमिमा रोड्रिग्स के साथ शामिल हुई हैं। डब्ल्यूबीबीएल 27 अक्टूबर को एडिलेड में एडिलेड स्ट्राइकर्स और ब्रिसबेन हीट के बीच मैच के साथ सुरू होगा।

हालांकि, हरमनप्रीत कौर और शैफाली वर्मा को महिला बिग बैश लीग 2024 ड्रॉफ में नहीं खरीदा गया। जबकि उनका डब्ल्यूबीबीएल रिकॉर्ड शानदार रहा है।

अवनि लेखरा क्वालिफिकेशन में 11वें और सिद्धार्थ बाबू 28वें स्थान पर रहे

शेटराउ (फ्रांस) (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाज अवनि लेखरा पैरालंपिक खेलों की मिश्रित 10 मीटर एयर राइफल प्रोन (एसएच1) स्पर्धा में रविवार को यहां 11वें जबकि सिद्धार्थ बाबू 28वें स्थान पर रहे और इस तरह से फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए।

अवनि 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के अपने प्रदर्शन को नहीं दोहरा पाई और अच्छी शुरुआत के बावजूद 628.8 अंक के कुल स्कोर के साथ फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रही। सिद्धार्थ ने 628.3 का स्कोर किया। अवनि के छह सीरीज में अंकों का क्रम 105.7, 106.0, 104.1, 106.0, 104.8, 106.2, जबकि सिद्धार्थ का स्कोर 104.6, 103.8, 105.7, 104.9, 103.6, 105.7 रहा।

अवनि ने शुक्रवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल (एसएच1) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। वह लगातार दो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी थी। उन्होंने विश्व रिकॉर्ड के साथ अपने खिताब का बचाव किया था। एसएच1 में खिलाड़ी बिना किसी मुश्किल के बंदूक पकड़ सकते हैं तथा खड़े होकर या बैठकर निशाना लगा सकते हैं।

रूट इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले बल्लेबाज बने, कुक को पीछे छोड़ा

लॉर्ड्स (एजेंसी)। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने श्रीलंका के खिलाफ यहां खेले जा रहे क्रिकेट टेस्ट मैच की दूसरी पारी में भी शतक लगाकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही रुट के नाम अब 34 शतक हो गये हैं और वह इंग्लैंड की ओर से टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले ये रिकार्ड एलिस्टर कुक के नाम था। कुक के नाम 33 शतक हैं। अब रुट टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। रुट ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरी पारी में 121 गेंदों पर 103 रन बना दिये। वहीं पहली पारी में रूट ने 143 रन बनाये थे।

रूट की 103 रन की पारी से इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 251 रन बनाए। इससे इंग्लैंड ने श्रीलंका को जीत के लिए 483 रन का लक्ष्य दिया। रूट अब लॉर्डस के मैदान में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। इस ऐतिहासिक मैदान पर उन्होंने सातवां शतक लगाया है। इस प्रकार उन्होंने इस मैदान पर छह शतक लगाने वाले अपने ही देश के पूर्व क्रिकेटरों माइकल वॉन और ग्राहम गूच को पीछे छोड़ दिया है। रूट ने 145वें मैच में करियर का 34वां शतक लगाया जबकि कुक ने अपने 33 शतक के लिए 161 टेस्ट खेले थे। रूट ने इसके अलावा इंग्लैंड की ओर से 50 अर्धशतक भी लगाये हैं। इस साल वह अभी तक सबसे ज्याद चार शतक बनाने में सफल रहे हैं।

जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में अब तक 200 कैच पकड़े हैं। इस प्रकार वह 200 कैच के क्लब में शामिल होने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले भारत के राहुल द्रविड़ के नाम 210 कैच जबकि श्रीलंका के महेला जयवर्धने के नाम 205 कैच हैं।

सुनील गावस्कर ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर की भविष्यवाणी, ये टीम 3-1 से जीतेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने इस साल की बहुप्रतीक्षित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में कौन सी टीम जीतेगी इसे लेकर भविष्यवाणी की है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में आयोजित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पिछले दो संस्करण क्रमशः 2018/19 और 2020/21 में जीते हैं। 2024/25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत और ऑस्ट्रेलिया क्रमशः पर्थ, एडिलेड (गुलाबी गेंद का खेल), ब्रिस्बेन, मेलबर्न और सिडनी में 5 मैचों की महत्वपूर्ण श्रृंखला में आमने-सामने होंगे।

गावस्कर ने अपने कॉलम में लिखा, 'यह निश्चित रूप से एक रोमांचक श्रृंखला होगी, जिसमें दोनों पक्षों की प्रतिभाएं मौजूद हैं और यह यह भी दिखाएगी कि टेस्ट मैच क्रिकेट हमारे प्रिय खेल का अंतिम प्रारूप क्यों है। ओह, और मेरी भविष्यवाणी भारत की 3-1 से जीत है।' उन्हें यह भी लगता है कि ऑस्ट्रेलिया को बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर की कमी खलेगी, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। तब से स्टीव स्मिथ और उस्मान ख्वाजा ने टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलिया के लिए पारी की शुरुआत की है, लेकिन उन्होंने 7 पारियों में केवल 21.3 का औसत बनाया है।

डेविड वार्नर के संन्यास के बाद उनकी सलामी बल्लेबाजी की समस्याएं बढ़ गई हैं और मध्यक्रम भी थोड़ा कमजोर है, इसलिए ऑस्ट्रेलियाई टीम एक बार फिर से चुनौती के लिए तैयार है। स्वदेश देशों में विदेशी श्रृंखला में भारत हमेशा की तरह धीमी शुरुआत करता है, इसलिए पहला टेस्ट महत्वपूर्ण होगा। गावस्कर ने कहा, 'वे उससे पहले उचित प्रथम श्रेणी के खेल नहीं खेल रहे हैं और साथ ही कुछ टेस्ट मैचों के बीच सप्ताह भर का अंतराल उनके खिलाफ जा सकता है। हालांकि, आजकल अधिकांश दौरा करने वाली टीमों का कार्यक्रम ऐसा ही है।'

कुछ लोगों ने पहले ही ऑस्ट्रेलिया को ट्रॉफी जीतने का प्रबल दावेदार बताया है, गावस्कर ने 22 नवंबर से शुरू होने वाली श्रृंखला से पहले खेले जाने वाले माइंड गेम्स पर कुछ सलाह दी जो 1991/92 के बाद से दोनों टीमों के बीच पहली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला भी होगी। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले भारत द्वारा खेले जाने वाले पांच टेस्ट मैच (घर पर) मानसिक रूप से मजबूत होने के लिए अच्छे होंगे, जो इस तरह के कठिन दौर के लिए आवश्यक है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों, वर्तमान और पूर्व दोनों के साथ दिमागी खेल शुरू हो चुके हैं, जो परिणाम के बारे में अपने विचार व्यक्त कर रहे हैं। जबकि वे (ऑस्ट्रेलिया) ग्लेन मैकग्राथ की तरह क्लीन स्वीप के बयान नहीं दे रहे हैं, फिर भी वे सुझाव दे रहे हैं कि ऑस्ट्रेलिया जीतेगा। दुख की बात है कि रवि शास्त्री के अलावा, कोई भी अन्य पूर्व या वर्तमान खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियाई टीम के दिमागी खेल का मुकाबला नहीं कर पाया है।'

उन्होंने कहा, 'शायद रविचंद्रन अश्विन को हमें एक विशेष डिलीवरी के बारे में बताना शुरू कर देना चाहिए जो वह स्टीव स्मिथ के लिए विकसित कर रहे हैं, वह भी अगर वह बल्लेबाजी की शुरुआत करना जारी रखते हैं और जसप्रीत बुमराह से बच सकते हैं।'

मनीषा रामदास पैरा बैडमिंटन महिला एकल के सेमीफाइनल में पहुंची

पेरिस : भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी मनीषा रामदास ने रविवार को पेरिस पैरालिंपिक 2024 की महिला एकल एसयू5 क्यूएच स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान की मामिको टोयोडा को 2-0 से हराया। इसी के साथ उन्होंने इस स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। आज यहां मनीषा ने अपनी जीत के सिलसिले को जारी रखते हुए क्वार्टरफाइनल मुकाबले में जापानी खिलाड़ी को 21-13, 21-16 से हराया। इससे पहले मनदीप कौर को एसएल3 की क्वार्टर फाइनल स्पर्धा में नाइजीरिया की मरियम बोलाजी के खिलाफ सीधे सेटों में 8-21, 9-21, 2-0 से हार गईं। अंतिम आठ से पहले के ग्रुप मुकाबलों में मनदीप कौर ने शानदार प्रदर्शन किया था। एक अन्य मुकाबले में पलक कोहली को एसएल4 क्वार्टर फाइनल स्पर्धा में इंडोनेशिया की के सादियाह के खिलाफ 0-2 से 19-21, 15-21 से हार कर पैरालंपिक से बाहर हो गई है।

गौतम गंभीर जहां भी जाते हैं प्रभाव छोड़ते हैं : जोंटी रोड्स

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर जोंटी रोड्स का मानना है कि भारत के नए मुख्य कोच गौतम गंभीर किसी भी टीम के साथ तुरंत प्रभाव छोड़ने की क्षमता रखते हैं और उनके रहते हुए भारतीय टीम और मजबूत होगी। रोड्स ने कहा, 'गंभीर जहां भी जाते हैं अपना प्रभाव छोड़ते हैं। हमने देखा है कि जब वह लखनऊ सुपर जायंट्स को छोड़कर कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़े तो उन्होंने किस तरह से तुरंत प्रभाव छोड़ा।' उन्होंने कहा, 'वह बेहद व्यवहार कुशल व्यक्ति हैं और जानते हैं कि उन्हें क्या करना है। वह हमेशा अपने मन की सुनते हैं। गंभीर अपने काम में कभी कोई कसर नहीं छोड़ते और उनके रहते हुए भारतीय टीम और अधिक मजबूत होगी।' रोड्स लखनऊ की टीम के फील्डिंग कोच हैं और उन्होंने इस आईपीएल टीम के मेंटर के रूप में जहीर खान की नियुक्ति की सराहना की। उन्होंने कहा, 'आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में आपको शांत दिमाग वाले लोगों की जरूरत पड़ती है। अगर भावनाएं आप पर हावी होने लगती हैं तो इसका असर डगआउट या मैदान पर मौजूद हर खिलाड़ी पर पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में जाक (जहीर) जैसे किसी व्यक्ति का होना बहुत अच्छा है।' रोड्स ने युवा बल्लेबाज आयुष बडोनी की तुलना दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज बल्लेबाज हर्शल गिब्स से की। बडोनी ने दिल्ली प्रीमियर लीग के एक मैच में 19 छक्के लगाकर नया रिकॉर्ड बनाया। रोड्स ने कहा, 'वह मुझे कुछ हद तक हर्शल गिब्स की याद दिलाता है। उसके पास जबरदस्त हिटिंग क्षमता है। वह पारंपरिक और अपरंपरागत दोनों तरह के शॉट अच्छी तरह से खेल सकता है।'

कभी सोचा नहीं था... पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड बनाने पर बोले आयुष बडोनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ रिकार्ड 19 छक्के लगाने वाले साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के कप्तान आयुष बडोनी का मानना है कि दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) मैच में अपनी शानदार टाइमिंग के दम पर वह 55 गेंद में 165 रन की रिकॉर्डतोड़ पारी खेलने में सफल रहे।

दाएं हाथ के 24 साल के इस खिलाड़ी की ताबड़तोड़ पारी के दम पर साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने शनिवार को खेले गे मैच को 112 रन से जीतकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया। बडोनी ने इस दौरान सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य (120) के साथ दूसरे विकेट के लिए 286 रन की साझेदारी कर टी20 क्रिकेट का नया रिकॉर्ड बनाया। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलने वाले बडोनी ने 19 छक्के जड़े जो टी20 क्रिकेट का नया रिकॉर्ड है।

टी20 मैच की किसी पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड इससे पहले संयुक्त रूप से वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और एस्टोनिया के साहिल चौहान के नाम था। दोनों बल्लेबाजों ने एक समान 18 छक्के लगाए थे। बडोनी से कहा, 'मैं बस गेंद को अच्छी तरह से हिट करने पर ध्यान दे रहा था, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक पारी में 19 छक्के लगाऊंगा। मैं सिर्फ गेंद की टाइमिंग पर ध्यान देता हूं और गेंद को जोर से मारने की कोशिश नहीं करता।'

इस पारी के बाद आईपीएल की आगामी मेगा नीलामी में बडोनी के लिए कई फ्रेंचाइजी टीमें बोली लगाएंगी। इस युवा बल्लेबाज ने कहा, 'मैं अभी (आईपीएल) मेगा नीलामी के बारे में नहीं सोच रहा हूं। एक कप्तान के तौर पर मेरा ध्यान फिलहाल डीपीएल जीतने पर है।' उन्होंने कहा, 'आईपीएल में खेलने से यहां (डीपीएल) एक बल्लेबाज के रूप में मेरे लिए काम बहुत आसान हो गया है। हम वहां विश्व स्तरीय गेंदबाजों का सामना करते हैं, और फिर यहां आकर खेलना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है।'

लखनऊ सुपरजायंट्स के सहायक कोच जोंटी रोड्स ने बडोनी की तुलना दक्षिण अफ्रीक के पूर्व आक्रामक सलामी बल्लेबाज हर्शल गिब्स से की है। बडोनी ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा, 'जोंटी और मेरे बीच बहुत अच्छे रिश्ते हैं। मैं इस तरह से तारीफ किये जाने पर उन्हें धन्यवाद करना चाहता हूं और बस इतना कहना चाहता हूं कि जल्द ही मिलेंगे जोंटी।'

5 सितंबर को केबीसी में नजर आयेंगे मनु और अमन

मुम्बई। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर और पहलवान अमन सहरावत अब बॉलीवुड महानायक अमिताभ बच्चन के गेम शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) में नजर आयेंगे। ये दोनो ही केबीसी के 16वें सीजन में दिखाई देंगे। कौन बनेगा करोड़पति 16 के निर्माताओं ने अपने ताजा प्रोमो में ये घोषणा की है। इसमें कहा गया है कि मनु भाकर और अमन के ओलंपिक पदक जीतने के लिए उन्हें सम्मानित किया जाएगा। 5 सितंबर को प्रसारित होने वाले विशेष एपिसोड में प्रशंसका मनु और अमन को देख सकेंगे। इसी को लेकर सोनी टीवी के सोशल मीडिया हैंडल पर मनु और अमन का एक वीडियो भी साझा किया गया है। इसमें कहा गया है कि विश्व में विजय ध्वज लहराने वाले, ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और अमन सहरावत आ रहे हैं केबीसी में। कौन बनेगा करोड़पति, 05 सितंबर, रात 9 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर दिखेंगा। साथ ही इस वीडियो में मनु और अमन के साथ केबीसी 16 के मंच पर होने वाले जश्न की एक झलक भी दिखेगी।

हॉकी इंडिया ने किया बड़ा ऐलान, बेरोजगार खिलाड़ियों को देगी 2 लाख रुपए

लखनऊ (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने कहा है कि जिन खिलाड़ियों को अभी तक सरकारी विभागों या सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (पीएसयू) में नौकरी नहीं मिली है ऐसे पुरुष और महिला कोर समूह के सदस्यों को दो लाख रुपये का अनुदान दिया जाएगा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, 'अधिकतर हॉकी खिलाड़ियों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में उनके प्रदर्शन के लिए पीएसयू और सरकारी विभागों द्वारा नौकरी दी जाती है, लेकिन हमारे ध्यान में लाया गया है कि सीनियर कोर ग्रुप में शामिल कुछ नए खिलाड़ी, खासकर महिलाओं वर्ग बेरोजगार हैं। बेरोजगार खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता प्रदान की जायेगी ताकि उन्हें या उनके परिवारों को गुजर बसर करने के लिए संघर्ष न करना पड़े। हॉकी इंडिया के कार्यकारी बोर्ड ने लखनऊ में एजीएम के ऐसे खिलाड़ियों को प्रत्येक दो लाख रुपये का अनुदान देने का फैसला किया गया है।' उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हॉकी इंडिया की 31 राज्य सदस्य इकाइयों के प्रतिनिधियों और हॉकी इंडिया कार्यकारी बोर्ड के सदस्यों अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की, महासचिव भोला नाथ सिंह और कोषाध्यक्ष शेखर जे मनोहरन को लखनऊ स्थित अपने आवास पर चाय पर आमंत्रित किया। इस अवसर पर राज्य खेल मंत्री श्री गिरीश चंद्र यादव भी मौजूद थे। इस बैठक में उत्तर प्रदेश में हॉकी के विकास चर्चा हुई।

शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम के बाद हॉकी इंडिया की एजीएम पहली बार लखनऊ में आयोजित की गई। बैठक के दौरान हॉकी इंडिया लीग पर भी महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। इसके अलावा, अधिकारियों ने सीनियर और जूनियर पुरुष और महिला भारतीय राष्ट्रीय टीमों द्वारा की गई प्रगति, भारत में आगामी आयोजनों और जमीनी स्तर पर विकास कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई।

पूर्व क्रिकेटर दानिश ने टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान में खेलने से किया मना

इस्लामाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान में होने वाले आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने जाएगी या नहीं इस पर संशय बना हुआ है। अगले साल होने वाले इस टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को दी गई है। इसको लेकर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने कहा है कि भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी नहीं खेलना चाहिए। पाकिस्तान में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी को हाईब्रिड मॉडल के तहत ही खेला जाएगा। मतलब भारत के मुकाबले पाकिस्तान से बाहर कराए जाएंगे। यह बात पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने बयान पर पाकिस्तान श्वद्धद्ध क्रिकेट में हंगामा मचना तय है। बीसीसीआई ने पहले ही साफ कर दिया है कि टीम इंडिया पाकिस्तान में जाकर कोई भी मैच नहीं खेलेगी। दानिश ने भारत के पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी खेलने पर कहा कि पाकिस्तान को पहले भी कहता रहा है, कहता रहा था और आगे भी कहता रहेगा। टीम इंडिया पाकिस्तान खेलने नहीं जाएगी. क्यों जाए, आपकी जिद इतनी है तो टीम इंडिया के बिना ही खेल लीजिए। चैंपियंस ट्रॉफी है ठीक है समझ आता है लेकिन आप को सच्चाई भी देखनी चाहिए. पाकिस्तान की परिस्थिति कैसी है, यहां का माहौल कैसा है पाकिस्तान में. मेरा तो यही कहना है कि भारतीय टीम को पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी खेलने नहीं जाना चाहिए। बता दें आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले साल पाकिस्तान में होना है। इसमें आठ टीमों के बीच कुल 15 मुकाबले खेले जाएंगे। 19 फरवरी से 9 मार्च के बीच यह टूर्नामेंट खेला जाना है। यह टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट पर होगा।

एशियाई संघ ने आईबीए के पक्ष में किया मतदान, मुक्केबाजी का भविष्य अधर में लटका

अल ऐन (यूएई) (एजेंसी)। मुक्केबाजी का ओलंपिक में भविष्य पहले ही अधर में लटका है और अब इस खेल की एशियाई संचालन संस्था ने निलंबित अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) के पक्ष में मतदान करके उसकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। गुप्त मतदान के जरिए किए गए मतदान में 21 देशों ने आईबीए के साथ बने रहने के पक्ष में जबकि 14 देशों ने इस खेल के संचालन के लिए गठित की गई नई संस्था वर्ल्ड बॉक्सिंग में शामिल होने के पक्ष में मतदान किया।

भारत के अलावा जिन अन्य देशों ने मतदान में भाग लिया उनमें बहरीन, भूटान, ब्रुनेई, कंबोडिया, चीन, चीनी ताइपे, तिमोर लेस्ते, हांगकांग, इंडोनेशिया, ईरान, इराक, जापान, जॉर्डन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, लाओस, लेबनान, मकाऊ, मलेशिया, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान, फिलिस्तीन, फिलीपींस, कतर, सऊदी अरब, सिंगापुर, श्रीलंका, सीरिया, ताजिकिस्तान, थाईलैंड, तुर्कमेनिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान, वियतनाम और यमन शामिल थे।

भारत ने पर्यवेक्षक के रूप में भाग लिया। आईबीए का अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के साथ विवाद चल रहा है। आईओसी ने तोक्यो और पेरिस खेलों के लिए ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया की जिम्मेदारी संभाली थी। एशियाई मुक्केबाजी परिसंघ (एएसबीसी) का वर्ल्ड बॉक्सिंग में शामिल होने से इनकार करने के इस फैसले के बाद लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में मुक्केबाजी को शामिल करने को लेकर परेशानियां बढ़ गई हैं।

मतदान के बाद आईबीए ने वर्ल्ड बॉक्सिंग पर निशाना साधते हुए कहा कि नई संस्था के पास प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित करने के लिए साधन की कमी है। आईबीए ने एक बयान में कहा, 'वर्ल्ड बॉक्सिंग के पास प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए किसी तरह का वित्त, विशेषज्ञता और समर्थन नहीं है। उनका मुक्केबाजी को आगे बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है।'

एशियाई संस्था के समर्थन का स्वागत करते हुए आईबीए ने कहा कि इससे पिछले कुछ वर्षों में उसके अच्छे कामकाज की पुष्टि होती है। बयान में कहा गया, 'यह निर्णय (एएसबीसी द्वारा) दुनिया भर में मुक्केबाजी के विकास के लिए की गई आईबीए की वर्षों की कड़ी मेहनत और आईबीए मुक्केबाजी परिवार की सच्ची एकता को दर्शाता है।'

आईबीए ने उन राष्ट्रीय महासंघों पर भी निशाना साधा जिन्होंने गुप्त मतदान के दौरान उसके खिलाफ मतदान किया था। उसने बयान में कहा, 'ऐसे संगठन में शामिल होने का कोई औचित्य नहीं है जिसका मुक्केबाजी को आगे बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है बल्कि केवल अपने नेतृत्व की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को पूरा करना है।' जहां तक भारत का सवाल है तो भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) मई में वर्ल्ड बॉक्सिंग में शामिल होने पर सहमत हो गया था।

एक नजर

नेपाल में 288 परिवारों के डेढ़ हजार लोगों ने की सनातन धर्म में वापसी

काठमांडू: नेपाल के सुनसरी जिले में 288 परिवारों के डेढ़ हजार लोगों ने सनातन धर्म में वापसी की है। विश्व हिंदू परिषद नेपाल के तत्वावधान में आयोजित शुद्धिकरण महायज्ञ के दौरान इन लोगों ने ईसाई पंथ त्याग कर फिर से सनातन धर्म अपनाया। विहिप नेपाल के मुताबिक शनिवार को सुनसरी जिले के देवानगंज में आयोजित एक कार्यक्रम में वहां रह रहे 288 परिवार के करीब 1500 लोग सहभागी थे। विहिप के संगठन सचिव प्रहलाद रेग्मी ने बताया कि घर वापसी करने वाले लोगों के लिए स्थानीय श्रीकृष्ण माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में शुद्धिकरण महायज्ञ का आयोजन किया गया था। रेग्मी ने बताया कि विहिप के घर वापसी अभियान का देशभर से जोरदार समर्थन मिल रहा है और लगातार इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन अलग-अलग जिलों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नेपाल में ईसाई मिशनरियों द्वारा जिस तरह से पैसे के लोभ में मतांतरण किया जा रहा है उसकी असलियत अब लोगों को समझ में आ रहा है। विहिप के प्रयास से लोग स्वधर्म में वापसी करने को लेकर जागृत हो रहे हैं। सुनसरी जिले के देवानगंज में हुए कार्यक्रम में विहिप के पदाधिकारियों के अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पूर्व राज्यसभा सदस्य रिपुन बोरा ने तृणमूल कांग्रेस से दिया इस्तीफा

गुवाहाटी: राज्यसभा के पूर्व सदस्य रिपुन बोरा ने रविवार को तृणमूल कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा, ₹असम के लोग ऐसी पार्टी को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं, जिसे वे दूसरे राज्य का मानते हैं। इन चुनौतियों और पर्याप्त समाधान की कमी के मद्देनजर मैं एक कठिन निर्णय लेने के लिए खुद को बाध्य महसूस करता हूं और मैंने खुद को टीएमसी से अलग करने का फैसला किया है। पार्टी प्रमुख को अपना त्यागपत्र भेजते हुए रिपुन बोरा ने कहा, अप्रैल 2022 में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल होने के बाद से मैंने और मेरी टीम ने असम में पार्टी के विकास के लिए अथक प्रयास किया है। पार्टी को भाजपा का मुकाबला करने के लिए एक विकल्प के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया। टीएमसी में शामिल होने का मेरा फैसला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और आपके नेतृत्व के प्रति मेरी प्रशंसा से प्रेरित था और मैंने इस मिशन के लिए पूरे दिल से प्रतिबद्धता जताई। बोरा ने कहा, असम टीएमसी में काफी संभावनाएं हैं लेकिन कई बार-बार आने वाले मुद्दों ने हमारी प्रगति में बाधा डाली है, जिसमें पश्चिम बंगाल की क्षेत्रीय पार्टी के रूप में टीएमसी की धारणा भी शामिल है।

भारत की यूपीआई ने दुनिया में धूम मचाई : अनुराग ठाकुर

एजेंसी

शिमला : पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने भारत में डिजिटल व कैशलेस लेनदेन को बढ़ावा देने, पेमेंट्स के तरीके को सुगम बनाने व फिनटेक क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए मोदी सरकार के शुरू किए गए भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) को डिजिटल लेन-देन में दुनिया का सबसे बड़ा व सुगम माध्यम बताया है। जिससे जन-जन के लिए बैंकिंग आसान हुई है। आंकड़ों के अनुसार यूपीआई से हर सेकेंड 3729 ट्रांजैक्शन होते हैं और अप्रैल-जुलाई के बीच 81 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ है। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि भारत के वित्तीय तकनीक परिदृश्य में हो रहे बदलाव वास्तव में सामाजिक प्रभाव भी डाल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फिनटेक को बढ़ाया देने की नीति के चलते आज यह अनौपचारिक अर्थव्यवस्था तक पहुंच रहा है और ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच वित्तीय सेवाओं में अंतर को पाटने में मदद कर रहा है। आज भारत का यूपीआई के रूप में डिजिटल लेन-देन में दुनिया का सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म बना है। मोदी सरकार में साल 2016 में शुरू की गई यूपीआई ने भारत में डिजिटल लेनदेन को अत्यंत सुगम बनाया दिया है। लेन-देन समेत बैंकिंग सेवाओं को डिजिटल बनाने के मामले में भारत ने उल्लेखनीय तरक्की की है और प्राप्त आंकड़ों के अनुसार यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) से इस वर्ष अप्रैल से जुलाई की अवधि में 81 लाख करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ है। इसमें सालाना आधार पर 37 फीसदी की बढ़त देखने को मिली है। डेटा के अनुसार यूपीआई से प्रति सेकंड 3,729.1 लेनदेन हो रहे हैं। वर्ष 2022 में यह आंकड़ा 2,348 लेनदेन प्रति सेकंड था। इस दौरान यूपीआई से लेनदेन में 58 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। भारत का विकसित यह मंच आज दुनिया के लिए मॉडल बन रहे हैं। यूपीआई ने पूरी दुनिया के लिए वित्तीय समावेशन प्लेटफॉर्म के रूप में अपनी सशक्त पहचान बनाई है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री ठाकुर में कहा कि कांग्रेस नेता एक समय यूपीआई और डिजिटल इंडिया का मजाक उड़ाते थे। आज अब वही डिजिटल इंडिया आम आदमी की ताकत बन चुकी है। आज फल व सब्जी विक्रेता तक यूपीआइ से लेनदेन कर रहे हैं। कांग्रेस भारत की जनता की क्षमता पर संदेह करती थी, उनका मजाक उड़ाते थे। खुलेआम कहा जाता था कि गरीब लोग डिजिटल का मतलब भी नहीं समझ पाएंगे, लेकिन मोदी सरकार का देश के सामान्य मानविकी समझ पर भरोसा था। मोदी सरकार ने खुद आगे बढ़कर डिजिटल पेमेंट्स का रास्ता आसान बनाया हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि दुनिया में डिजिटल लेनदेन के मामले में भारत शीर्ष पर है। यहां 40 फीसदी के करीब लेनदेन डिजिटल तौर पर किए जाते है। डिजिटल भुगतान करने के लिए लोग सबसे ज्यादा यूपीआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मर्चेंट्स द्वारा यूपीआई क्यूआर कोड के जरिए भुगतान स्वीकार करने और क्रॉस बॉर्डर भुगतान के लिए यूपीआई को अन्य देशों के तेज भुगतान प्रणाली से जोड़ने के लिए कार्यरत है।

जीवन में विफलता से कभी न डरें, यह सफलता की ओर एक कदम है : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

देहरादून : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि हमेशा राष्ट्रीयहित को प्राथमिकता दें, भारत माता आपका इंतजार कर रही है। राष्ट्र का भविष्य आपके कंधों पर है। जिंदगी की जंग लड़ने के लिए खुद में साहस और ज्ञान विकसित करनी होगी। जो लोग चुनौती का सामना करने में जोखिम उठाते हैं, वही साहस, पहल और नेतृत्व करते हैं। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने रविवार को देहरादून स्थित राष्ट्रीय भारतीय सैन्य महाविद्यालय के कैडेट्स को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जीवन में कभी विफलता से न डरें, यह सफलता की ओर एक कदम है। डर की भावना आपकी प्रतिभा के उपयोग और आपके संभावनाओं की वास्तविकता में बाधा डालती है। हमेशा याद रखें कि डर हमारे विकास की यात्रा का आवश्यक हिस्सा है। चंद्रयान मिशन की सफलता की कहानी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक चंद्रयान मिशन को याद करें! चंद्रयान 2 आंशिक रूप से सफल हुआ लेकिन पूरी तरह से नहीं। कुछ के लिए यह विफलता थी और समझदार लोगों के लिए यह सफलता की ओर एक कदम था। पिछले वर्ष 23 अगस्त को चंद्रयान 3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंड किया और भारत इस उपलब्धि को हासिल करने वाला पहला राष्ट्र बन गया। धनखड़ ने कहा कि देश की सेवा गर्व और निर्भीकता के साथ करें। हमेशा राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता दें। आपका आचरण अनुशासन, शिष्टाचार और सहानुभूति का उदाहरण होना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने वर्तमान और पूर्व छात्रों और समुदाय से आग्रह किया कि वे एक थिंक टैंक के रूप में कार्य करें और युवाओं में राष्ट्रीयता की भावना का संचार करें और उन लोगों के खिलाफ कदम उठाएं जो ग्राउंड रियलिटी से अज्ञात हैं और भारत की अद्वितीय आर्थिक वृद्धि, विकास यात्रा और वैश्विक मंच पर उन्नति को नहीं मानते। उन्होंने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के 10 दिसंबर 1962 को आरआईएमसी कैडेट्स को दिए गए भाषण को स्मरण दिलाते हुए दोहराया कि पृथ्वी बहादुरों की होती है, आत्मा में ताकत रखने वालों की होती है, आलसी और अक्षम लोगों की नहीं। इस महान प्रतिस्पर्धा और प्रतिद्वंद्विता की दुनिया में हमें आत्मनियंत्रण और बलिदान से जीवन जीना होगा। इन महान आदर्शों को जीवन में धारण करें। धनखड़ ने कैडेट्स को कठिनाइयों के समय भी खड़ा रहने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि मेरे प्रिय युवा कैडेट्स, आपकी व्यक्तिगत और पेशेवर यात्रा में, आप ऐसे क्षणों का सामना करेंगे जो आपको परखेंगे।

सरकार प्लेटफॉर्म श्रमिकों को सुरक्षा कवर देने के तरीके तलाश रही है : मांडविया

नई दिल्ली : केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आज नई दिल्ली में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए घोषणा की कि भारत सरकार गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।
उल्लेखनीय है कि गिग वर्कर वे लोग होते हैं जो अस्थायी या घंटेवार काम करते हैं। प्लेटफॉर्म वर्कर वे गिग वर्कर होते हैं जो ग्राहकों से जुड़ने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या ऐप का इस्तेमाल करते हैं जैसे, जोमैटो या ब्लिंकिट। केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया ने भारत में गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इसमें उन्होंने कहा कि हम उन्हें वह सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक व्यापक रणनीति पर काम कर रहे हैं, जिसके वे हकदार हैं।

मुख्यमंत्री का यू टर्न, सुक्खू ने दी सफाई- 'हिमाचल प्रदेश में कोई आर्थिक संकट नहीं'

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश की खराब आर्थिकी स्थिति को लेकर खूब बवाल मचा हुआ है। विपक्षी पार्टी भाजपा से लेकर सचिवालय कर्मचारी तक इस मुद्दे पर लगातार सताधारी सुक्खू सरकार की घेराबंदी कर रहे हैं। सूबे की खस्ता वित्तीय हालत पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू अपने दिए बयान से पलट गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि हिमाचल प्रदेश में किसी प्रकार का आर्थिक संकट नहीं है और प्रदेश सरकार ने पहले ही दिन से राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में कार्य किया है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री सुक्खू ने रविवार को शिमला में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि प्रदेश सरकार 70 वर्ष से अधिक आयु के 27 हजार पेंशनभोगियों के बकाये का भुगतान कर रही है और सरकारी कर्मचारियों को 7 प्रतिशत की दर से मंहगाई भत्ता दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर और समृद्ध राज्य बनाने के लिए सरकार सुधारात्मक कदम उठा रही है। जब सुधार किए जाते हैं तो इस तरह के फैसलों से थोड़े समय के लिए रुकावट आती है। इसका अर्थ ये नहीं है कि प्रदेश में आर्थिक संकट है। हम व्यवस्थित ढंग से वित्तीय व्यवस्था को ठीक कर रहे हैं और वित्तीय अनुशासन में रहकर आगे बढ़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जो बिजली का बिलभर सकता है, उसे बिजली बिल मुफ्त क्यों दिया जाए जो पानी का बिल भर सकता है, उसे क्यों मुफ्त पानी दिया जाए। सुक्खू ने कहा कि सूबे की आर्थिक स्थिति पर भाजपा लोगों से झूठ बोल रही है और विधानसभा में भी हर रोज बेवजह हंगामा कर रही है।

जिस माह की है राशन सामग्री, अब उसी माह में मिलेगी : खाद्य मंत्री

एजेंसी

भोपाल : भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में वितरित की जाने वाली खाद्यान्न सामग्री के संबंध में जारी नये निदेर्शों के अनुसार अब पात्र परिवारों को राशन सामग्री का वितरण प्रत्येक माह की 1 से 31 तारीख तक करने की समय-सीमा निर्धारित की गई है। खाद्य, नागरिक एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि अब जिस माह की राशन सामग्री है, उसी माह में मिलेगी। यह केरी फॉरवर्ड नहीं होगी। अगस्त माह से इसे शुरू कर दिया गया है। अगस्त माह में एक करोड़ 17 लाख 53 हजार पात्र परिवारों को राशन सामग्री का वितरण किया गया। जुलाई के राशन सामग्री आवंटन में लगभग 7 लाख 96 हजार परिवारों को 1 से 15 अगस्त तक केरीफॉवर्ड राशन का वितरण भी किया गया था। साथ ही इन परिवारों को अगस्त माह का राशन भी वितरित किया गया। मंत्री राजपूत ने रविवार को मीडिया को बताया है कि माह अगस्त मे 'वन नेशन-वन राशन कार्ड' के तहत मध्य प्रदेश में अन्य राज्यों के 3644 परिवार द्वारा और अन्य राज्यों में प्रदेश के 34 हजार 667 परिवारों द्वारा एवं अन्तर्जिला पोर्टेबिलिटी से 14 लाख 38 हजार 630 परिवारों द्वारा राशन प्राप्त किया गया। यह माह जुलाई की तुलना में अधिक है।

अगस्त में पात्र परिवारों को राशन वितरण की कार्यवाही

समय-सीमा में पात्र परिवारों को राशन वितरण के लिये राज्य स्तर पर प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण रश्मि अरूण शमी की अध्यक्षता में संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक कर राशन प्रदाय एवं वितरण की सुनियोजित कार्य-योजना तैयार कर राशन सामग्री का वितरण कराया गया।

एयर मार्शल तेजिंदर सिंह ने वायु सेना के उप प्रमुख का कार्यभार संभाला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

नई दिल्ली : एयर मार्शल तेजिंदर सिंह ने रविवार को भारतीय वायुसेना के उप प्रमुख का पदभार संभाला। उन्होंने वायुसेना मुख्यालय में चार्ज लेने के बाद नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों को श्रद्धांजलि दी। अत्यधिक अनुभवी लड़ाकू पायलट सिंह को विभिन्न विमानों में 4,500 घंटे से अधिक समय तक उड़ान भरने का अनुभव है। उन्होंने अपने लंबे करियर में कई महत्वपूर्ण कमांड और स्टाफ नियुक्तियां की हैं। एयर मार्शल तेजिंदर सिंह ऐसे महत्वपूर्ण समय में अपना नया पदभार संभाल रहे हैं, जब भारतीय वायु सेना को एलसीए मार्क-1ए, एलसीए मार्क-2 और अपने सुखोई-30 एमकेआई बेड़े के उन्नयन सहित कई महत्वपूर्ण विमान परियोजनाओं को आगे बढ़ाना है। भारतीय वायु सेना को सी-295 परिवहन विमान परियोजना को शामिल करने जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं के साथ-साथ देश में विकसित और निर्मित की जा रही कई हथियार प्रणालियों और मिसाइलों को भी आगे बढ़ाना है। भारतीय सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति ने उनकी सराहनीय सेवाओं के सम्मान में 2007 में वायु सेना पदक और 2022 में अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र ?एयर मार्शल तेजिंदर सिंह मई, 2023 से सभी महत्वपूर्ण पूर्वी वायु कमान के वरिष्ठ वायु कर्मचारी अधिकारी हैं। उन्हें 13 जून, 1987 को भारतीय वायुसेना की लड़ाकू शाखा में कमीशन दिया गया था। वे 4500 घंटे से अधिक उड़ान के अनुभव वाले श्रेणी 'ए' योग्य उड़ान प्रशिक्षक हैं। उन्होंने एक लड़ाकू स्क्वाड्रन, एक रडार स्टेशन, एक प्रमुख लड़ाकू बेस की कमान संभाली है। वे जम्मू और कश्मीर में एयर ऑफिसर कमांडिंग रह चुके हैं।

▶ राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों को श्रद्धांजलि दी- विभिन्न विमानों में 4,500 घंटे से अधिक समय उड़ान भरने का अनुभव

संक्षिप्त खबरें

नेपाल में कालाबाजारी के लिए जमा 1200 क्विंटल चीनी बरामद, गोदाम सील

काठमांडू: उपभोक्ता संरक्षण विभाग की टीम ने रविवार को इंदुशंकर चीनी उद्योग लिमिटेड सलार्ही के गोदाम से कालाबाजारी की चीनी जब्त की है। छापेमारी के दौरान टीम को एक ही उत्पादन तिथि और अलग-अलग एमआरपी (कीमत) वाली राजहंस ब्रांड की अलग-अलग बोरियां मिलीं। विभाग की जांच में पाया गया कि कीमत बढ़ाने के इरादे से 1200 क्विंटल चीनी की जमाखोरी की गई थी, इसलिए गोदाम को आगे की जांच के लिए सील कर दिया गया है। गोदाम से बरामद बोरियों में अंकित अलग-अलग एमआरपी वाली चीनी की जमाखोरी में मिल संचालकों की मिलीभगत होने की आशंका है।
राष्ट्रीय उपभोक्ता मंच के अध्यक्ष प्रेमलाल महर्जन ने कहा कि गोदाम में अलग-अलग एमआरपी वाली चीनी की अलग-अलग बोरियां जब्त किये जाने से पुष्टि हो गई है कि चीनी उद्योग और व्यवसायी कालाबाजारी में शामिल हैं। गृह मंत्रालय ने कहा है कि आने वाले त्यौहारों के मद्देनजर कालाबाजारी रोकने के लिए बाजार पर नजर है। बाजार में चीनी का अभाव होने के बाद वाणिज्य तथा आपूर्ति मंत्रालय के कहने पर उपभोक्ता संरक्षण विभाग को बाजार पर निगरानी रखने को कहा गया है।

हरियाणा को समृद्ध बनाने के लिए मात्र 56 दिनों में लिए ऐतिहासिक निर्णय : नायाब सिंह

जींद: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस कहती है कि भाजपा चुनाव से डर रही है। भाजपा ऐसी पार्टी है, जो रात को भी चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। कांग्रेस झूठ की पार्टी है। हमारी सरकार ने हरियाणा को समद्ध बनाने के लिए मात्र 56 दिन में ऐतिहासिक निर्णय लिये। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने मतदान तिथि में परिवर्तन करने के लिए चुनाव आयोग को पत्र लिखा था, जिससे अधिक से अधिक लोग अपने मत का प्रयोग कर सकें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को एकलव्य स्टेडियम में आयोजित जन आशीर्वाद रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नारनौंद से जजपा के विधायक रहे रामकुमार गौतम, पूर्व मंत्री अनूप धानक, बरवाला से जजपा छोड़ने वाले विधायक जोगीराम सिहाग व अंबाला की मेयर शक्ति रानी शर्मा को भाजपा का पटका पहनाकर पार्टी में शामिल किया। सैनी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा को निशाने पर लेते हुए शायराना अंदाज में कहा कि दिल में कसक है और चेहरे पर नकाब लिए फिरते हैं। जिनके खुद के बही खाते खराब हैं, वो हमारा हिसाब लिए फिरते हैं। भूपेंद्र हुड्डा उनसे सवाल पूछ रहे हैं, जबकि मेरे सवालों का जवाब हुड्डा साहब दे नही पा रहे हैं। उन्होंने पहले भूपेंद्र हुड्डा से 15 सवाल पूछे थे। जिनका जवाब नहीं आया। इसके बाद उन्होंने पांच सवाल पूछे लेकिन उनका भी जवाब नहीं आया। उन्होंने कहा कि दस वर्ष में भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने हर वर्ग का कल्याण किया है। प्रदेश में बिना क्षेत्रवाद के विकास करवाया गया है। जो लोग हिसाब मांग रहे हैं, उन्हें वो बताना चाहते हैं कि 12 मार्च को शपथ लेने के बाद 13 मार्च को विश्वास मत हासिल किया। 8 अक्टूबर तक 182 दिन बनते हैं तो 128 दिन आचार संहिता लगी रही। इस बीच जो मात्र 56 दिन का समय मिला तो उस समय में हरियाणा के लिए ऐतिहासिक निर्णय लेने काम किया। हुड्डा दस साल का हिसाब मांग रहे हैं तो वो 56 दिन का ही हिसाब दे रहे हैं। वो उनके 56 दिन के कार्यकाल पर ही प्रतिक्रिया दें। सैनी ने कहा कि सबसे पहले गरीब लोग, जिनकी आय एक लाख से कम हैं, ऐसे लोगों को एक हजार किलोमीटर तक हरियाणा रोडवेज की बसों में मुफ्त यात्रा की सौगात दी। युवाओं को नौकरियां लगाने का निर्णय लिया। एससी व बीसी समाज की धर्मशालाओं के नवीनीकरण के लिए 118 करोड़ रुपये जारी किया। हुड्डा ने जो प्लाट के नाम पर लॉलीपाप दिया था, ऐसे लोगों को 10 जून को कागज और कब्जा सौ गज के प्लाट पर देने का काम किया। जिन लोगों का दो किलोवाट का कनेक्शन था, उनका मासिक सरचार्ज खत्म किया। 20 जून को महाराजा अग्रसेन हवाई हड्डा हिसार को 544 करोड़ से विस्तारीकरण की बात कही। फसल खराबे के लिए 133 करोड़ उनके खाते में डालने का काम किया। 25 जून को स्वतंत्रता सेनानियों, हिंदी सत्याग्रहियों की पेंशन को बढाया।

बम से उड़ाने की धमकी के बाद जबलपुर-हैदराबाद फ्लाइट की नागपुर में आपात लैंडिंग

नागपुर/जबलपुर: मध्य प्रदेश के जबलपुर से हैदराबाद जा रही इंडिगो के विमान की रविवार को नागपुर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद यह कदम उठाना पड़ा। इंडिगो एयरलाइंस की ओर से जारी बयान के अनुसार हैदराबाद जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट (6ई 7308) ने रविवार सुबह 8 बजे जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट से उड़ान भरी। इसी बीच विमान को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके चलते फ्लाइट को डायवर्ट कर सुबह 9 .25 बजे नागपुर एयरपोर्ट पर उतारा गया। लैंडिंग के समय विमान में 69 यात्री सवार थे। नागपुर में लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को विमान से उतार दिया गया और सघन सुरक्षा जांच शुरू की गई। फ्लाइट में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद यह विमान हैदराबाद के लिए रवाना हुआ। इंडिगो की मैनेजर हिना खान ने बताया कि जबलपुर से उड़ान भरने के कुछ समय बाद क्रू में शामिल ज्योतिस्मिता सैकिया वॉशरूम गईं। यहां टॉयलेट रोल के टुकड़े पर नीली स्याही से लिखा मैसेज दिखा। इसमें लिखा था-'विस्फोट पूर्वाह्न।' सैकिया ने पायलट को सूचना दी। इसके बाद नागपुर एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचना दी गयी। फ्लाइट को नागपुर डायवर्ट कर दिया गया। एमआईएल सुरक्षा और टर्मिनल विभाग द्वारा बम खतरा आकलन समिति को जानकारी दी गई। इसके बाद विमान को नागपुर एयरपोर्ट पर उतारा गया। सभी यात्री सुरक्षित हैं।

इंफाल पश्चिम में ताजा हिंसा में एक महिला की मौत

इंफाल: मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले के अंतर्गत कांगचुप क्षेत्र के कावतरु गांव में गोलाबारी की घटना ने राज्य में एक बार फिर तनाव पैदा कर दिया है। रविवार की दोपहर कुकी उग्रवादियों की गोलीबारी में दो पुलिस कर्मियों समेत पांच लोग घायल हो गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक महिला की मौत हो गई। राज्य पुलिस मुख्यालय के एक अधिकारी के मुताबिक आज रविवार को दोपहर करीब दो बजे संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने इंफाल पश्चिम जिले के कांगचुप इलाके के कावतरु गांव में गोलीबारी की। एक महिला सुरबाला नगांगबाम (31), उसके 12 वर्षीय बच्चे और एक अन्य व्यक्ति को गोली लगी। जब इन लोगों को लैंगफेल के 'रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज' में ले जाया गया, तो डॉक्टरों ने सुरबाला नगंगबाम को मृत घोषित कर दिया। बाकी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पर उनका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलने पर सशस्त्र पुलिस मौके पर गयी। उग्रवादियों और पुलिस के बीच गोलीबारी शुरू हो गयी। दो पुलिसकर्मी घायल हो गये, जिन्हें राज मेडिसिटी ले जाया गया। शाम को भी इलाके में फायरिंग की आवाजें सुनी जा रही हैं, जिससे सुरक्षा बलों की उग्रवादियों के साथ मुठभेड़ जारी होने का अनुमान लगाया गया है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**